



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 23] मई दिल्ली, शनिवार, जून 9, 1979 (ज्येष्ठ 19, 1901)

No. 23] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 9, 1979 (JYAISTHA 19, 1901)

इस भाग में मिस्त्र पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—संख्या 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीकाक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 1 मई 1979

सं. ए० 19014/3/79-प्रशा० I—राष्ट्रपति द्वारा भारतीय राजस्व सेवा (आयकर) के अधिकारी श्री डॉ० के० शास को 23 मार्च, 1979 के पूर्वाहन से आगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्रबर सचिव के पद पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 5 मई 1979

सं. ए० 32014/1/79-प्रशा० I—राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग के स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० स० स्ट० सें० का ग्रेड ख) के रूप में उनकी नियुक्ति पूर्णता अस्थायी तथा तदर्थ आधार पर है और इससे उन्हें के० स० स्ट० सें० के ग्रेड ख में विलयन या वरिष्ठता का त्रैक प्राप्त नहीं होगा। सक्त नियुक्ति कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के अनुमोदन दे दिए जाने की शर्त पर की गई है।

संघ ए० पी० मेहरा और प्र० पी० देवरा ध्य०/८ एवें कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्ट० सें० का ग्रेड ख) के रूप में उनकी नियुक्ति पूर्णता अस्थायी तथा तदर्थ आधार पर है और इससे उन्हें के० स० स्ट० सें० के ग्रेड ख में विलयन या वरिष्ठता का त्रैक प्राप्त नहीं होगा। सक्त नियुक्ति कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के अनुमोदन दे दिए जाने की शर्त पर की गई है।

दिनांक 16 मई 1979

सं. ए० 12025 (II) 1/78-प्रशा० III—कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के का० जा० सं. 5/68/78-सी० ए० (I) दिनांक 13-2-79 के अनुमरण में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के खाद्य विभाग के स्थायी सहायक श्री एम० ए० रावत को राष्ट्रपति द्वारा, 4 मई, 1979 के पूर्वाहन से, आगामी आदेशों तक, केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में संघ लोक सेवा

आयोग में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

एस० बालचन्द्रन, अवर सचिव,
(प्रशासन प्रभारी)

नई दिल्ली 110011, दिनांक 2 मई 1979

सं० पी० 1867-प्रशा० 1—इस कार्यालय की समसंबंधिक अधिसूचना दिनांक 12-1-1979 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के पद पर डॉ पी० एन० कपूर की नियुक्ति को, संघ लोक सेवा आयोग (स्टाफ) विनियमावली 1958 के विनियम 4 के परन्तुक के अनुसार 1-5-1979 से 31-10-1979 तक छह मास की अतिक्रमत अवधि के लिए, अवश्वा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, बढ़ा दिया गया है।

एस० बालचन्द्रन, अवर सचिव,
कृते अध्यक्ष

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 19 मई 1979

सं० 98 आर०सी०टी० 18 (iv)—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतत् द्वारा आयोग के स्थार्द्ध सहायक श्री एच० एस० राठौर को 14 मई, 1979 से 11 अगस्त 1979 तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, स्थानापन्न रूप से अनुभाग अधिकारी नियुक्त करते हैं।

कृष्ण लाल मल्होत्रा, अवर सचिव
कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मन्त्रालय

(कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली दिनांक 19 मई, 1979

सं० टी०-8/72-प्रशासन-5—प्रतिनियुक्ति की अवधि समाप्त हो जाने पर, तमिलनाडु पुलिस के अधिकारी श्री टी० आर० श्रीराम मूलू, पुलिस उप-अध्यक्ष, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने दिनांक 30-4-79 के अपराह्न से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पुलिस उप-अधीक्षक के पद का कार्यभार लाभ दिया और 61 दिन की अंजित छुट्टी पर चले गए। छुट्टी समाप्त हो जाने पर वह पुलिस महानिरीक्षक, तामिलनाडु, मद्रास के पास ड्यूटी के लिए रिपोर्ट करेंगे।

सं० ए०-19036/12/78-प्रशा०-5—प्रतिनियुक्ति की अवधि समाप्त हो जाने पर, श्री जी० जे० देसाई, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो की सेवाएँ दिनांक 30-4-79 के अपराह्न से गुजरात राज्य पुलिस को वापस सौंप दी गई।

दिनांक 21 मई 1979

सं० 19035/2/79-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, अपने प्रसाद से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के निम्नलिखित अपराध-सहायकों को उनके नामों के सम्मुख दी गई तिथि

से अगले आदेश तक के लिए अस्थायी रूप से स्थानापन्न कार्यालय-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

अधिकारी का नाम

कार्यालय-अधीक्षक के रूप में नियुक्ति की तिथि

1. श्री एस० गृष्म० दत्ता	7-5-79 (पूर्वाह्न)
2. श्री एस० सी० दामगुप्ता	7-5-79 (पूर्वाह्न)
3. श्री ओ० पी० चित्कारा	7-5-79 (अपराह्न)

हिरो ए० शहाणी
प्रशासन अधिकारी (स्थान)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय श्रीदौगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-19, दिनांक 21 मई, 1979

सं० ई-38013/3/1/78-कार्मिक—नीमच से स्थानांतरित होने पर श्री ईश्वर मिह ने 27 अप्रैल, 1979 के पूर्वाह्न से भिलाई इस्पात निमिट्ट भिलाई के प्रशिक्षण रिजर्व के टुकड़ी के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

अपठनीय

महानिरीक्षक के०ओ०सु०ब०

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 18 मई 1979

सं० पी/एस०/53-प्रशा०-1—श्री एस० मुखर्जी ने अधिविता की आयु पर पहुंचने पर तारीख 30 अप्रैल, 1979 के अपराह्न से नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ा।

दिनांक 21 मई 1979

सं० 10/23/77-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में अन्वेषक श्री आर० एस० गुप्त को तारीख 7 मई, 1979 के अपराह्न से अगले आदेशों तक उसी कार्यालय में पूर्णतः अस्थाई और तदर्थे आधार पर अनुसंधान अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० 10/23/77-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में अन्वेषक श्री बी० एन० एंडले को तारीख 7 मई, 1979 के अपराह्न से अगले आदेशों तक उसी कार्यालय में पूर्णतः अस्थाई और तदर्थे आधार पर अनुसंधान अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

विजय पाल पांडे
उप महापंजीकार

प्रतिभूति कागज कारखाना, होशंगाबाद (म० प्र०)

होशंगाबाद, दिनांक 10 मई 1979

सं० ए० डी० 4/1434—

श्री पी० के० शर्मा; लेखापाल स्थानापन्न रूप से दिनांक 24-5-1979 से 23-6-1979 तक 31 दिनों के लिए लेखाधिकारी के पद पर बेतनमान रु० ४४०-४०-१०००-८० रु०-४०-१२०० में तदर्थ आधार पर नियुक्त किये जाते हैं। यह जगह श्री ए० के० धोषाल, लेखाधिकारी के उपर्युक्त अवधि के लिए अर्जित अवकाश पर जाने के कारण हुई है।

श्री पी० शर्मा, मुख्य अभियन्ता,

महाप्रबन्धक

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा

रक्षा सेवाएँ

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1979

सं० ७७७/ए० प्रशासन/१३०/७९—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त करने पर सर्वेश्वी पी० ए० बी० कृष्णन और जे० पी० मायुर, स्थाई लेखा परीक्षा, अधिकारी, दिनांक 30-4-79 (अपरान्ह) लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएँ विभाग से सेवा निवृत्त हुए।

के० बी० दास भौमिक
संयुक्त निदेशक

रक्षा मंत्रालय

आर्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड, कलकत्ता
कलकत्ता, दिनांक 11 मई 1979

सं० ८/७९/ए०/१- (एन० जी०) —डी० जी० श्रो० ए० महोदय निम्नलिखित निजी सहायकों को प्रत्येक के सामने दर्शाएँ गए पदों पर उनके सामने दर्शाएँ गई तारीख से, स्थानापन्न आधार पर, बिना वरिष्ठता पर प्रभावित हुए, प्रोन्नत करते हैं।

1. श्री वाई० पी० भसीनस्टेनोग्राफर
ग्रेड 'बी' सीनियरपी० ए० 23-11-78
2. श्री एम० मुख्यर्जी —वही— 23-11-78
3. श्री ई० बी० रामाकृष्णन —वही— 23-11-78
4. श्री आर० एन० बोस —वही— 23-11-78
डी० पी० चक्रवर्ती
ए० डी० जी० श्रो० ए० प्रशासन
कृते आर्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

श्रम मंत्रालय

(श्रम व्यूरो)

क्रमांक-121004, दिनांक 9 जून 1979

सं० २३/३/७९-सी० पी० आई०—अप्रैल, 1979 में औद्योगिक अभियों का विविल भारतीय उपभोक्ता मूल्य तूलकांक (आधार वर्ष १९६०=१००) मार्च, 1978 के स्तर से पांच अंक बढ़ कर ३३७ (तीन सौ सेतीस) रहा। अप्रैल, 1979 माह का सूचकांक आधार वर्ष १९६०=१०० पर परिवर्तित किए जाने पर ४१० (चार सौ दस) आता है।

त्रिभुवन मिह उप निदेशक
श्रम व्यूरो संयुक्त निदेशक

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात नियंत्रित का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 मई 1979

आयात-नियंत्रित व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० ६/१२६६/७८-प्रशासन (राज०) —श्री बी० के० जुत्सी नियंत्रित आयुक्त, ने मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित के कार्यालय, नई दिल्ली में अपर मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित के पद का कार्यभार 20 अप्रैल, 1979 के पूर्वाह्न से छोड़ दिया।

का० वै० शेषाद्रि

मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित

उच्चोग मंत्रालय

ओद्योगिक विकास विभाग

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-२०, दिनांक 19 मई 1979

सं० सी० एन० बी० १/५/७९—सूती वस्त्र (नियंत्रण)

आदेश, 1948 के खण्ड ३४ में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार की पूर्व स्वीकृति से मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० एन० बी०/१/५/६५/१० दिनांक ४-३-१९६६ में, निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूं, अर्थातः—

उपरोक्त अधिसूचना से संलग्न सारिणी की क्रम संख्या १० के संभं ३ में “मुख्यालय के निदेशकगण” के स्थान पर “मुख्यालय के निवेशकगण तथा वरिष्ठ प्रवर्तन अधिकारी गण” पढ़ें।

गौरी शंकर भार्गव

संयुक्त वस्त्र आयुक्त

विस्फोटक सामग्री विभाग

तांगपुर, दिनांक 17 मई 1979

सं० ई०-११/(७) —इस विभाग के ११ जुलाई, 1969 के अधिसूचना सं० ई०-११ (७) में श्रेणी ३ प्रभाग १ के अधीन “वार्यकिंग जी” प्रविष्टि के पश्चात् “विनिदिष्ट स्थलों पर ३१ मार्च, 1980 पर्यन्त अभिप्रयोग विनिर्माण एवं क्षेत्र अभिप्रयोग हेतु वैल ब्लास्ट जलेटिन” जोड़ा जाए।

झंगव नरसिंह मूर्ति

मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-६)

नई दिल्ली, दिनांक 16 मई 1979

सं० ए-१७०११/१५२/७९ प्र०-६—राष्ट्रपति, राष्ट्रीय परीक्षणशाला कलकत्ता के स्थानी सहायक निदेशक (रसायन) श्री के० डी० दास को दिनांक 11 अप्रैल, 1979 के पूर्वाह्न से और आदेशों के जारी होने तक निरीक्षण निदेशक, बर्नपुर के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति के आधार पर भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए के ग्रेड २ की धातु रसायन

शाखा में उप निदेशक निरीक्षण (धातु रसायन) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

पी० ढी० सेठ
उप निदेशक (प्रशासन)
कृत महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय
(खान विभाग)
भारतीय खान ब्यूरो
नागपुर, दिनांक 18 मई 1979

सं० ए० 19011/148/72-स्था० ए०—विभागीय पदोन्तति समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति भारतीय खान ब्यूरो के श्री आर० आर० गणेशन, सहायक खान नियंत्रक को दिनांक 23-3-79 के पूर्वाह्न से उसी विभाग में स्थानापन्न रूप में रूप खान नियंत्रक के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

एम० बालगोपाल
कार्यालय अध्यक्ष

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1979

सं० ए०-12025/1/79-स्थापना-III—क्षेत्रीय स्वास्थ्य कार्यालय, कलकत्ता के मूल्यांकन अधिकारी श्री आई० प्रसाद को जून, 1979 के अन्ते तक अध्यक्ष जब तक इस पद को नियमित आधार पर भरा जाता है, जो भी पहले हो उपर्युक्त पद पर तदर्थे आधार पर कार्य करने रहने की अनुमति दी जाती है।

यह पत्र संघ लोक सेवा आयोग की सहमति से उनके 20 अप्रैल, 1979 के पत्र नं० एफ 2/40 (10)/79-ए० पू० आई० द्वारा जारी किया गया है।

ए० एन० गोपालकृष्णन
अवर सचिव

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय
नई दिल्ली, दिनांक 10 मई 1979

सं० ए० 19012/2/79-स्टोर-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने एफ० ए० एवं सी० ए० ओ०, दक्षिणी केन्द्रीय रेलवे, सिक्किमाद के अनुभाग अधिकारी (लेखा) श्री सी० बी काशीकर को 24 अप्रैल, 1979 की पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक सरकारी चिकित्सा सामग्री भाड़ार, हैदराबाद में लेखा अधिकारी (ग्रुप बी राजपत्रित) के पद पर नियुक्त किया है।

एस० के० कर्त्तक
उप निदेशक प्रशासन (स्टोर)

नई दिल्ली, दिनांक 17 मई 1979

सं० ए० 2025/18/77-प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री सलेन जोसफ को 24 अप्रैल, 1979 के

पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक राजकुमारी अमृतकौर कालेज आफ नसिंग, नई दिल्ली में कैमिस्ट्री के लैक्चरर के पद पर मास्थायी तौर पर नियुक्त किया है।

दिनांक 19 मई 1979

सं० 19-27/73-प्रशासन-3—राष्ट्रपति ने जवाहरलाल सनातकोन्तर चिकित्सा शिक्षा तथा प्रनुसंधान संस्थान पांडिचेरी में रसायनशास्त्र के लैक्चरर के पद पर कार्य कर रहे श्री टी० एन० सी० वेदान्तम का 23 अप्रैल, 1979 की अपराह्न से सरकारी सेवा से इस्तीफा मंजूर कर लिया है।

शाम लाल कुटियाला
उप निदेशक प्रशासन (सं० व प०)

केन्द्रीय मत्स्य शिक्षण संस्थान
बम्बई-58, दिनांक 16 अ० जून, 1979

सं० 1-5/78/स्था०/4914—निदेशक केन्द्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान, बम्बई, श्री भूषण कुमार शर्मा को दिनांक 23-10-1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक अस्थायी आधार पर निदेशक जीव विज्ञन, वेतनमान ₹० ५५०-९०० (ग्रुप 'ब') के पद पर नियुक्त करते हैं। श्री बी० के० शर्मा द्वारा प्रेपित त्याग पत्र दिनांक 24-4-79 मध्यान-पश्चात स्वीकृत किया गया।

श्री न० द्विथेदी
निदेशक

परमाणु ऊर्जा विभाग
परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 14 मई 1979

सं० प ख प्र-1/29/78-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा, श्री गरोमेल्ला रामा दोक्षितलु को परमाणु खनिज प्रभाग में दिनांक 30 अप्रैल, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक स्थानापन्न पद पर वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 मई 1979

सं० प ख प्र-1/29/78-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, एतद्वारा, शुहाय लक्षण घाटे को परमाणु खनिज प्रभाग में दिनांक 4 मई, 1979 को पूर्वाह्न से अगले आदेश तक स्थानापन्न पद पर वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

सं० प ख प्र-1/29/78-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, एतद्वारा श्री ए० पनीर सैलवम को परमाणु खनिज प्रभाग में दिनांक 4 मई, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक स्थानापन्न पद पर वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

सं० प ख प्र-1/29/78-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, एतद्वारा, श्री जोसफ राहमत्तु पीटर को परमाणु खनिज प्रभाग में दिनांक 4 मई, 1979 को पूर्वाह्न से अगले आदेश तक स्थानापन्न पद पर वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

सं० प ख प्र-1/31/78-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, एतद्वारा, श्री एस० जमौल हुसैन गरीफ को परमाणु खनिज प्रभाग में दिनांक 10 मई, 1979 को पूर्वाह्न से अगले आदेश तक स्थानापन्न पद पर वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

सं० प ख प्र-1/6/79-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के सहायक श्री टी० य० नारायणन को श्री आर० एन० डे, सहायक कार्मिक अधिकारी, जिन्हे छुट्टी प्रदत्त कर दी गई है, के स्थान पर दिनांक 4 मई, 1979 को पूर्वाह्न से 5 जून, 1979 तक विशुद्ध अस्थाई पद पर सहायक प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

2. जिस तिथि से श्री आर० एन० डे पश्चार ग्रहण करेंगे उसी तिथि से श्री टी० य० नारायणन को सहायक के पद पर प्रत्यावर्तित कर दिया जाएगा।

एस० एस० राव
कृते वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

ठाणे दिनांक 3 मई 1979

सं० टी० प० पी० एस०/1/34(1)/77-आर० (खंड III)
—मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग निम्नलिखित व्यक्तियों को, आगामी पद पर पदवीद्वय के लिए चयन हो जाने के फलस्वरूप, तारापुर परमाणु बिजलीघर में वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता एस० बी० पद पर रु 650-30-740-35-810-इ० रो०-35-880-40-1000-इ० रो०-40-1200 रुपये के बेतनक्रम में इसी बिजलीघर में अस्थायी अमता में 1 फरवरी, 1979 (पूर्वाह्न) से नियुक्त करते हैं।

क० सं० नाम तथा पद

- श्री एस० के० चक्रवर्ती, वैज्ञानिक सहायक 'सी'
- श्री एस० एस० मक्सेना, वैज्ञानिक सहायक 'सी'
- श्री ए० कोडिया, वैज्ञानिक सहायक 'सी'
- श्री एस० सी० दाभोले, वैज्ञानिक महायक 'सी'

दिनांक 11 मई, 1979

सं० टी० प० पी० एस०/2/1346/77—मूल विभाग में प्रत्यावासन हृते के फलस्वरूप श्री जी० डी० बाबिस्कर, अनुभाग अधिकारी, अधिशासी अभियन्ता कार्यालय (निमणि) पश्चिम रेलवे, बड़ोदा तथा तारापुर परमाणु बिजलीघर में प्रतिनियुक्त सहायक लेखा अधिकारी ने इस बिजलीघर में अपने पद का कार्यभार दिनांक 5 मई, 1979 (अप्राह्न) से छोड़ दिया।

सं० टी० प० पी० एस०/1/19(3)/76-आर—मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग इस बिजलीघर में अस्थायी सहायक लेखापाल श्री यशवंत रामचन्द्र वेलणकर को श्री बी० डी० कवीश्वर, सहायक लेखा अधिकारी, जिन्हें लेखा अधिकारी-II के स्थान पर पदोन्नत किया गया है, के स्थान पर तदर्थ आधार पर दिनांक 14-5-79 से 16-6-79 तक के लिये सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० टी० प० पी० एस०/1/19(2)/76-आर—मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर परमाणु ऊर्जा विभाग इस बिजलीघर में स्थायी लेखापाल तथा स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी श्री बी० डी० कवीश्वर को, श्री के० गोपाल, लेखा अधिकारी-II, जो छुट्टी पर गये हुए हैं, के स्थान पर तदर्थ आधार पर दिनांक 14-5-1979 से 16-6-1979 तक के लिये लेखा अधिकारी-II नियुक्त करते हैं।

ए० डी० देसाई
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कल्पकम, 603102 दिनांक 9 मई, 1979

संख्या ए० 32013/7/79-आर—रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के परियोजना निदेशक केन्द्र के निम्नलिखित कर्मचारियों को उनमें से प्रत्येक के नाम के आगे लिखी तारीख से अगले आदेश तक के लिए उसी केन्द्र में 650-30-740-35-810-इ० रो०-35-880-40-1000-इ० रो०-40-1200 रुपये के बेतनक्रम में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

क० नाम तथा वर्तमान खायिवत पद स्थायी पद तारीख
सं० पद नाम

- श्री बी० धना राव, नक्षानवीस (सी) —1-2-1979
- श्री के० बी० वार्डी, नक्षानवीस (सी) —1-2-79
- श्री टी० प० रामचन्द्रन, वैज्ञानिक सहायक
(बी) वैज्ञानिक सहायक (सी) 5-2-79

ए० सेतुमाधवन
प्रशासनिक अधिकारी

कृते परियोजना निदेश, रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

पर्यटन और नगर विभाग मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई विली-3, दिनांक 17 मई 1979

सं० ई० 03732—मौसम विज्ञान के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली, भारत मौसम विज्ञान विभाग में मौसम विज्ञानी, ग्रेड- श्री जी० एस० भुल्लर, का० 26 अप्रैल, 1979 के पूर्वालि में स्वर्गवाम हो गया।

गुरुमुख राम गुप्ता,
मौसम विज्ञानी (स्थापना)
कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 मई 1979

सं० ए० 32014/1/79-ईसी—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित दो तकनीकी सहायकों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से और अंकित स्टेशन पर महायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त किया है।

क्र०सं०नाम मौजूदा तैनाती स्टेशन तथा तैनाती कार्यभार स्टेशन संभालने की तारीख

- श्री ओ०पी० वे० संचार स्टेशन, रेडियो नियमण 16-4-79
तिवारी च्वालियर एवं विकास एकक, (पूर्वाहन)
नई दिल्ली
- श्री जी० एस० वे० संचार स्टेशन वे० संचार स्टेशन 19-4-79
समात अध्ययंगर बंगलोर बंगलोर (अपराहन)

दिनांक 19 मई 1979

सं० ए० 12025/1/78-ईसी—राष्ट्रपति ने श्री सोहन लाल ए॒क्ष० कुमार को नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में 1-3-79 (पूर्वाहन) से अन्य आदेश होने

तक तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है और उन्हें नियंत्रक संचार, वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई के कार्यालय में तैनात किया है।

सं० ए० 12025/1/78-ईसी—राष्ट्रपति ने श्री मुरेन्द्र कुमार गोड को दिनांक 17-4-79 (पूर्वाहन) से नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में संचार अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है और उन्हें अन्य आदेश होने तक नियंत्रक संचार, वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई के कार्यालय में तैनात किया है।

सत्य देव शर्मा,
उपनिदेशक प्रशासन

इंदौर, दिनांक अप्रैल 1979

सं० 7/79—श्री बही बी० वरन्दानी, प्रवरण श्रेणी निरीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने उनकी अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 'ख' के पद पदोन्नती होने पर दिनांक 23-11-78 के अपराह्न में अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मन्दसौर का कार्यभार सम्भाल लिया।

मनजित सिंह बिंद्रा,
समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्ता का कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक 31 मार्च, 1979 को समाप्त होने वाली तिमाही

दिनांक 21-2-1976 से प्रवृत्त होने वाले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (मात्रां संशोधन) नियम 1976 के नियम 232ए के उप नियम (1) द्वारा मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषित किया जाता है कि केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा नमक अधिनियम 1944 की धारा 9 के अधीन न्यायालय द्वारा दोषी पाये गए व्यक्ति तथा अधिनियम की धारा 33 में उल्लिखित अधिकारी द्वारा 10,000/- रु० या इससे अधिक का अर्थ दण्ड दिया गया है ऐसे व्यक्तियों के नाम व पते निम्न प्रकार से हैं—

क्रम संख्या	व्यक्ति का नाम	पता	अधिनियम के किन प्रावधानों का उल्लंघन किया गया	दण्ड राशि
1	2	3	4	5
1.	श्री एच० बी० अजमेरा	सर्वेश्वी एवरेस्ट पैकेजिंग	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क व नमक अधिनियम 1944 की धारा 9(1)	(1) अभियुक्त संख्या 2 से 5 तक: आरोपों पर प्रत्येक पर रु० 100/- का अर्थ दण्ड कुल राशि रु० 2,400/- न देने की स्थिति में 2 सप्ताह का सश्रम कारावास।
2.	श्री एस० बी० अजमेरा	कारपोरेशन 85, महल	(बी) के साथ पठित धारा 9(1)	(2) अभियुक्त संख्या 1 से 6 तक: आरोपों पर प्रत्येक पर रु० 750/- का अर्थ दण्ड कुल राशि रु० 13,500/- न देने की स्थिति में 3 महीने का सश्रम कारावास।
3.	श्रीमती जे० एम० कोठारी	इन्डस्ट्रीयल इस्टेट	(बी) के साथ पठित धारा 9(1)	
4.	श्रीमती बी० सी० अजमेरा	महाकाली रोड, अन्धेरी	(बीबी) 9(1) (बीबीबी) तथा	
5.	श्री पं० के० कोठारी	(पूर्व), बम्बई- 400 093	9(1) (डी) 1 प्रत्येक धारा 9(1)	

दी जाती है कि केंद्रीय दाम एण्ड कंपनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और सप्रा प्रेस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 1979

सं. 17080/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि सप्रा प्रेस प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और महाभाया बिल्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 1979

सं. 23391/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि महाभाया बिल्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और रामरूप प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 1979

सं. 24376/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि रामरूप प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और लक्ष्मीनारायन महाबीर प्रसाद प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 1979

सं. 24487/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के नाम अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान पर लक्ष्मीनारायन महाबीर प्रसाद प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शात न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और बंगाल रवि माईक्रोस्प्लाई कंपनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 1979

सं. 26182/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि बंगाल रवि माईक्रोस्प्लाई कंपनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सनराईज़ बिनरलस् प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 1979

सं. 27909/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि सनराईज़ बिनरलस् प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एन० शार० सरकार,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
पश्चिम बंगाल

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ख (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज शिलांग

शिलांग, दिनांक 22 मई, 1979

निदेश सं० ए०-२२३/अर्जन/१७८-७९/७८-७९—अतः मुझे
राजेन्द्र नाथ बरा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 55 खत्तियान सं० 55 से 61, 63 से 75
खत्तियान सं० 384 और 322 का है तथा जो हलैचेरा मौजा
और मौजा जारूल टोला, थाना कैलामहर, उत्तर निपुरा
में स्थित है (और इससे उपागढ़ श्रनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 9-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) पौर प्रस्तरिति (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे भ्रतरण के लिए तथा पाण्य गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) भ्रतरण से हुई किसी पाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के
लिए: ग्री/या

कक संघ सोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर ताज्जन
के पद पर नियुक्त किया जाता है।

(1922 का 11) पा उक्त अधिनियम, या
धनका अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाथ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
मुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम—यी धारा 269-ग की उपलब्धारा

(1) के प्रधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

2-96GT/79

और तद्य आवार ५२ नियुक्त रहना।

(1) श्रीमती मुसमात जैबुन नेमा, 16, सागर दत्ता
लेन, कलकत्ता-73।

(अन्तरक)

(2) श्री निशी रंजन देब राय, गोविन्दपुर, कैलामहर
उत्तर निपुरा।

(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोश्वस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमोदन

अनुमोदन दिए जाने की शर्त पर का ज्वलैचेरा टी स्टेट

— १० — १० — १०७०

राजेन्द्र नाथ बरा
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख : 22-5-1979

मोहर:

प्रस्तुप शाई० टी० एम० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 फरवरी, 1979

आदेश सं० राज०/सद्ग० आ० अर्जन/523—अतः मुझे, हरी शंकर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ए० एम० सी० नं० 207/23 है तथा जो अजमेर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अजमेर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाशा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्तकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अन्तः प्रब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती रामकली देवी पत्नी स्व० श्री हरी शंकर एवं श्री रमेश नारायण पुत्र श्री हरी शंकर जायभवाल केमर गंज, अजमेर।
(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश स्वरूप अग्रवाल पुत्र श्री उदयराम अग्रवाल द्वारा मैसर्से सोनिक रेडियोज, स्टेशन रोड, केमर गंज, अजमेर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्तेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैतस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्यंत होंगा, जो उस प्रधायाय में विया गया है।

अनुसूची

ए० एम० सी० न० 207/23, जो केमर गंज, अजमेर में स्थित है का आधा भाग, जो उप पंजियक, अजमेर द्वारा अमांक 2989 दिनांक 11-9-78 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 12-2-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस. —————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रापूत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 फरवरी, 1979

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/524—अतः मुझे, हरी शंकर

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० ए० सी० नं० 207/23 है तथा जो अजमेर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अजमेर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-9-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रतिक्रिया की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम द्वारा प्रतिक्रिया के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती रामकली देवीं विधवा स्व० श्री हरी शंकर एवं श्री रमेश नारायण पुत्र श्री हरी शंकर जानवाल, के०र गंज, अजमेर।

(अन्तरक)

(2) श्री अमृत कुमार पुत्र श्री उदयराम अग्रवाल द्वारा मैपसै भारतीय मिल्स ग्रुप डिपो, स्टेशन रोड, अजमेर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के नम्बन्ध में कोई भी शास्त्रेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वये व्यक्तियों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पाव निवित में किए जा सकेंगे।

संदोहरण:—इसमें रुपर गवर्नर और उन्होंने का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

मकान भवत (हवेली) जिसके नम्बर ए० ए० सी० नं० 207/23 है और केमर गंज अजमेर में स्थित है का आधा भाग जो उप पंजियक, अजमेर द्वारा क्रमांक 2996 दिनांक 11-9-78 पर पंजियक विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

दिनांक 12-2-1979

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथात् :—

प्रकाश प्राइंटो०एन०एस०—

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 6 अप्रैल 1979

निवेद सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/539—यतः मुझे हरी शंकर

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० पार्ट प्लांट नं० 4 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीगरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28 सितम्बर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अनुरूप प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अनुरूप तथा विवास के लिए उससे बचने में सुविधा के लिए, अपर्या

(क) अनुरूप से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रतिरक्त के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, अपर्या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रम्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसूचना में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकार्यों, अर्थात्:—

(1) श्री नरपति सिंह पुत्र श्री जोरावर सिंह, डी-228, तुलसीमार्ग, बनीपार्क, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री अनिल कुमार नाबालिंग पुत्र श्री ओमप्रकाश केडिया, द्वारा संरक्षक श्री ओमप्रकाश निवासी आदरा पोस्ट आदरा जिला पुरुलिया, पश्चिम बंगाल वर्तमान में निवासी ए-8, सरदार पटेल मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में शितवद किसी अध्य अवधि द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रत्येकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 4, संमारचन्द रोड (पुरानी चान्दपोल), चौकड़ी हवाली शंकर, जयपुर पर स्थित मकान सम्पत्ति की जमीन एवं मकान का धारा जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रमांक 2229 दिनांक 28-9-78 पर पंजियक विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर,

सकाम प्राधिकारी

सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

तारीख: 6-4-1979

मोहर:

प्रकृष्ट आई० ई० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 6 अप्रैल 1979

तिर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/540—यतः मुझे,
हरी शंकर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सकान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इ० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 3 है तथा जो जयपुर में स्थित
है (और इससे उपायद्रु अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 20-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत अधिक है और भवतरक (अन्तरकों)
और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी व्याय की वापर, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने वें सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी व्याय या किसी व्यवय या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए या, छिगाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन सम्मालिखित अधिकारी के अवृत्ति :—

(1) श्रीमती पुष्पा कुमारी पत्नी श्री श्रमराजीत सिंह
राजपूत निवासी राजपीपला वर्तमान निवासी
उम्मेद निवास, संसारचन्द रोड, जयपुर।
(अन्तरक)

(2) कुमारी रघुम बंसल पुत्री श्री श्रीकृष्णजी बंसल
निवासी ए-27, कान्तिघन्न मार्ग, बनीपार्क, जयपुर।
(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी आप्तिप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तन्मन्दनी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, और भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्टाक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रदृष्ट शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 3, चौकड़ी हवाली शहर, संसार अन्द रोड
(पुरानी चान्दपोल रोड), जयपुर के सामने की जमीन का
भाग और मकान का भाग जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा
क्रमांक 2511 दिनांक 20-11-78 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र
में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 6-4-1979.

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एम. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 14 मई, 1979

निर्देश सं० राज/सहा०/आ० अर्जन/540 ज०—यतः मुझे हरी शंकर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो अजमेर में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अजमेर में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18 सितम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँजे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः प्रत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, पर्वतः—

(1) कुमारी श्रीवत्ती मुट्टो पुली एस० एन० मुट्टो, सिविल लाइन्स, अजमेर (राजस्थान)। (अन्तरक)

(2) श्री डॉ रमेश पराणिया पुल श्री भवर लाल, पुरानी बस्ती, जयपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजेन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजेन के संबंध में कोई भी आवेदन —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जिसका क्षेत्रफल 934 वर्ग गज है और अमर बाजार के सामने, लोहागल रोड, अजमेर में स्थित है तथा उप-पंजीयक, अजमेर द्वारा क्रम संख्या 3063, दिनांक 18-9-78 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 14-5-1979.

मोहर :

प्रख्य श्राई० टी० एन० एस०——

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 मई, 1979

निर्देश सं० राज/सहा० आ० अर्जन/548—यस: मुझे हरी शंकर

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सन्नम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 4 है तथा जो जयपुर में मैं स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षित के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविध में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यक्षित से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री- अणोक मेहता कर्ता एच० यू० एफ०, सी०-200, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली-110024।
(अन्तरक)

(2) श्री विनोद सिंह मुरडिया, पाम-1, कृष्ण मार्ग, सी-एस्कीम, जयपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तरसम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

मैसूर हाउस, जंकब रोड, सिविल लाइन्स, जयपुर में स्थित प्लाट नं० 4 जिसका क्षेत्रफल 1299 वर्ग गज है और जो उपर्याजीयक जयपुर द्वारा क्रमांक: 2234, दिनांक 28-9-78 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 10-5-1979.

मोहर:

प्रकृत आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर ग्रामिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज,

जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 मई, 1979

निर्देश सं० राज/सहा० आ० अर्जन/544—यतः मुझे हरी शंकर

ग्रामकर ग्रामिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रामिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सी०-86 बी है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-करण ग्रामिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यरक्षों) और प्रत्यारिती (अप्स्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरक्ष के लिए तथा यथा यथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरक्ष सिद्धित में वास्तविक रूप से कायित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त ग्रामिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कभी भरने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी कि ॥ ग्राम या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रामकर ग्रामिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रामिनियम, या प्रनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त ग्रामिनियम, की धारा 269-व के प्रमुखरूप में, उक्त ग्रामिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री गुलाब चन्द बैराठी, पुत्र श्री कालूराम बैराठी, मोतीसिंह भोमिया का रास्ता, जोहरी बाजार, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रीम प्रकाश पुत्र श्री श्री नारायण मीना, निवासी खामनवास, बीचली पट्टी, जिला सवाईमाधोपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित कार्यालयों करता है।

उक्त संपत्ति के उचित के संबंध में कोई भी व्याप्ति नहीं।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उसमें व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रौद्धताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त ग्रामिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया जाता है।

अनुसूची

मी-86, बी, पृथ्वीराज रोड, जयपुर का एक दक्षिणी भाग जो उप-पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रमांक 2284, दिनांक 8-9-78 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरित है।

हरी शंकर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

दिनांक: 8-5-1979.

मोहर:

प्रलेप धाई० टी० एन० एस०—

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधिकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज,
जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 मई, 1979

निर्देश सं० राज/मह० आ० अर्जन/545—यतः मुझे
हरी शंकर

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० सी-86 बी है, तथा जो जयपुर में स्थित
है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 28-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षित) और अन्तरिक्षी
(प्रत्यक्षित) के बीच ऐसे प्रत्यक्षित के लिए तथा पाया गया प्रतिफल
भिन्नभिन्न उत्तरण से उक्त प्रत्यक्षित भिन्निभिन्न रूप
से उचित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यक्षित से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्षित के शायदित्य में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य मास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आधिकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में
उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपलाई (1) के
अधीन, भिन्नभिन्न अधिकारी के अधीन, अवधि :—

3-96GI/79

(1) श्री गुलाब चन्द बैगठी पुत्र श्री कालूराम बैगठी,
मोतीमिह भोमियों का रासना, जोहरी बाजार,
जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रीनारायण भीणा पुत्र श्री कालूराम जी
निवासी बामनवास, नीचनी पट्टी, जिला मवाईमाधो-
पुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाब में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
गल्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोद्वस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एप्पलीकेशन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के प्रधायाय 20-क में परिचित हैं, वही अवधि
होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

बंगला नं० सी-86 बी, का एक उत्तरी हिस्मा, जो पृथ्वी-
राज नेड, जयपुर में स्थित है और उप-पंजीयक, जयपुर
द्वारा क्रमांक 2283, दिनांक 28-9-78 पर पंजीयक विक्रय
पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर,
मकाम प्राधिकारी
महायक आधिकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 8-5-1979.

मोहर :

प्रस्तुप आद० दी० एम० एस०—

आयपर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयपकर आयुक्त निरीक्षण), अर्जन रेंज,

जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 मई 1978

निर्देश सं० राज/सहा० आ० अर्जन/546—पतः मुझे,
हरी शंकर

आयपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पासात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।

और जिसकी सं० सी-86 ए है तथा जो जयपुर में स्थित है,
(और इससे उपान्द्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 28-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि याचार्योंका सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति
प्रतिक्षत अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती-
(प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निम्नित में
वास्तविक रूप से नियत नहीं किया गया है:—

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी आर दी रात। उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को विन्होंने सारलीय आयपकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

पतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसर
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपाधा (1)
के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जातः—

(1) श्री फूल चन्द बैराठी पुत्र श्री कालू राम जी
बैराठी, निवासी बी-179, मंगल मार्ग, बापू
नगर, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री धर्म सिंह नावालिंग पुत्र श्री श्रीनारायण
मीमा संरक्षक निवासी खामनवास बीचली पट्टी,
जिला सवाईमाधोपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में होड़ भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्संबंधी अस्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अब्दोहरताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बंगला नं० सी-86 ए के वक्तिर्णी भाग का हिस्सा, जो
पृष्ठीराज रोड, जयपुर पर स्थित है और उप-पंजीयक जयपुर
द्वारा क्रमांक 2285, दिनांक 28-9-78 पर पंजीबद्ध विक्रय
पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर
भक्तम प्राधिकारी
महायक आयपकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

क्रियांक: 8-5-1979

मोहर:

प्रस्तुत प्राई. टी. एन. एस.-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 मई 1979

निर्वेश सं० राज/सहा० प्रा० अर्जन/547—यतः मुझे हरी शंकर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० सी-86 ए है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर म, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-ष की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री फूत चन्द बैराठी पुत्र स्वतालू रामजो बैराठी, निवासी बी-179, मंगल मार्ग, बापू नगर, जयपुर। (प्रत्यक्ष)

(2) श्री नमोनारायण मीणा, प्रधीकरक आरक्षी, श्री गंगा-नगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रधीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बंगला नं० सी-86 ए, पूर्वीराज रोड, जयपुर का उत्तरी तरफ का एक भाग, जो उप पंजीयक जयपुर द्वारा क्रमांक 2286, दिनांक 28-9-78 पर पंजीयक विक्रम पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 8-5-1979

मोहर:

प्रारूप भाई० टी० एन० ५८०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269प (1) के प्रधीन मूल्य

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 मई 1979

निदेश सं० राज/सहा० आ० अर्जन/551—यतः मुझे हरी शंकर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269प के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान, मनोहर भवन में है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ट अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-9-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरुपण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के शर्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी फ़सी माय गा किसी बन या अन्य प्रस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रतिज्ञान अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रथ, उक्त अधिनियम की धारा 269प के प्रत्युत्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269प की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

(1) श्री भगवत सिंह पुत्र श्री शामाग सिंह जी मेहता, मनोहर भवन, चेतक संकिल, उदयपुर।
(अन्तरक)(2) श्री हुसैनी पुत्र श्री सज्जाद हुसैन जी बोहरा, 10/219, सेक्फीपुरा, उदयपुर।
(अन्तरिती)

को यह मूल्य जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बजें लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बजें के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस मूल्य के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी अवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस मूल्य के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अवित्य द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान जो मनोहर चेतक संकिल, उदयपुर में स्थित है और उप-पंजीयक, उदयपुर द्वारा क्रमांक 1918, दिनांक 21-9-78 द्वारा पंजीयक विक्रय पत्र में और विस्तृत स्पष्ट से विवरणित है।

हरी शंकर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 16-5-1979

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 मई, 1979

निर्देश म ० राज /सहा० आ० अर्जन/550—यतः मुझे
हरी शंकरआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी म ० मनोहर भवन है तथा जो उदयपुर में
स्थित है, (और इसमें उपाखद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 22-9-1978 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक से रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व प्रन्थ आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, लिखाने के
लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पतः:—(1) श्रीमती कंचन देवी पत्नी श्री रंजीत लाल
जी चतुर, मालदास स्ट्रीट, चतुर हॉटस, उदयपुर।
(अन्तरक)(2) श्रीमती सिरिन बाई पत्नी श्री सज्जाद हुसेन
जी बोहरा, 10/219, सैफीपुरा, उदयपुर।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति अर्जन के लिए
कार्यालयियां करता है।

उस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से छिटबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अथ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मनोहर भवन की प्रथम मंजिल जो चेतक सर्कल, उदयपुर
में स्थित है और उप-पंजीयक, उदयपुर द्वारा पंजीबद्ध विक्रय
पत्र मंड्या 1923, दिनांक 22-9-78 में और विस्तृत रूप से
विवरणित है।हरी शंकर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 16-5-1979.

मोहर:

प्रकृष्ट आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 मई 1979

निर्देश सं० राज /सह० आ० अर्जन/552—यतः मूले
एम० आर० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सदम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी स० प्लाट नं० 39 है, तथा जो हनुमान गढ़
जंक्शन में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हनुमानगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 8 सितम्बर, 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्दरूनी प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
चर्चेश से उक्त अन्तरण निर्धारित में बास्तविक रूप से कर्तित नहीं
किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व
में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया
जाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः प्रद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

(1) श्रीमती ज्ञानवती देवी पत्नी श्री रामनिवास
गुप्ता, निवासी अबोहर वर्तमान निवासी 9, साउथ
स्ट्रीट सिंगारेयर कालोनी मदुराई द्वारा उसके
मुख्तार श्री बाबूलाल मित्र का पुत्र घनश्याम
दास मित्र का निवासी हनुमानगढ़ टाउन, श्रीगंगा
नगर, अस्सिनी कुमार पुत्र श्री किशनलालजी
बिहानी, श्री गंगानगर।

(अन्तरक)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही
पर्याय होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 39, क्षेत्रफल 15000 वर्गफुट जो सैकटर
नं० 9/2 हनुमानगढ़ जंक्शन में स्थित है और जो उप-पंजीयक
हनुमानगढ़ द्वारा क्रमांक 2653, दिनांक 8-9-78 पर जीवद्ध
विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० आर० अग्रवाल
सभम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

दिनांक : 23-5-1979.

मोहर :

प्रकृष्ट प्रार्थी टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन थेट्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 22 मई 1979

निदेश सं० एस-175—ग्रतः मुझे अमर सिंह बिसेने वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 3 है तथा जो टी० जी० न्यू सिविल लाइन इन डा० बैजनाथ रोड लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-10-78 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तुरिती (प्रस्तुरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निश्चित में बास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की आवत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय व्यायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के व्यावराय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, कियाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अर, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उप-धारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रवर्तत:—

(1) श्रीमती गायत्री नागर (अन्तरक)
(2) श्री सौ० मो० लुकमान आजमी व श्रीमती मरवती वाहीदी। (अन्तरिती)

को यदि सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहिणी करता है।

उक्त संपत्ति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी प्राप्तेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में वित्तबद्ध किसी ग्रन्थ अक्षित द्वारा, प्रधोहस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्योग:—इसमें प्रपुक्त शब्दों भोट, पटों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयोग होगा, जो उस अधाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला प्लाट नं० 3 9334 स्कावर फिट जो कि टी० जी० न्यू सिविल लाइन डा० बैजनाथ रोड लखनऊ में स्थित है और सम्पत्ति का यह सब विवरण जो फार्म नं० 37-जी० नं० 4265 में अंकित है और जो सब रजिस्ट्री लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 18-10-1978 को दर्ज है।

अमर मिह बिसेन
मक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 22-5-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज- , दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 23 मई, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०-II/एस० आर०-I/
5/79—अतः मुझे डी० पी० गोयल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'चक्र प्रधिनियम' कहा गया है),
की आरा 269 अ (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० 2570-71 है तथा जो श्रीह शाह बूला
चावडी बाजार, दिल्ली-6 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 14-9-1978
का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के भिन्न प्रतिफल की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरांकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के भिन्न तत्त्व
पाया गया प्रतिफल, निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धारा की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के धार्यत्व
में कभी करने या उत्तरो बचाने में गृविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भ्रमकर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया
वया या किया आमा चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब उक्त प्रधिनियम की आरा 269 अ (1) के
अधीन निम्ननिवित अवित्यों, अबतः ।—

(1) श्री ओम प्रकाश भारद्वाज निवासी डी-11 किल्डर्है
नगर, वैस्ट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री स्वतन्त्र कुमार भारगवा निवासी ए-75/ए०
एन० डी० एस० है० पार्ट-11, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाषेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्त्वसम्बन्धी अवित्यों पर
सूचना की सामीक्षा से 30 दिन की अवधि, और
भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यों में से किसी अवित्यित द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अवधि द्वारा, प्रबोजनार्थी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

ल्पणीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही पर्याप्त होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

एक दो मंजिला मकान नं० 2570-71 जो 45 वर्ग
गज के प्लाट के ऊपर बना है, श्रीह शाह बूला, चावडी
बाजार, दिल्ली-6 में स्थित है।

डी० पी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 23-5-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 23 मई, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एन्य०-III/5-79/344—

अतः मुझे ढी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5023 वार्ड नं० 16, ब्लाक एम, गली नं० 3, सत नगर, करोल बाग नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन तारीख 1-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, प्रर्थतः:—

(1) श्री विरेन्द्र कुमार जैन पुत्र श्री ज्ञान चन्द जैन पार्टनर मैं० जैन एस्टेट एजेंसी निवासी 3341 किंचन्यन कालोनी, करोल बाग, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्रीमती संतोष जैन पत्नी श्री जतीन्द्र कुमार जैन व प्रोमिला जैन पत्नी श्री अभय कुमार जैन निवासी 5023, गली नं० 3, सत नगर, करोल बाग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याद्वयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्य द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक द्वाई मंजिसा मकान जिसका स्थानियपल नं० 5023, वार्ड नं० 16, प्लाट नं० 719/46, खसरा नं० 3299/719, क्षेत्रफल 107 वर्गमज, ब्लाक एस, गली नं० 3, सत नगर करोल बाग में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : मकान प्लाट नं० 719/47 के ऊपर

पश्चिम : सर्विस लेन

उत्तर : सड़क

दक्षिण : सर्विस लेन

डी० पी० गोयल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III दिल्ली
नई दिल्ली-1

तारीख : 23-5-1979

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली 1

नई दिल्ली, दिनांक 23 मई, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/५-७९/३४५—मतः
मुझे, डी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुप से अधिक है

और जिसकी मं० ए-८ है तथा जो नवीन शाहदरा दिल्ली-३२ में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-9-1979 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन भार देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्राप्त: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

(1) श्री चमन लाल बोहरा पुत्र श्री खुशी राम बोहरा
निवासी 2/283 तेलीबाड़ा, शाहदरा दिल्ली-३२
(अन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मला पूर्णी पत्नी श्री सुशील कुमार
निवासी ए-८, नवीन शाहदरा, दिल्ली-३२।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जो की होल्ड, प्लाट नं० ए-८ पर बना हुआ है जिसका क्षेत्रफल 165 वर्ग गज है रैंजिंगेस्ल कालोनी जो नवीन शाहदरा के नाम से जानी जाती है, एरिया गांव उलधनपुर, इलाका शाहदरा, दिल्ली राज्य, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है।

उत्तर : मकान प्लाट नं० ए-९ के ऊपर।

दक्षिण : मकान प्लाट नं० ए-७ के ऊपर।

पूर्व : दूसरों की जमीन।

पश्चिम : सड़क।

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 23-5-1979

मोहर :

प्रस्तुत प्राई. टी. एन. एस. —

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269वाँ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 23 मई, 1979

निर्देश सं. आई. ए. सी.एफ.यू.-III/5-79/346—
अतः मुझे डी. पी. गोयल

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वाँ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी मं. 14/40 है तथा जो पंजाबी बाग नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-9-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित ढंग से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये ;

अतः इब्द, उक्त अधिनियम की धारा 269 वाँ के प्रनुभरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269वाँ की उधारा, (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री उजागर मिह पुत्र श्री राम सिंह निवासी मकान नं. 14, रोड नं. 40, पंजाबी बाग नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) 1. ताराचन्द सुनेजा पुत्र श्री टोपन दास सुनेजा, 2. श्री कशमीरी लाल, 3. कुण्ड लाल, 4. मुकंव लाल पुत्रगण श्री तारा चन्द सुनेजा, निवासी मकान नं. 14, रोड नं. 40, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों शुल्क करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिली मकान जो 279.75 वर्ग गज के प्लाट पर बना है, जिसका मकान नं. 14 रोड नं. 40, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है।

डी.पी.गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-I

तारीख : 23-5-1979

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 23 मई, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-III/5-79/341—
अतः मुझे डी० पी० गोपल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एल-1/2 ए है तथा जो नई दिल्ली साउथ
एक्सटेंशन पार्ट-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
(1908 का 16) के अधीन तारीख 15-६-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमानप्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय की धन या अन्य आदितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रबंध नहीं किया गया
या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए,

प्रतः यद्यु, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों अर्थात् :—

(1) श्री जय किशन दास, 30 एन० डी० एस० ई०,
कोप्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी, लिमिटेड, नई
दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री सुभाष चन्द्र जैन, 1135, छत्ता मदन
गोपाल, किनारी बाजार, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तत्संबंधी अवित्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे

एक्स्ट्रीकरण :—इसमें प्रपुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, उन्हीं पर्यंत होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक छाई मंजिला सुखता दरोवस्त वमय तहत आराजी
लगभग 155 वर्ग गज जो प्लाट नं० 2-ए का दक्षिणी
हिस्सा है वाके रैजीडेंशिएल कालोनी मौसूमा, नई दिल्ली
साउथ एक्सटेंशन पार्ट-2, ब्लाक एल-1, नई दिल्ली में
निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : पार्क व अन्य सम्पत्ति

पश्चिम : सड़क

उत्तर : दीवार मुसतरका बर बकाया हिस्सा बिल्डिंग
व प्लाट नं० (एल-1)

दक्षिण : बिल्डिंग बर प्लाट नं० एल-3

डी० पी० गोपल
मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 23-5-1979

मोहर :

प्रलेप शाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 23 मई, 1979

निर्देश सं० शाई० ए० सी०/प्रयु०-III/5-79/342—
ग्रतः मुझे, डी० पी० गोयलआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक हैश्रीराज जिसकी संख्या डी-132 है तथा जो अजय इन्कलेव
सुधाप नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-9-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
दास्ताविह स्थान से किया नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण में हुई किसी आप की बाबत, उक्त में
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
कर या उस किसी जाति सारिं या छिपाने में
सुविधा के लिए;ग्रतः, ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनु-
नत, अन्तर्वैचारिक विविधाम, की पृष्ठ 269-ए की अनुसूची में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपवारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अक्षितियों, प्रर्यातः:—

(1) श्री मोहन लाल छाबड़ा पुत्र श्री हैमराज निवासी
के० सी० 34/ए, अशोक विहार फेज-1, दिल्ली-
52।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती रनबीर कौर पत्नी सै० कमान्डर एच०
एस० मिन्दू, निवासी 126 उदय पार्क मस्जिद
मोठ एक्सटेंशन नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीची अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अक्षितियों में से किसी अक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
किसी अन्य अक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं;
वही प्रबंध होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जिसका नं० 132-डी, अजय इन्कलेव, सुधाप
नगर, नई दिल्ली, की होल्ड, क्षेत्रफल 200 वर्ग गज जो
नजफगढ़ रोड पर है और एन्ड्रिया तिहाड़ गांव का है, निम्न
प्रकार से स्थित है:—

उत्तर : प्लाट नं० डी-131

दक्षिण : प्लाट नं० डी-133

पूर्व : सर्विस लेन 15 कुट चौड़ी

— — — — — — — सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)
लर्ज़ि, रॉय, रिफर्म

तारीख : 22-5-1979

तारीख : 23-5-1979

मोहर :

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०—
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 8 मई 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-III/5-79/343—
अतः मुझे डी० पी० गोयल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1/110-111/191-93 है तथा जो गांव चन्द्रावली जी० टी० रोड, शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीफर्ट प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीफरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीब 12-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के निये प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल का पद्धति प्रतिकाल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ति (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से ही किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्थ घासियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में भै, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अपक्रियों, प्रर्यात :—

(1) श्री अमरनाथ पुत्र श्री मेलाराम, निवासी मकान नं० 16-18, राज ब्लाक नवीन शाहदरा, दिल्ली-32।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती सन्तोष अरोड़ा फत्ती श्री अमर नाथ अरोड़ा, निवासी मकान नं० 16-18, राज ब्लाक, नवीन शाहदरा, दिल्ली-32।
(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा दूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्युक्त रूपः—इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अव होगा, जो उस प्रध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

एक मकान जिसका म्युनिसिपल नं० 1/110-111/191-93 है, 114.94 बग मीटर (137 वर्ग गज) प्लाट पर बना है जो गांव चन्द्रावली जी० टी० रोड, शाहदरा दिल्ली राज्य, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लाट नं०/मकान नं० 1/194-95

पश्चिम : रास्ता व मकान नं० 1/190

उत्तर : जी० टी० रोड

दक्षिण : प्लाट

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख । 23-5-1979

मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचनाभारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 24 मई, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/प्रयु०-१/एल० आर०-III/
सितम्बर/1978-79/65—अतः मुझे, श्री डी० पी० गोयल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक हैऔर जिसकी सं० 135 ब्लाक नं० 10 है तथा जो गोल्फ
लिंक, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 नं० 16) के अंतीम तरीख 16-9-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अपूर्ण अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच इस अन्तरण के लिए,
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित मास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण
में से, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, पर्याप्त :—(1) श्री प्रताप विश्वन किंचलू 2. श्रीमति आनन्द
कुमारी मूर्खाये, 3. श्रीमती शान्ति माला, सबका
निवासी 14-बी रोड, महाराजी बाग, नई दिल्ली
(अन्तरक)(2) श्रीमती कमला सेठ, निवासी 80 पश्चिमी मार्ग,
बसंत विहार, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आस्तेपः—

(क) इस सूचना के राजान में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोद्दात्कारी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।दै. वर्हा अव होगा जो उम अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान भवन (हवेली) जिसके नम्बर ए० एम० सी०
नं० 207/23 है और केमर गंज अजमेर में स्थित है का
आधा भाग जो उप पंजियक, अजमेर द्वारा क्रमांक 2996
दिनांक 11-9-78 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत
रूप से विवरणित है।हरी. संकर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक 12-2-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1—दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 24 अई०, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एम० आर०-III/
सितम्बर-II/ (20) 1978-79—अतः मुझे श्री डी० पी०
गोयलआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक हैऔर जिसकी सं० बी०-23 है तथा जो चिराग इन्क्लेव, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 21-9-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी धार्य की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने म सुविधा
के लिए; और/या(क) ऐसी किसी धार्य या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसर
में, वे उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन विस्तृत व्यक्तियों, अर्थात्:—(1) श्री ए० के० राय गुवा श्री बी० बी० राय निवासी
ए-3, मुजान मिह पार्क, नई दिल्ली।
(अन्तरक)(2) श्री ए० के० मिश्रा (एच० य० एफ०) थू
श्रीमती सनेहनता मिश्रा अर्मपन्ती श्री ए० के०
मिश्रो, निवासी बी-23 चिराग इन्क्लेव, नई
दिल्ली।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए
कार्यबाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के संबंध में कोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय म दिया
गया है।

अनुसूची

एक उडल मंजिला मकान जोकि फ्लाट नं० बी०-23,
जिसका क्षेत्रफल 850 वर्ग गज है, चिराग इन्क्लेव नई
दिल्ली में निम्न प्रकार है—

पूर्व : रोड 45 फीट वाईड

पश्चिम : बी०-22

उत्तर : ओपन स्पेम

दक्षिण : 45 फूट रोड

डी० पी० गोयल
सक्षम अधिकारीसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 24-5-1979

मोहर :

प्रस्तुत गाई० ठी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-१/एम० आर०-III/
सितम्बर-II/ (16)/78-79/658—अतः मुझे, ही०
पी० गोयलआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुप० से अधिक हैऔर जिसकी सं० दुलाल नं० 27 है तथा जो पुण्य मार्केट,
बाजापत नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख

19-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रतिरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और पन्तरक (अन्तरकों)
प्रीरा प्रतिरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे प्रतिरक्षण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित चर्चेष्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वासन्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) प्रतिरक्षण से दूरै किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रतिरक्षण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; यदि या(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी पन या अन्य आस्तिर्थों
को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;अतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसार
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपस्थारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवक्षितों, अर्थात् :—

5-96GI/79

(1) डा० बी० जशा रम, निवास स्थान दुकान नं०

27, लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरः)

(2) श्रीमती शशी सश्वात्, निवास स्थान-II, सी०/29,
लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यशालियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी या लास
निखित में किए जा सकेंगे।इष्टदातारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक दुकान नं० 27, अंतर्फल 85.4 वर्ग गज स्थिति
लाजपत नगर, नई दिल्ली।डा० बी० गोयल
सक्षम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली,
नई दिल्ली-1

तारीख : 22-5-1979

मोहर :

प्रश्नप्रार्थी ही० एम० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 वा० (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ।

अर्जन रेज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली दिनांक 22 मई, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्य०-१/एस० आर०-३३/
मित्यार-२/ (39)/७८-७९/६७६—अतः मुझे, डी० पी०
गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-वा० के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास
करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० ई-४९८ है तथा जो ग्रेटर कलाना-II,
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-९-१९७८
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विषयास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक
(अन्तर्को) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रतिशत तिथि में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है—

(क) प्रतिशत से हुई किसी आय की वापस उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के
वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में
सुचिद्धा के निए; और/या

(म) ऐसी किसी प्रार या किसी धन या अन्य आवृत्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) प्रा० उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
जवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुचिद्धा के लिए;

अतः, यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-वा० के
अनुसरण में, जैसे उक्त अधिनियम की धारा 269-वा० की
उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अवितर्तों, अर्थात्—

(1) श्रीमती कान्ता नन्दा धर्मपत्नी श्री तिलक राज
नन्दा निवास स्थान 21/3 गोरा चन्द रोड,
काशीकत्ता-14।

(अन्तरक)

(2) श्री अजित नन्दा, सतीश कुमार नन्दा और
राजेश नन्दा, पुत्र श्री एच० आर० नन्दा, निवासी
जी-12, नई दिल्ली, माउथ एक्स्टेंशन, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवितर्तों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त अवितर्तों में ये किसी अवितर्त
होंगा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उस स्वावर सम्पत्ति में
हिन्दू दिवंग किसी अन्य अवितर्ती द्वारा, अधोहस्ताभरी
के गाय लिखित में फिर जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें पृष्ठनं० और पृष्ठों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिवाप्ति
हैं, वही अवृं होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

एक मिगन स्टोरी बिल्डिंग नं० ई-४९८, थेट्रफल
वर्ग गज स्थित ग्रेटर कैलाना-II, नई दिल्ली।

डी० पी० गोयल
मकान अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 22-५-१९७९
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई, 1979

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-१/एस० आर०-III/
सितम्बर-1 (41)/648/1978-79—अतः मुझे, डी० पी०
गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' रहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 194/48 है तथा जो डिप्लोमेटिक इन्क्लेव
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 15-9-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तावन से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रन्तरिती वारा प्रकट नहीं किया गया था, या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुग्रहण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अक्षियों, अथवा :—

(1) श्री वेदपाल खरबन्दा पुत्र (स्वर्गीय) श्री हरबंस लाल
निवासी एच० न० एफ-71/1, नई कालोनी,
सी० सी० एफ० एस्टेट, गबलपुर, कैन्ट।
(अन्तरक)

(2) मैसर्सै नेठ एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड, थू
डाइरेक्टर श्रीमती भिवला सेठ, 9-ए, कनाट
प्लैम, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजन के लिए
कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के श्रजन के साक्षण में कोई भी अक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं
अर्थ होगा जो उस आयकर में दिया गया है।

अनुसूची

एक दोमंजिन बिल्डिंग न० 194/48 (जो 8 धर्म मार्ग
में जानी जाती है) क्षेत्रफल 522.6 वर्ग गज स्थित
चाणक्य पुरी, नई दिल्ली।

डी० पी० गोयल
मध्यम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रजन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 22-5-1979

मोहर

प्रकृष्ट प्राईंटी १० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के प्रवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई, 1979

निरेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-१/एल० आर०-III
सितम्बर-II/(45)/78-79/682—अतः मुझे, डॉ० पी०
गोयल

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० एम०-63 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II,
नई दिल्ली, में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-9-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अस्सरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमाध्य
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त:—

1. श्री सुन्दर कुमार गुप्ता पुनर्श्री राम भज गुप्ता,
निवासी आर०-79 ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. (1) श्रीमती शकुन्तला देवी धर्मपत्नी श्री जुगल किशोर
(2) श्रीमती पुष्पा देवी धर्मपत्नी श्री मोहिन्द्र कुमार (3)
श्रीमती माया देवी धर्मपत्नी नरेश कुमार (4) श्रीमती बिना
देवी धर्मपत्नी श्री सुरेश कुमार और श्रीमती रानी देवी
धर्मपत्नी श्री राजेन्द्र कुमार, निवासी, डक्यू०-39, ग्रेटर
कैलाश-II, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजावत में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजावत में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक ढाई मंजिल बिल्डिंग नं० एम०-63 क्षेत्रफल 195
वर्गमीटर स्थिति ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली और बाउन्डी
नीचे:—

उत्तर—दुकान फ्लाट नं० एम०-62

दक्षिण—दुकान नं० एम०-64

पूर्व रोड और पश्चिम रोड

डॉ० पी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 22-5-1979

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ख(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई, 1979

निर्देश मं० आई० ए० मी०/एक्य०/१/एस० आर०-III
मिनम्बर-5(19)/1978-79/6351—अन्तः मुझे, डी०
पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ई०-523, है तथा जो प्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली, में स्थित है (प्रीर इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-9-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिय के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिय से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिय के पद्धति प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पारा गया प्रतिक्रिय, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(५) अन्तरण से तुझे किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे इच्छने में सुविधा के लिए; और/वा

(६) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, हिन्हें सारतीय साथकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी अर्थात्:—

1. श्री जसविन्दर सिंह, निवासी प०-2/140 सफदर जंग इन्क्लेव, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री रोशन लाल एण्ड मन्म (एच० य० एफ०) और श्री रोशन लाल निवासी 16/5636 बस्ती हरफूल सिंह, सदर बाजार, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना नारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयिता करना है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकेण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी पन्थ अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर वर्ता का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक बिल्डिंग नं० ई-523 थोक्फल 400 वर्ग गज स्थित प्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली।

डी० पी० गोयल
मकान अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 22-5-1979

मोहर:

प्रृष्ठप ग्राई० टी० एत० एस०-----

आयत्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सम्पादक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 18 मई, 1979

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/34—यतः मुझे,
एम० के० धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन समान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 58 कनाल 11 मरले हैं तथा जो
कि गांव चीचा तहसील अमृतसर में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर तहसील में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 1 सितम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह पतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में
बास्तविक कर में कठित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व
में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावं
प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति :—

1. श्री गुरमाहिब मिह पुत्र किरपाल मिह गांव चीचा
तहसील अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री जगीर मिह पुत्र आसा मिह गांव भीदपुरा
तहसील अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैमा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किराएदार हो
तो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. यदि श्रीर कोई व्यक्ति इस जायदाद में सचि रखता
हो तो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक सम्बन्ध में कोई भी प्रादोग :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिमावित हैं, वही
प्रयृं होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

क्वायि भूमि जिसका क्षेत्रफल 58 कनाल 11 मरले हैं
जो कि गांव चीचा, तहसील अमृतसर में स्थित है जैमा कि
रजिस्टर्ड डीड नं० 3249 दिनांक 1-9-78 आफ रजिस्ट्रीग
अधिकारी अमृतसर तहसील के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर
सक्षम अधिकारी
(महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 18-5-1979

मोहर :

प्रखण्ड भाई० दी० एन० एम०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 18 मई, 1979

निदेश सं० १० एम० आर०/79-८०/३५—यतः मुझे, एम० के० धर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पात्रात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 60 कनाल मरला है तथा जो कि गांव कोटला दल गिहू में स्थित है (और इसमें उपावड़ ग्रन्तमूली में और पूर्ण रुप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय अमृतसर तहसील में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1 सितम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृथमान प्रतिफल से, ऐसे वृथमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से प्रधिक है और पन्तरक (पन्तरकों) और प्रतिशती (पन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरण में सक्षम पन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है—

(क) पन्तरण से हुई किसी भाव की बावत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के पन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी घन या अन्य आस्थियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या प्रन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः पर, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसार में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अकाल :—

1. श्री दूर्वीर पाल सिंह पुव हरबंस सिंह निवासी कोटला दल सिंह तहसील अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री कण्ठीर सिंह, बलवीर सिंह, मिलखा सिंह, कर्णेल सिंह, तमशीर सिंह गुत्तान श्री करतार सिंह निवासी गांव काला धनुपुर तहसील अमृतसर। (अन्तरिती)।

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किराएदार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में मंपत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में सचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन्ते के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन्ते के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्रेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

इष्टटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतसर

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 60 कनाल 1 मरला किला नं० 3/12 मिन दरवन 14, 17/1, 17/2, 18/1, 18/2, 19/1, 19/2, 22, 23, 24 जो कि कोटला दल सिंह तहसील अमृतसर में है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 3243 दिनांक 1-9-78 आफ रजिस्ट्रीग्र अवार्डी अमृतसर तहसील में दर्ज है।

एम० के० धर

सक्रम अधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 18-5-79

मोहर।

प्रस्तुत ग्राही ० श्री० एन० एस०—
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सार्वजनिक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीजन रेज-अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 18 मई 1979

निदेश सं० १० एस आर०/७९-८०/३६—यतः मुझे,
एम० के० धर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 47 कनाल
5 मरला है तथा जो कि गांव महमूद नगर तहसील अमृतसर
में स्थित है (आंतर इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्न अधिकारी के कार्यालय अमृतसर
तहसील में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 1 सितम्बर, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः धर, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधीत:—

1. श्री बलराम पिंड, रववीर पिंड पुत्रार गरदार माहिब
मिह निवासी गांव मकान कलां तहसील अमृतसर। (अन्तर्क)

2. श्री धर्म मिह पुत्र गंडा मिह निवासी गांव हमीदपुर
तहसील अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैमा कि ऊपर सं० २ में और कोई किराएदार होतो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता
हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह संपत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके तुर्वास्त समति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त समति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिमाणित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 47 कनाल 5 मरले हैं जो
कि गांव महमूद नगर तहसील अमृतसर जैमा कि रजिस्टर्ड
डीड नं० 3251 दिनांक 1-9-78 आफ रजिस्ट्रिंग अधारिटी
अमृतसर तहसील के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रीजन रेज, अमृतसर

तारीख: 18-5-79
मोहर:

प्र० ल० आई० टी० ए० ए०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अमृतसर, दिनांक 18 मई, 1979

निदेश सं० प० ए० ए० आर०/79-80/37—यतः मुझे, एम० के० धर

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी मं० कुवि भूमि जिसका क्षेत्रफल 47 कताल 1 मरला है तथा जो कि गांव महमूद नगर तहसील अमृतसर में स्थित है (और इसे उपाबद्ध ग्रन्त सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 1 मित्सवर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्दरूनी प्रतिशत से प्रतिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा प्राया गया प्रतिक, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वावत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ब) ऐसो हिसों प्राय या किसी वन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किनाने में सुविधा के लिए ;

प्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्यात्:—

6-96GI/79

1. श्रीमती भगवन्त कोर पत्नी गुलजार सिंह गांव चीचा तहसील अमृतसर। (अन्तरित)

2. श्री जगीर सिंह, पुत्र ग० आमा सिंह निवासी गांव हमीदपुरा तहसील अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैमा कि ऊपर मं० 2 में और कोई किराएँदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिकारी जानता है कि वह संपत्ति में हितवद्ध है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतसरी

कुवि भूमि जिसका क्षेत्रफल 47 कताल 1 मरला जिसका किला नं० 23/22, 23, 24, 25 31/3/1, 4/2/1, 5/2/2 जो कि गांव महमूद नगर में स्थित है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 3250 दिनांक 1-9-78 आफ रजिस्ट्रीग्रामारिटी अमृतसर तहसील के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर
मक्षम अधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 18-5-79

मोहर:

प्रख्य प्राईटी०एन०एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अमृतसर, दिनांक 18 मई, 1979

निवेश सं० धरकला० 79-80/35—यतः मुझे, एम०
के० धर।

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 57 कनाल
12 मरले हैं तथा जो कि गांव दोनेरा तहसील पठानकोट
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय धर कला०
में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के प्रधीन, तारीख 22 मित्स्रवर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरक
(प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण सिखिले में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त प्रधिनियम
के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम,
या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के प्रनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित अस्तियों पर्वतः—

1. श्री नसीब मिह, उक्त सिंह पुत्रान सन्त सिंह
निवासी गांव दोनेरा तहसील पठानकोट (अन्तरक)

2. श्री ओम प्रकाश, बेली राम पुत्रान खजान चन्द
गांव करसी तहसील हमीरपुर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किंगादार
हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता
हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के यज्ञन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना वी तामील से 30 दिन की अवधि,
जो भी व्यवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त अस्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 57 कनाल 12 मरले हैं
जो कि गांव दोनेरा तहसील पठानकोट में स्थित है जैसा
कि रजिस्टर्ड डीड नं० 75 आफ 22-9-78 आफ रजिस्ट्रीग
अधारिटी धर कला० के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 18-5-79

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा

269 ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 18 मई 1979

निदेश म० ए० प्र० आर०/79-80/39—यतः मुझे, एम० के० धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन भवान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी स० कृषि भूमि जिसका धेनूफल 13 कनाल 1 मरला है तथा जो कि गांव अकालगढ़ डपईयां तहसील अमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर तहसील में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 सितम्बर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्ननिम्नित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से ही किसी धारा की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में दमी करने या उससे बद्दल में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी धन या मन्त्र व्यास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनावे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, 1922 के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की व्यापारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. श्री चूहर सिंह पुत्र नन्द मिह निवासी गांव अकालगढ़, डपईयां तहसील अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री गुरनाम मिह, सतनाम मिह पुत्रान श्री चरण मिह निवासी गांव अकाल गढ़ डपईयां तहसील अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर स० 2 में और कोई किराएदार होते। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के मंबद्ध में कोई भी भ्रान्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्यों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पति में हितबद्ध किसी प्रथम अवित्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तरण :— समें प्रयुक्त गद्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभ्रषित है, वही प्रथम होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि जिसका धेनूफल 13 कनाल 1 मरला है (½ भाग आफ 39के-3 एम) किला न० 53/16, /17, /24/25, 64/4, 15, 17/1 जो कि गांव अकालगढ़ डपईयां तहसील अमृतसर में स्थित है जैसा कि रजिस्टर्ड शीड न० 3564 दिनांक 22-9-78 आफ रजिस्ट्रीग्राहारिटी अमृतसर तहसील के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के धर सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 18-5-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अमृतसर, दिनांक 18 मई, 1979

निदेश सं० धरकलां/डी०/79-८०/४०—यतः मुझे, एम०
के० धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ०
से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 91 कनाल
12 मरले हैं तथा जो गांव बाहरी बैगे /तरती तहसील
पठानकोट में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 26 सितम्बर, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निक्षित में वास्तविक रूप से नियत महीं किया गया है:—

(क) प्रत्यरण से दूर हिसो आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने म सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या छनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी
द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना
चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः आब, उक्त अधिनियम, की घारा 269-व के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपस्थाता (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती दुर्गा विधवा हक्कमत गांव बबरी बैगे तहसील
पठानकोट जिला गुरुद्वासपुर श्री परम राम पुत्र श्री मन्त राम
गांव बबरी बैगे तहसील, पठानकोट। (अन्तरिती)

2. श्री अमर मिह, हरी मिह, मकब्रन मिह, राम मिह
पुत्रान भूलो राम पुत्र दादू गांव तरती तहसील पठानकोट।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० २ में और कोई फिराएँदार हो
तो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायधाद में रुचि रखता
है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयांशु शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजान्व में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रेकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही प्रत्येक होगा जो उत्त अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 91 कनाल 12 मरले हैं
जो कि गांव बाहरी बैगे/तरती तहसील पठानकोट में स्थित
है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 78/26-९-78 आफ
रजिस्ट्रीर अथारिटी सब तहसीलदार क्लां तहसील पठानकोट
जिला गुरुद्वासपुर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर
तारीख: 18-5-79
मोहर:

प्रकल्प पाईंटी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओरा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 18 मई, 1979

निदेश सं० ए० एस० आर०/79-80/41—यत् मुझे,
एम० के० धरआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'डक्ट अधिनियम' कहा गया है), की ओरा
269-व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- है से अधिक हैऔर जिसकी सं० कृषि भूमि 53 कनाल 9 मरले हैं तथा
जो कि गांव खिदीबाली तहसील अमृतसर में स्थित हैं (और
हमसे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय अमृतसर तहसील में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 22 मित्स्वर, 1978को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथ पाया यथा
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक
रूप में कठित नहीं किया गया है:—(८) अन्तरण में ही किसी पाया की ओरत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या(९) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिस्में प्रासीदीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए वा, उपाय
में सुविधा के लिए।उक्त अन्तरण में, मेरे उक्त अधिनियम की ओरा 269-व की
उप-ओरा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अवृत्ति:—1. श्री नरेंजन सिंह पुत्र चन्दा सिंह निवासी चुगांवा
साध पुरा द्वारा हरभजन सिंह पुत्र सूरता सिंह गांव खिदी-
बाली तहसील अमृतसर। (अन्तरक)2. श्री मुख्तार सिंह पुत्र महिन्द्र सिंह निवासी गांव
तोला नंगल तहसील अमृतसर। (अन्तरिती)3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किराएदार हो
तो। (वह अवित्त, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)4. यदि और कोई अवित्त इस जायदाद में रुचि रखता
हो। (वह अवित्त, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में
से किसी अवित्त द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।संबोधकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही प्रयं होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

मनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 1/3 आफ 16.0 के०-7.5 म०
(53 कनाल 9 मरले) खाता नं० 63/73, 76/1, 63/74,
किला 6/24 0-3, 15/1/1 5-12 20/2 6/15, 16/7,
8-0/15 7-12 /16 7-12 /25 7-4, 17/4 8-0
15 4-12, 17/14/3-5, 15/9 8-0 /10 7-12
/21 7-4 16-4 5-18 15/2, 3-16 /6 7-12 /14
8-0 6/17 7-16 /18 7-16, 17/6 6-13 /7
8-0 0 18/1 8-0 /9 5-9 10/1 4-0 10/2 2-9
1975-76 जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 3558 दिनांक
22-9-78 आफ रजिस्ट्रिंग अधारिटी अमृतसर तहसील
के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर

सक्षम प्रधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 18 मई, 1979

मोहर:

प्रस्तुप शाई० टी० एन० एस०—
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 18 मई, 1979

निदेश सं० अमृतसर /79-80/42—यतः मम०, एम० के०
धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० क्रपि भूमि जिमदा क्षेत्रफल 48 बनाल
है (वरानी) है तथा जो कि मुंडा तहसील तरन तारन,
जिला अमृतसर मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
मे और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीद तो अधिदर्ता
कार्यालय तरन तारन मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 27 सितम्बर,
1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त, अधिनियम की धारा 269-घ के
अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों अर्थात् —

1. श्री गुरचरण मिह पुत्र करतार मिह गांव पखोपुरा
तहसील तरन तारन। (अन्तरक)

2. श्री मुखविन्द्र मिह, सुखविन्द्र मिह पुत्रान वलोचन
मिह, गांव पखोपुरा तहसील तरन तारन। (अन्तरिती)

3. जैसा कि आर सं० 2 मे और कोई किरायादार
हो तो। (वह अवित्य, जिसके अधिभोग मे संपत्ति है)

4. यदि और कोई अवित्य इस संपत्ति मे हच्चि रखता
हो। (वह अवित्य, जिनके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह भंपति मे हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त समाति के अर्जन के लिए
कार्यावाहियां करता हूँ।

उक्त समाति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्रमण—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यों मे से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे राजान को तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध
किसी अन्य अवित्य द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया
गया है।

अनुसूची

इयि भूमि जिमदा क्षेत्रफल 48 कनाल (वरानी) है
जो कि मुंडेर तहसील तरन तारन जगा कि रजिस्टर्ड छीड
न० 4227 दिनांक 27-५-७८ आफ रजिस्ट्रिंग अधारिटी
तरन तारन जिना अमृतसर के कार्यालय मे दर्ज है।

एम० के० धर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 18-5-79

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 19 मई 1979

निदेश सं० बी० टी० एन०/79-80/43—अतः मुझे
एम० के० धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 24 कनाल 19 मरले तथा जो कि गांव मिधवां तहसील बटाला में स्थित है (अब इसमें उपर्युक्त अन्तर्गती में और पूर्ण रूप में व्यक्ति है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बटाला में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तरीका 18 सितंबर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः धब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पातः:—

1. श्री अवतार मिह, नरंजन गिह पुत्रान श्रीमती मुनवरन कीर पुत्री जौगा सिह उर्फ जोरावर सिह, गांव मिधवां बटाला नेजा गिह, जनरल अटारनी तहसील बटाला।
(अन्तरक)

2. श्री सुजान गिह पुत्र जौगा मिह उर्फ जोरावर सिह गांव मिधवां तहसील बटाला। (अन्तरिती)

3. जैमा कि उपर के 2 में और कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में सचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोदस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में नमान होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 24 कनाल 19 मरले (20-के०-13 एम०) आफ 1/4 भाग 82-के—10 एम०) और 4-के०—6एम०) अर्थात 1/4 भाग भूमि 17-के०-5 एम०) है जो कि गांव मिधवां तहसील बटाला में स्थित है जैमा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 3974/18-9-78 आफ रजिस्ट्रीग्राफरी बटाला के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर
समक्ष अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: :

मोहर: :

प्रधान आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

289व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अमृतसर, दिनांक 19 मई 1979

अमृतसर, अमृतसर

निदेश सं० बी० टी० एस०/79-80/44—यत् मुझे एम० के० धर

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० छृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 32 कनाल है तथा जो कि गांव बिजली वाले में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बटाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11 मित्तम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यक्षण से ही किसी ग्राम की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसों किसी ग्राम या किसी धन या अन्य पासियों को, जिस्ते भारतीय ग्राम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्युपरि उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उचावारा (1) अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दीबदयाल मिह पुत्र शेर मिह गांव बिजली वाल तहसील बटाला। (अन्तरक)

2. श्री परमिन्द्र सिंह पुत्र मूरत मिह गांव कटि अहमद खां तहसील बटाला। (अन्तरिती)

3. जैमा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किराएदार हो नो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है।)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अध्रोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजनन के लिए कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजनन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्धी अविक्तियों पर मूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, अध्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं, सही अर्थ द्वारा, अध्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिया गया है।

अनुसूची

छृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 32 कनाल है जो कि गांव बिजली वाल तहसील बटाला में स्थित है जैमा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 3909/11-9-78 आफ रजिस्ट्रीग्राम अधारिटी बटाला के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर
सक्षम अधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 19-5-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आगकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक: 19 मई, 1979

निदेश सं० वी टी एन०/79-80/45—यत् मुझे,
एम० के० धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 64 कनाल
2 मरले हैं तथा जो कि गांव तलवंडी शुंगला में स्थित है
(और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बटाला में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 22 सितम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमों करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
ने प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्यरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

7-96GI/79

1. श्री कुलवन्त मिह पुत्र हजारा सिंह वर्गेच गांव
तलवंडी शुंगला तहसील बटाला। (अन्तरक)

2. श्री कुलविन्द्र मिह पुत्र सत्येश मिह गुरु नानक
नगर, बटाला। (अन्तरिती)।

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में शौर कोई किराएदार
हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में सचि रखता
हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह संपत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरप्तमानी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहीं पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 64 कनाल 2 मरले हैं जो
कि गांव तलवंडी शुंगला निकट बटाला ग्राम नीमां तहसील
बटाला में स्थित है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 4011
दिनांक 22-9-78 आफ रजिस्ट्रिंग अधारिटी बटाला के
कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर

मकाम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 19-5-79

मोहर:

प्रख्य आई०टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लूधियाना
लूधियाना, दिनांक 9 मई 1979

निवेश मं० सी० एच० डी०/217/78-79—अतः मुझे,
नत्यू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सी० ओ० नं० 127, सैक्टर 28-
डी० है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर,
1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
प्रभुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित वाक्तियों, अन्तातुः—

1. श्रीमती हरभजन कौर पत्नी रजिस्टर बिह बासी
कटरा दत मिह, अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री पैम कुमार वर्मा पुन्न श्री गिरधारी लाल वर्मा
बासी माला नं० 3178, सैक्टर 28-डी, चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

3. (1) मैसर्स अजन्ता मोटर्स,
(2) श्री अजीत कुमार आफ मैसर्स ए० के० मिल्ज
व हार्डवेर स्टोर, 1 फ्लोर,
(3) कैप्टन संगलिया, 2 फ्लोर, एम० मी० ओ०
127, सैक्टर 28-डी०, चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधि-
भोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये एतद्वारा रायंवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन को अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
द्वितीय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० सी० ओ० नं० 127, सैक्टर 28-डी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख मं० 521, मितम्बर, 1978 में दर्ज है)

नत्यू राम
सधम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लूधियाना

तारीख: 9 मई, 1979

मोहरः

प्रस्तुप आई० टा० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 मई 1979

निर्देश सं० सी० एच० डी०/235/78-79—ग्राम: मुझे,
नत्यू राम,ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कि
धारा 269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि यह स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है,और जिसकी सं० मकान नं० 11, सैक्टर 8-ए, है तथा
जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुभूति में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अक्टूबर, 1978 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यहां पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के वायित्व में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) किसी ग्राम या किसी धन या धन्य आमिस्यों
को, जिन्हे भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;ग्रन्त: ग्रन्त, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनु-
सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपस्थारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिनियमों अन्ति।—1. श्रीमती श्यामा रानी मेहता पत्नी श्री एस० आर०
मेहता, सी-105, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली। (अन्तरक)2. रिअर एडमरल मोहन सिंह ग्रेवाल पुत्र श्री सरदारा
सिंह ग्रेवाल, श्रीमती संपूर्ण कीर ग्रेवाल पत्नी रिअर एडमरल
मोहन सिंह ग्रेवाल, मेजर हरचरणजीत सिंह ग्रेवाल, मेजर
भूपिन्दर सिंह ग्रेवाल के० गुरनाम सिंह ग्रेवाल पुत्रान रिअर
एडमरल मोहन सिंह ग्रेवाल सारे वासी मकान नं० 11,
सैक्टर 8-ए, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)3. श्री गुरबन्स सिंह मार्फत श्री मोहन सिंह ग्रेवाल
वासी मकान नं० 11, सैक्टर 8-ए, चण्डीगढ़। (वह
व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)को पूर्वोक्त जारी गरिए पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी व्यक्तिप्रयः—

(क) इस पूर्वोक्त राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;(ख) इस पूर्वोक्त के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टोक्तव्य:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं
वही प्रयोग होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुभूति

मकान नं० 11, सैक्टर 8-ए, चण्डीगढ़।

(जाप्रदाद रैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख सं० 629, अक्टूबर, 1978 ने
दर्ज है।)

नत्यू राम

सभी प्राधिकारी

सहायक ग्रामकर ग्राम्यकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 9 मई, 1979

मोहर :

प्रसूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 मई 1979

निवेश सं० सी० एच० डी०/224/78-79—अतः
मूसे, नत्थु राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु से अधिक है

और जिसकी सं० 21/2 मंजिल बिल्डिंग नं० 1163 जिसके
प्लाट का खेतफल 1000 वर्ग गज है तथा जो सैक्टर 8-सी,
चण्डीगढ़ में स्थित (और इससे उपावन्द अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूसे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
क्षय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,
निखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर्हि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
छन्दकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
सुविधा के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सवरण वर्मन विधवा श्री बी एस० वर्मन,
श्री मुमील वर्मन (माईनर) पुत्र श्री बी० एस० वर्मन द्वारा
श्रीमती सवरण वर्मन (माता) व एन०/जी०, वासी आर०
24, माउथ एक्सटेंशन-2, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री हरकिशन लाल वर्मा पुत्र श्री राज मल वर्मा
व श्रीमती कीशल्या बी पत्नी श्री हरकिशन लाल वर्मा,
वासी 597: सैक्टर 18-बी, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

3. (1) श्री एस० सी० मलिक

(2) श्री मुहाम चन्द्र

(3) श्री पवन फुमारी

(4) श्रीमती गम प्यारी ,

(5) श्री अमृत लाल व

(6) श्री नरिन्द्र प्रकाश, मारे वासी 1163,
सैक्टर 8-सी०, चण्डीगढ़। वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के प्रधायाय 20क में परिभाषित
हैं, वही प्रथम होगा, जो उस प्रधायाय में दिया
गया है।

अनुरूपी

2 1/2 मंजिल बिल्डिंग नं० 1163, जिसके प्लाट का
खेतकर 1000 वर्ग गज है और जो सैक्टर 8-सी०, चण्डीगढ़
में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख सं० 566, अक्टूबर, 1978 में दर्ज
है)

नत्थु राम
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 9 मई, 1979

मोहर:

प्रख्य आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा २६९-ष (१) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्व्यक्त प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक ९ मई, १९७९

निदेश मं० सी० एच० डी०/२२१/७८-७९—अतः मुझे, नर्थू राम

प्रायकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-ष के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० ३१५२, सैक्टर २१-डी, है तथा जो चण्डीगढ़ में, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची म और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन, तारीख सितम्बर, १९७८ को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकृति निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन करने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, १९२२ (१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या छनकर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ष के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ष की उपधारा (१) के प्रधीन निम्नलिखित अवित्यों, अवतः :—

१. श्री वेद प्रकाश पुत्र श्री मोहरी लाल, मकान नं० १४४२, स्ट्रीट नं० ९, अबोहर, जिला फिरोजपुर। (अन्तरक)

२. श्री इन्दर नारायण कब्कड़ पुत्र श्री शिव नारायण कब्कड़ मकान नं० १६१२, सैक्टर ३४-डी, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ। *

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अन्वय में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० ३१५२, सैक्टर २१-डी, चण्डीगढ़।

(जापदाद जैन कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सं० ५४४ मितम्बर, १९७८ में दर्ज है)

नर्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

महायकर प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: ९ मई, १९७९

मोहर:

आई० टी० एच० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन्ट रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 मई, 1979

निवेश सं० शी० एच० डी०/222/78-79—प्रत: मृद्दू, नरेश राम

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 1-पी०, जिसका क्षेत्रफल 499.8 वर्ग गज है तथा जो स्ट्रीट 'ई' सैकटर 21-डी० चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इसमें उपावड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त उम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के तिर या याय गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

(अ) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या मन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री व्यारा शिंह अहलूवालिया पुत्र के० एस० अहलूवालिया द्वारा जनरल अटारनी श्री सुन्दर सिंह अहलूवालिया पुत्र श्री गूरबक्ष सिंह अहलूवालिया वासी मकान नं० 2206, सक्टर 21-सी०, चण्डीगढ़। (अन्तरक)

2. (1) श्रीमती शिंह रानी पत्नी हरी राम गुप्ता

(2) श्री सूचल कुमार गुप्ता व श्री रजिव कुमार गुप्ता पुत्र श्री हरी राम गुप्ता वासी 3107, सक्टर 21-डी०, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

प्लाट नं० 1-पी०, स्ट्रीट 'ई' सैकटर 21-डी०, जिसका क्षेत्रफल 499.8 वर्ग गज है और जो चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सं० 560, सितम्बर, 1978 में दर्ज है)

नरेश राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 9 मई, 1979

मोहर:

प्रकृप आई० ई० एन० एस०

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

लुधियाना, दिनांक 9 मई, 1979

निदेश नं०ए०-जे०जी०एन०/133/7-8-79—अतः मुझे नव्य राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका भेत्रफल 3 कनाल 1 मरला है तथा जो अगवाड़ गूजरां तहसील जगराओं में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के कार्यालय, जगराओं म, रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल, निम्ननिवित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में करने प्रा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी पत या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना नाहिं था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्ननिवित वर्णियों पर्याप्त:—

1. श्री सवरण सिंह व श्रीनती प्रकाश कौर विधवा श्री रणधीर सिंह स्वयं व जनरन अटारनी सर्वश्री दर्शन मिह, बलदेव मिह पुत्र रणधीर मिह वासी जगवाड़ गूजरां, जगराओं। (प्रन्तरक)

2. (i) श्री सौदागर सिंह पुत्र श्री जाला सिंह वासी मानूके तहसील जगराओं व
(ii) 202, सुफवर रोड, अलडेर गरीब, बी० मी०, कनेडा। (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रोटोकाल के पालिक्त में किए जा सकें।

इष्टदातारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-३ में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका भेत्रफल 3 कनाल 1 मरला है व जो गाँव अगवाड़ गूजरां, तहसील जगराओं में स्थित है। जापदाद जैन कि रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी, जगराओं के कार्यालय के विशेष संख्या 4823 जनवरी, 1979 में दर्ज है।

नव्य राम

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 9-5-1979

मोहर :

प्रकाश प्राई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की व्यापक
269वा (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 मई, 1979

और देश सं. के० एच० आर०/3/78-79—अतः मुझे, नन्तर राम,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की व्यापक 269वा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि राजपत्र संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में प्रतिक है

जिसकी सं० शाप कम आफिस नं० 18, फेज 1, जो मोहाली, तहसील खरड़ में स्थित है (और इससे उपा बद्द अनूसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख नवम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के वृश्यमान प्रतिकल के निए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पश्चह प्रतिशत प्रतिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाशा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायिक में कमी करने या उससे बदलने में सुविधा हो जिए। और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की व्यापक 269वा के अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की व्यापक 269वा की उपव्यापक (1) के ब्रह्मीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

1. श्री राम सहृप सूद पुत्र श्री नौहरिया राम सूद वासी गांव व डॉ समराए जिला जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्री तरलोचन सिंह खारा पुत्र हरदित सिंह खारा, व श्री अवतार कौर पत्नी श्री तरलोचन सिंह खारा वासी 3059, सेक्टर 19-डी, चंडीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णता समाप्ति के अर्जन के लिए जारीकार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्याप्तिपूर्वक विविधान नहीं है।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरंगेवंशी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि व्यावर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोक्षेत्रकारी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

नन्तर राम

शाप कम आफिस नं० 19, फेज 1, मोहाली, तहसील खरड़।

(जापवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खरड़ के कार्यालय के विलेख संख्या 3106, नवम्बर, 1978 में दर्ज है)

नन्तर राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 9-5-1979

मोहर:

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० ए८०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) अधिकता द्वारा

भारत सरकार

कार्यालय, महायक प्रायकर अधिकता (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 मई 1979

निदेश सं० एन० डी० ए८०/९०/७८-७९—अतः
मुझे नत्यू राम,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन ममता प्राधिकारी को यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है।

और जिसकी सं० कोठी नं० बी०-२०-११ (बचिन्त कैसल जिसका प्लाट का क्षेत्रफल 1100 वर्ग गज है तथा जो कालेज रोड, सिखिल लाइन लुधियाना में स्थित है (और इस-उपाबन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरस्कर्ता) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अन्तर में भुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों अर्थात् :—

8—96GT/79

- क० रजिन्दर सिंह गरेवाल पुत्र श्री अतर सिंह, 7मी, मणभा नगर, लुधियाना। (अन्तरक)
- श्री नरेण कुमार व श्री प्रदीप कुमार पुत्र श्री चन्द लाल वासी बी०-४-१८८, शाल बाजार, लुधियाना। (प्रत्तरिती)

3. श्री चन्द लाल बाजार, बी०-२०-११, बचिन्त कैसल, कालेज रोड, लुधियाना। (वह अक्षित, जिसके धिभोग में संगति है)

को यह मूलना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अवधार में कोई भी आक्षेप :—

- इस मूलना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्म्बन्धी अवित्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा,
- इस मूलना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टवीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० बी०-२०-११ (बचिन्त कैसल) कालेज रोड, भिखिल लाइन, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 2198, मितम्बर, 1978 में दर्ज है)

तथू राम
ममता प्राधिकारी
सहायक प्रायकर अधिकता (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 9 मई, 1979

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्तक (निरीक्षण)

अर्जेन्ट रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 मई, 1979

निदेश सं० एन० डी० एच०/79/78-79—अतः मुझे,
नथृ गम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पांचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के प्रधीन पत्र अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि शावक पमान, त्रिपक्षा उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है।

ओर जिसकी सं० मकान नं० 92-बी०, जिसका क्षेत्रफल
200 वर्ग गज है तथा जो सराभा नगर, लुधियाना में स्थित
है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन, नारीख अक्तूबर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्भाति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रतिवाद की गई है और मुझे यह विश्वास
होतो जो जारा है कि इसपूर्वोक्त सम्भाति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पांचदहार प्रतिगत अधिक है और यह कि अस्तरक (अस्तरकों)
और अन्तर्गती (अन्तर्गतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
नया नाम नाम प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निक्षिप्त है अन्तिम लाए में रखित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के
आविष्ट में रुपी करों या उसमें बताने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या छिपी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
धीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्वातः—

1. श्री अनन्त पिंड पुत्र श्री उत्तम चन्द वासी 92-बी०,
सराभा नगर, लुधियाना। (अन्तरक)

2. श्रीमती प्रोमिला गानी पत्नी श्री जगदीश लाल,
वासी 92-बी०, सराभा नगर, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्भाति के अर्जन के लिए
पार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्भाति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भाति में हितबद्ध
हिस्सी प्रथ्य अविन द्वारा, अध्रोहस्ताभारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

हस्ताक्षरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही प्रथ्य होगा जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

वासूसूची

मकान नं० 92-सी, सराभा नगर, लुधियाना जिसका
क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना
के कार्यालय के विलेख संख्या 2696, अक्तूबर, 1978
में दर्ज है)

नड्यू राम
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर प्राप्तक (निरीक्षण)
अर्जेन्ट रेंज, लुधियाना

तारीख : 9-5-1979

मोहर:

प्रकल्प प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269 प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 मई, 1979

निवेश सं० एल० डी० एच०/220/78-79—अतः
मुझे नथू राम,आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-प
के अधीन सहमत प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इष्ट से
अधिक हैऔर जिसकी सं० मकान नं० बी०-19-374 का भाग,
डा० हीरा मिह रोड, है तथा जो लुधियाना में स्थित है
(और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख फरवरी, 1979को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति
फल के लिए अनुसूचित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तेज्य से
उक्त प्रभार तिक्तिमें शास्त्रविद छर में रुचिर नहीं किया गया
है :—(क) अन्तरण से ही किसी आर की बाबत, उक्त प्रधिनियम,
के अधीन नर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना
नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः यद्युपि, उक्त प्रधिनियम की आरा 269-प के अनुसरण में,
में, उक्त प्रधिनियम की आरा 269-प की उपषारा (1) के अधीन
निम्नलिखित अविक्तियों पर्वत :—1. डा० मलकीयत मिह पुत्र तारा मिह वासी बखतावर
पार्क, डा० हीरा मिह रोड, लुधियाना द्वारा श्री बिक्रम मिह
पुत्र श्री हरदित मिह वासी 190-ए, मरामा नगर, लुधियाना।
(अन्तरक)2. श्री रमेश चन्द्र पुत्र श्री साहिव दिता मन, वासी
बी-2-868, कुच्चा लक्ष्मी नारायण, लुधियाना व श्री सुभाष
चन्द्र पुत्र श्री लधा राम, मकान नं० बी० 2-863, कुच्चा
लक्ष्मी नारायण, लुधियाना।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधेन के लिए
नायंत्रियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंथिन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी अविक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में
ममाप्त होना हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी
अविक्त द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
पन्थ अविक्त द्वारा, अप्रोहस्ताकरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होता जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी०-19-374 का भाग, डा० हीरा मिह
रोड, लुधियाना।(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना
के कार्यालय के विलेव मंदिरा 4193, फरवरी, 1979 में
दर्ज है)नथू राम
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 9 मई, 1979

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 मई 1979

निदेश सं० एल० डी० एच०/221/78-78—ग्रन्त: मुझे, नरेंद्र राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० बी०-19-374 का भाग, डा० हीरा सिंह रोड़, है तथा जो मिलिल लाइन, लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपादान अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त, अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात्:—

1. डा० मलकीयत सिंह पुत्र नारा मिह वासी बड़ाबाजार पार्क, डा० हीरा सिंह रोड़, लुधियाना द्वारा श्री बिक्रम सिंह पुत्र हरदित सिंह वासी 190-ए, सरामा बाजार, लुधियाना। (अन्तरक)

2. श्रीमती कमलेश कुमारी पत्नी श्री रमेश चन्द्र वासी मकान नं० बी०-2-868, कूच्चा लक्ष्मी नारायण, लुधियाना। (अन्तरिती)

3. श्री राज कुमार मिगला, बकील, मकान नं० बी०-19-374, डा० हीरा मिह रोड़, मिलिल लाइन, लुधियाना। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-का में परिभाषित हैं वही प्रथ्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी०-19-374, डा० हीरा सिंह रोड़, मिलिल लाइन, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलोब सं० 4194, फरवरी, 1979 में दर्ज है)

नरेंद्र राम,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।
तारीख: 9 मई, 1979
मोहर:

प्रसूप भाई० टी० एन० एस०

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 मई, 1979

निमेश सं० एलडीएच०/222/78-79—अतः मुझे,
नरथू राम,

आयकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी-19-374 का भाग,
डा० हीरा सिंह रोड, है तथा जो सिविल लाइन, लुधियाना
में स्थित है (और इसे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, लुधियाना
में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, फरवरी, 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और
अन्तरः (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे मन्त्रण लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्यय स उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कित्त
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त
प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आप या किसी धन या अम्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मे, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ष को उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् ।—

1. डा० मलकीयत सिंह पुत्र तारा सिंह वासी बख्तावर
पार्क, सिविल लाइन, लुधियाना द्वारा श्री विक्रम सिंह पुत्र
हरदित सिंह वासी 190-ए, सराभा नगर, लुधियाना।
(अन्तरक)

2. श्रीमती उमिला कुमारी पत्नी सुभाष चन्द्र, वासी
बी-2-863, कूच्चा लक्ष्मी नारायण, नजदीक म्यूनिसिपल
कारपोरेशन आफिस, लुधियाना। (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तसम्बन्धी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन जो तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा यथोहस्ताक्षरों के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

स्वदोकारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और उन्हें कर, जो उक्त
प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ दी गया जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-19-374 का भाग, डा० हीरा सिंह
रोड, सिविल लाइन, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी, लुधियाना
के कार्यालय के विलेख संख्या 4204, फरवरी, 1979 में
र्ज है)

नरथू राम
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 9 मई, 1979

मोहर:

प्रकल्प नं १० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269व (1) के प्रदीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण)

प्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 मई, 1979

निदेश सं० सी एच डी०/220/78-79—अतः मुझे,
नरेंद्र राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की आरा 269व के प्रदीन सदम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 29, सैक्टर 28-ए, है तथा
जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावरु अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, सितम्बर, 1978 की
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वृद्धमान प्रतिफल से ऐसे वृद्धमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती
(अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कवित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
विपरित में कमी करने या उच्चे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छत या अन्य आस्तियों
को जिस्ते भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः भव, उक्त अधिनियम की आरा 269व के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम की आरा 269व की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित अवित्तियों अवैत्त:—

1. श्री लाल सिंह पुत्र श्री अजीत सिंह श्रीमती गुरमेज
कौर पत्नी श्री लाल सिंह द्वारा जी० ए० श्री बलराज सिंह
पुत्र दर्शन सिंह, वासी मकान नं० 116, सैक्टर 9, चण्डीगढ़
(अन्तरक)

2. श्री भगवान दास, श्री कुण्ड लाल, श्री सूरज प्रकाश
पुत्र श्री जवन्दा राम व श्री जवन्दा राम पुत्र श्री मखन
राम, वासी मकान नं० 29, सैक्टर 28-ए, चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

3. श्री मदन लाल अग्रवाल श्रीमती शशी केरी, श्रीमती
सुभाष चड्हा व श्री बलदू राम, वासी मकान नं० 29,
सैक्टर 28-ए, चण्डीगढ़। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभीग
में संपत्ति है)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तासंबंधी अवित्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से
किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तंपत्ति में हितवद
किसी अन्य अवित्त द्वारा अस्तोत्तरात्तरी के पास
तिक्तित में किए जा सकेंगे।

इच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित
है, वही पर्व होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 29, सैक्टर 28-ए, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या 543, सितम्बर, 1978 में
दर्ज है)

नरेंद्र राम
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण)

प्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख:

मोहर:

प्रह्लप भाई० दी० एन० एस० —————
 आयकर भ्रष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269वा० (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 16 मई 1979
 निवेश सं० सी० एच० डी०/233/78-79—अतः मुझे
 नत्यू राम

आयकर भ्रष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात 'उक्त भ्रष्टिनियम' कहा गया है) की धारा 269-वा०
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपए ते प्रधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1128 सेक्टर 21-बी है
 तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावरु अनुसूची
 कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
 (1908 का 16) के अधीन 'तारीख अक्टूबर 1978 की
 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पश्चात प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 वधु पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
 भ्रष्टिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
 दायित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
 को, जिन्हे भारतीय आयकर भ्रष्टिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त भ्रष्टिनियम या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सविद्या के लिए:—
 लिए।

अतः अब, उक्त भ्रष्टिनियम की धारा 269-वा० के अन्तरण
 में, मैं, उक्त भ्रष्टिनियम, की धारा 269-वा० की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सवरतजीत कौर पत्नी श्री अवतार सिंह
 वासी 141 सेक्टर 35-ए० चण्डीगढ़। (अन्तरक)।

2. डा० महिन्द्रा कुमार अगरवाल व डा० दविन्द्रा
 कुमार अगरवाल पुत्र स्व० श्री श्याम लाल 1128 सेक्टर
 21-बी० चण्डीगढ़। (अन्तरिती)
 को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यालयान्हां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि जो भी
 प्रवधि बढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी ग्रन्थ अन्तरिती द्वारा, अवोहस्ताकारी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रक्षेपण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भी और पदों का, जो उक्त
 भ्रष्टिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही ग्रन्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1128 सेक्टर 21-बी० चण्डीगढ़ जिसके
 प्लाट का क्षेत्रफल 1001 वर्ग गज है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी चण्डीगढ़
 के कार्यालय के विलेख संख्या 614 अक्टूबर 1978 में
 दर्ज है)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 16-5-1979.

मोहर :

प्रस्तुप धाई० टी० ए० ए० ए०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लूधियाना

लूधियाना दिनांक 16 मई 1979

निदेश सं० ए० ए० ए० १९०/१९३/७८-७९—अतः मुझे
नत्यू रामप्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक हैऔर जिसकी सं० भूमि जिसका थेट्रफल 26 विधा 4 विस्वा
(1/2 भाग 52 विधा 7 विस्वा) है तथा जो गांव लखा
सिंह वाला, तहसील अमलोह में स्थित है (और इससे उपर्युक्त
प्रनमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय अमलोह में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर
1978पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूस्थमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दूस्थमान प्रतिफल से, ऐसे दूस्थमान प्रतिफल का प्रदूह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रस्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की वापत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी फिरी आय या किसी धन या अर्थ प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए गा, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपषारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—1. श्री बलदेव गिह पुत्र श्री जोगिन्द्र मिह वासी
महदीयां तहसील सरहित्त। (अन्तरक)।2. श्री रणधीर गिह पुत्र श्री बोहर मिह वासी गांव
लखा मिह वाला मब-तहसील अमलोह। (अन्तरिती)।को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध इसी प्रथा व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।एलेक्ट्रोकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका थेट्रफल 26 विधा 4 विस्वा है और
जो गांव लखा सिंह वाला, शब-तहसील अमलोह में स्थित
है। (1/2 भाग 52 विधा 7 विस्वा)(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमलोह
के कार्यालय के विलेख सं० 1124, मितम्बर 1978 में
धर्ज है)।नत्यू राम
मक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लूधियानातारीख 16 मई 1979
मोहर

प्रदूष प्राई० ट्री० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब(1) के प्रधीन मूल्य

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 मई 1979

निदेश सं० ए० एम० एन०/१४/७८-७९—अतः मुझे
नत्यू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब
के प्रधीन मूल्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
द० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 39 विघा 7 विस्वा
है तथा जो गांव लखा मिह वाला, सब-तहसील अमलोह
में स्थित है (और इसमें उपावढ़ अनमूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलोह
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख सितम्बर, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चान
प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती
(अम्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया
पतिफल, निम्नलिखित उल्लेख में उक्त प्रस्तरण लिखित में
दास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से ही किया गया को बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के विविध में कमी
रहने या उससे बढ़ने में सुविधा के सिए। प्रौद्योगि-

(ख) ऐसी निरी प्राप्त या किया गया या अन्य मासितियों
को, जिन्हें भागीतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगान्तर्मय प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ब के अनु-
सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ब की उपबारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अधिनियमों, प्रयोग:—
9—96GI/79

1. श्री शेर सिंह पुत्र श्री जोगिन्धर सिंह, वासी गांव
महदीप्रांत तहसील मरहिद। (अन्तर्कृ)

2. श्रीमती रणजीत कीर पत्नी श्री रणजीत सिंह वासी
गांव लखा मिह वाला, सब-तहसील अमलोह। (अन्तर्कृती)

को यह मूल्य जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस मूल्य के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तस्वीरधी अवित्तियों पर मूल्य
की तहसील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि
बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों
में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस मूल्य के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रन्थ अवित्त द्वारा, प्रबोधस्ताकरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रदूषन शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही प्रथम होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 39 विघा 7 विस्वा है और
जो गांव लखा सिंह वाला, सब-तहसील अमलोह में स्थित
है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमलोह
के कार्यालय के विलेन संख्या 1125, सितम्बर, 1978
में दर्ज है)।

नत्यू राम
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 16 मई 1979
मोहर:

प्रकल्प साई ० टी० एन० एम०

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन्त रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 मई 1979

निदेश सं० पी टी ए०/१२१/७८-७९—प्रतः मुझे, नन्थू राम, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन समाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इए से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 1403 वर्ग गज है और जो जायदाद नं० 1346/ए/4 का भाग है तथा जो अमर आसरम, सुनामी गेट के सामने, पटियाला में स्थित है (और इससे उपावह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रस्तुरकों) और अन्तरिक्ती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ गाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण तिकित में शास्त्रिय रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) प्रन्तरण में दुई किमी पाय का बारन, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किमी आर गा किमी बन या अन्य यांत्रियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किंवा आमा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष के प्रन्तरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की सुप्तारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों अर्थात् :—

- क० गुरुदिवाल सिंह पुत्र स्व० मेजर जसवन्त सिंह, वासी मकान नं० 172 सैक्टर ९-बी चण्डीगढ़। (अन्तरक)
- सर्वश्री घुमल भिंह व जोगिन्दर सिंह पुत्र श्री काका सिंह, गांव व डा० रखेरा, जिला पटियाला। (अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जाने करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आयंवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अवित द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी ग्रन्थ अवित द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित भंगिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुख

प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 1403 वर्ग गज है और जो जायदाद नं० 1346/ए/4 का भाग है और जो सामने अमर आसरम, सुनामी गेट, पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख सं० 3086, सितम्बर, 1978 में दर्ज है)

नन्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन्त रेंज, लुधियाना

तारीख: 16 मई, 1979

मोहर:

प्रलूप आई० ट्री० एन० एम०----

ग्रामीन अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 मई 1979

निवेश सं० पी टी ए०/१२०/७८-७९—अतः मुझे,
नर्थू राम,ग्रामीन अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन यथाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० मकान नं० 1346/ए०/४, सामने अमर
ग्रामरम है तथा जो सुनामी गेट, पटियाला में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
सितम्बर, 1978 कोको पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिरूप के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
प्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
विवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या;(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, दियाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, घर्षात्:—1. का० गुरदियाल मिहि पुत्र स्व० भेजर जसवन्त सिंह,
वासी 172, सेक्टर 9-वी, चण्डीगढ़। (अन्तरक)2. (1) श्री देवी दास पुत्र श्री राम लाल, (2) श्रीमती
सत्या देवी पत्नी देवी दाम, (3) श्रीमती भद्रु गुप्ता
पत्नी श्री भारत लाल, (4) विकरांत अगरवाल पुत्र श्री
भारत ला, (5) रजिव गोयल पुत्र श्री धर्म पाल गोयल,
वासी नामा गेट, पटियाला। (अन्तर्कीर्ती)3. (1) दि असिस्टेंट एक्साइज व टेक्सेशन कमिशनर,
पटियाला।(2) डिस्ट्रीक मजिस्ट्रेट, पटियाला। (वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप-

(क) इस सूचना के राजाव में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तथ्यमन्त्यी व्यक्तियों पर
सूचना नी तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।उपर्योग:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वे अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

तीन मंजिल मकान नं० 1346/ए०/४, सामने अमर
ग्रामरम, सुनामी गेट, पटियाला।(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला
के कार्यालय के विलेख संख्या 3085, सितम्बर, 1978
में दर्ज है)

नर्थू राम

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 16-5-1979

मोहर:

प्रधान वाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269य (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 मई, 1979

निदेश सं० एस डी एन०/114/78-79—अतः,
मुझे, नत्यू राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269य के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फैक्टरी बिलिंग नं० 707, जिसके प्लाट का क्षेत्रफल 2274 वर्ग गज है तथा जो इंडस्ट्रियल एरिया, ए, लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, सितम्बर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तर से उक्त प्रनारग लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दावितमें कमों करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या निया वा अन्य आस्तियों को जिस्मे भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269य के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269य की उपधारा (1) के अन्तीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. मेजर राज कुमार अनन्द पुत्र श्री शंकर द्याल अनंद, वासी—आई, सराबा नगर, लुधियाना। (अन्तरक)

2. मैसर टी० सी० एम० बूलन मिल्ज प्रा० लि०, 707 इंडस्ट्रियल एरिया ए, लुधियाना द्वारा डाइरेक्टर श्री एन० आर० मेहतानी। (अन्तरिती)

3. मैसर टी० सी० एम० बूलन मिल्ज प्रा० लि०, द्वारा श्री एन० आर० मेहतानी, डाइरेक्टर, 707—इंडस्ट्रियल एरिया ए, लुधियाना। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्यापेष, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधारोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में तथा परिमापित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फैक्टरी बिलिंग नं० 707, जिसके प्लाट का क्षेत्रफल 2274 वर्ग गज है और जो इंडस्ट्रियल एरिया ए, लुधियाना में स्थित है।

(जायधाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख सं० 2592, सितम्बर, 1978 में दर्ज है)

नत्यू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 16 मई, 1979
मोहर:

प्रहृष्ट प्राइंट ट्रॉप्रेन एन्ड—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269(1) रायकर भूमि

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 मई, 1979

निदेश सं० एन० डी० एन०/108/78-79—अतः,
मुझे, नन्दू राम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके शब्दात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269(1) के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जायदाद नं० बी-6-282 का भाग है
तथा जो माधोपुरी, वेटांज रोड, लुधियाना में स्थित है
(और इसमें उपावड़ अनुमूली में और पूर्ण स्व से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, सितम्बर, 1978

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और युक्त यह विश्वास
करने का कारण है कि माधोपुरोंकी अप्पसि का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
परदृष्ट प्रतिकल नहीं होता अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्निति में वास्तविक ना जांत रहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बादत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा
के लिए, धौर/गा

(ख) ऐसी किसी आय या उक्त या अन्य आमितियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) गा उक्त अधिनियम, या
धौर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में
सुविधा के लिए;

जहा प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269(1) के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269(1) की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. श्री सुरिदर पाल भासीन पुव श्री मुकन्द लाल
वासी 207, लेचस्टरचन, सिलवर स्परिंग, स्टेट आफ मेरी-
लैड, द्वारा श्री बलदेव सिंह थापर, 2 प्राफेमर बगलो,
पंजाब इंडियानियरिंग कालेज, चार्डिंगड़। (अन्तरक)

2. श्री हंस राज पुत्र श्री राम लुभाया वासी बी-6-
1078, मुहल्ला महमूदपुरा, लुधियाना। (अन्तरिती)

3. श्री हंस राज पुत्र श्री राम लुभाया वासी बी-6-
1078, मुहल्ला महमूद पुरा, लुधियाना। (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांचा सम्पत्ति के अंजन के लिए
दायंवाहियां करता हूँ।

उत्तम सम्पत्ति के पर्यांत राजपत्र में कोई भी ग्राहकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि दाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यों में से किमी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किमी अन्य अवित्यों द्वारा, अधोक्षताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-क में परिचालित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधायाय में दिया
गया है।

अनुसूची

जायदाद सं० बी०-6-282, माधोपुरी, वेटांज रोड,
लुधियाना जिसके प्लाट का क्षेत्रफल 77.1/4 वर्ग गज
है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना
के कार्यालय के विलेख सं० 2536, सितम्बर, 1978 में
दर्ज है)

नन्दू राम
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना
तारीख 16 मई, 1979
मोहर

प्राकृत प्राइंट डी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 मई, 1979

निदेश सं० एल० डी० एच०/78-प्र/78-79—अतः,
मुझे, नस्थू राम

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपय से अधिक है

और जिसकी नं० जायदाद नं० बी-6-282, है तथा जो माधोपुरी, बेटांज रोड, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपरवाले अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर, 1978 में

पूर्वोक्त, संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यदि विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाजार उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्यु, उक्त अधिनियम, की बारा 269-व के अनुसरण में ही, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उपबारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अवृत्ति :—

1. श्री सुरिन्दर पाल भासीन पुत्र श्री मुकन्द लाल भासीन वासी 707, चैम्पेन लेन, स्टेट ब्रैक आफ मैरीलैंड सिलवर सारिंग, द्वारा श्री बलदेव सिंह, जी० ए० 2, प्रोफैसर पंजाब इंजीनियरिंग कालेज, चार्डीगढ़। (अन्तरक)

2. श्री हरबन्स लाल पुत्र श्री बद्रवा राम वासी मकान नं० बी-1-1225, छाऊनी मुहल्ला, लुधियाना (अन्तरिती)

3. श्री हरबन्स लाल पुत्र श्री बद्रवा राम वासी मकान नं० बी-1-1225 छाऊनी मुहल्ला, लुधियाना। (वह अवृत्ति, जिसके अधिभोग में माफ़िति है)।

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवृत्ति के लिए कार्यवाहिणां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवृत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षयों में से किसी अविक्षय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अविक्षय द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एक्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममुसूची

जायदाद नं० बी-6-282, माधोपुरी, बेट गंज रोड, लुधियाना का भाग जिसके ल्लाट का क्षेत्रफल 69.3/4 वर्ग गज है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 2674 अक्टूबर, 1978 में दर्ज है)

नस्थू राम
सकाम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 16 मई, 1979
मोहर:

प्रस्तुत पाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 मई 1979

निवेदा सं० एल डी एच०/112/78-79—अतः, मूले,
नरेंद्र राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
से अधिक है

और जिसकी सं० कोठी नं० बी०-19-354/बी० का भाग
है तथा जो डा० हीरा सिंह रोड, सिविल लाइन्स, लुधियाना
में स्थित है (और इससे उपाख्य अनसुची में और पूण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय,
लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले पहले विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात्
प्रतिक्षत अधिक है, और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा
बनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अस्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरम
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपलाए (1)
के अधीन, निम्नलिखित अन्यतियों, अवार्त :—

1. श्री भूपिन्दर सिंह गरेवाल पुल लिंगेडियर बलवीर
मिह भारा श्रीमती जमविन्दर कौर, वासी नं० 18-354-
बी०, डा० हीरा सिंह रोड, सिविल लाइन्स, लुधियाना।
(अन्तरक)

2. श्रीमती हरबन्स कौर पुत्री श्री ठाकर सिंह, वासी
बी० 19-354-बी०, डा० हीरा सिंह रोड, सिविल लाइन्स,
लुधियाना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए राज्याधिकारी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि तारीख में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कोठी नं० बी०-10-354 का भाग, डा० हीरा सिंह
रोड, सिविल लाइन्स, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी, लुधियाना
के कार्यालय के विलेख संख्या 2572, सितम्बर, 1978
में दर्ज है)

नरेंद्र राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 16 मई, 1979

मोहर :

प्रकल्प प्राइंटी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 मई 1979

निदेश सं० एन० डी० एच०/134/78-79—अतः,
मुझे, नथु राम,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक है

और जिसकी सं० कोठी नं० बी०-19-354-बी० का भाग
है तथा जो डा० हीरा मिह रोड, सिविल लाईन,
लुधियाना में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख नवम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पद्धति
प्रतिशत प्रधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यक्षण में दुई किसी आय की वावत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायित्व में कामी
करने या उससे वचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी जिसी आय पा किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रत्यक्षती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या पा किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः प्रद, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनु०
सरण में मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269व को उपचारा
(1) के प्रधीन निम्नलिखित अधितयों, प्रवृत्ति:—

1. श्री भूपिन्दर मिह गरेवान पुत्र श्री बलबीर मिह,
वासी बी०-19-354बी०, डा० हीरा मिह रोड, सिविल
लाईन, लुधियाना द्वारा श्रीमती सविन्दरजीत कीर। (अन्तरक)

2. श्रीमती हरबन्स कीर पुत्री ठाकर मिह, वासी बी०-
19-354बी०, डा० हीरा मिह रोड, सिविल लाईन,
लुधियाना। (अन्तरिती)

को यदृ सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्बन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी अवितयों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवितयों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में ठिनरद किसी
अन्य अवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

उपर्युक्तकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं
मर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० बी०-19-354 का भाग, डा० हीरा सिंह
रोड, सिविल लाईन, लुधियाना।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना
के कार्यालय के विलेख मं० 3269, नवम्बर, 1978 में दर्ज
है)

नथु राम
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेज, लुधियाना

तारीख: 16 मई, 1979

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० ए० ए० ए०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269४(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 21 मई, 1979

निदेश सं० पी० टी० ए०/124/78-79—अतः मुझे, नव्यू राम,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचित प्रधिनियम' कहा गया है), का धारा 269-का क्रमांक सम्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने वा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 180/1 का भाग, लौहारी गेट, गाऊशाला रोड़, है तथा जो पटियाला में स्थित है (और इससे उपावड़ अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1978

को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के बिना अन्तरिल को पर्दा है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि इशारेंकीत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ते, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्दरूनी प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया ।—

(क) अन्तरण से हुई नियंत्रित आय की शावत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरह के तारीख में कमी होने वा उसमें बदलाव में सुविधा के लिए; और/या

(ट) ऐसी किसी आय वा किसी धन वा वस्तु आमंत्रियों वा, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 11) या उक्त प्रधिनियम, वा धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाएं जन्मलिखित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में समिक्षा के लिए;

अतः यह; उक्त प्रधिनियम की धारा 269-का अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम दो अरा 139-की विधाया (1) के अन्दर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

10-96GI/79

1. श्री जय सिंह कोहली पुत्र श्री कर्म सिंह कोहली, डारा पैसल अटारनी श्री जगजीत सिंह कोहली पुत्र श्री जय सिंह कोहली, वासी कोटी नं० 278, सेक्टर 16, चाडीगढ़। (अन्तरक)

2. श्री कपिल बेरी व श्री अर्णवनी कुमार बेरी पुत्र श्री रजिन्दर लाल बेरी, वासी मकान नं० 180/1, लौहारी गेट, पटियाला। (अन्तरिती)

को यह यूचा जारी करके पारंपरिक वाया के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन का स्वत्व में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सम्बन्धान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर यूचना वा तारीख वा 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि वाद में समाज्ञ होनी हो, वा भीतर पूर्वोक्त अन्तिम दोनों में विहीन वायित दारा;

(ख) दो यूचन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के पारंपरिक वायवर सम्पत्ति के हितबद्ध व्यक्तियों अथवा जाकिन दारा अधोहस्ताधिक के पाल विभिन्न में किए जा पर्यंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसपे उक्त यूचन वायों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, वा विधाया 20-का में परिभाषित है, वही वर्षे दोनों, जो उस विधाया में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 180/1 वा भाग, लौहारी गेट, गाऊशाला रोड़, पटियाला।

(जापदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख मंदिरा 3249, सितम्बर, 1978 में दज है)

नव्यू राम

सम्म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 21 मई, 1979

प्रोहर

प्रस्तुत आई० टी० एम० एस ---

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रधीन मूल्यना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज लुधियाना

लुधियाना दिनांक 21 मई 1979

निदेश सं० पी० टी० ए०/१२४-ग/७८—७९—प्रत: मुझे
नत्यू राम,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 180/1, गाऊणाला रोड, लौहरी गैट, है तथा जो पटियाला में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक मिनम्बर, 1978

को पूर्वोक्त मम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रतिरिद्धि दी गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वयापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पवध्व प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी पाय का चाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी पाय का चाबत, उक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनु: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जय फिल कोहली पुत्र श्री कर्म फिल कोहली, द्वारा स्पैशल अटारनी श्री जगजीत मिह कोहली, पुत्र श्री जय मिह कोहली, वासी कोठी नं० 278, सैक्टर 16, चंडीगढ़ (अन्तर्गत)

2. श्री रजिन्दर साल ब्रेरी पुत्र श्री भग्न दाम ब्रेरी वासी लाहोरी गैट, पटियाला (अन्तर्गत)

का रह दूरना जाने वहां पूर्वोक्त मम्पति के प्रवृत्ति विषय कार्यवाहियां करता है।

उक्त मम्पति के प्रवृत्ति का अवधारणा में कोई जो पार्श्वाः—

(क) इस मूल्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की प्रवृत्ति वा अन्यधिकारी व्यक्तियों पर उचित की तारीख में 30 दिन की प्रवृत्ति, या भी अवधि बाद में यमात्त द्वारा हा, के माना दर्जीकृत अधिनियम में दें किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूल्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसंगत्य अधिकृत द्वारा यथोद्देश्यान्वरी के नाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वाक्षरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और परीक्षा का, जो उक्त प्राचीनियम के अन्याय 20-क में पाया गया परिभ्रान्ति है, बड़ी अवृद्धि हासा जो उप विभाग ने दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 180/1, गाऊणाला रोड, लौहरी गैट, पटियाला।

(जायेदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेव सं० 3135, गिनम्बर, 1978 में दर्ज है)

नत्यू राम,
मन्त्रम प्राधिकारी
महान प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
पर्वत रोड, लुधियाना
तारीख: 21 मई, 1979।
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

प्रधानकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नुधियाना

नुधियाना, दिनांक 23 मई 1979

निर्देश सं १०४५८/२१५/७८-७९--प्रा: भूज, नत्यू
राम,आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख ८ प्रधीन मकान प्राधिकारी को यह
विश्वास दरते ता दारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
रवित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी म० 2.1/2 मंजिल मकान नं० 241, सैक्टर
20-ए है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और इनमें उपाद्व
अनुसूची में और पूर्ण रूप भै वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर,
1978।हो १९७८ वित्ती व उक्त बाजार भूला से कम के दूष्यमान प्रति-
कल है तिए अन्तरित की गई है और भूले पूर्व विश्वास दरते का
कारण है कि प्रथावौक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दूष्यमान वित्ती है, तो से दूष्यमान प्रतिकल का परद्व
प्रतिशत प्रधिक है और अत्तरक (प्रत्यक्षको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बोव देसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से वित्ती नहीं किया गया है:—(क) पन्तरम १ तुर्क रिया धाय की बाष्पत, उक्त
प्रधिनियम, के भधान कर देने के प्रत्यक्ष के
नियत में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के
लिए; तथा/एवं(ख) ऐसो कियो जाना या किया था या अन्य आस्तियों
का जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
उन्होंने प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने
में विद्या के लिए;अथा पृ० ३११ प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त प्रधिनियम, का नाम २६९-व ने उपचारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अक्षियों अर्थात् :—1. श्री जी० एम० रेनू पुव स्व० लाल सिंह वासी
मकान नं० 4959, गली अरोरीआ, नजदीक आरिया ममाज
चौक, पटियाला । (अन्तरक)2. श्री अजीत मिहू मैनी पुव श्री वसंत सिंह वासी
मकान नं० 241, सैक्टर 20-ए, चन्डीगढ़ (अन्तरिती)

3. 1. श्री विजय कुमार इंडिया, ओवरसीज बैंक

2. श्री कैलाश कुमार, कलक एरीगेशन डिपार्टमेंट,

3. श्री रघवीर मिहू नन्नरा, पृ० १०, (चिदार्थी)
वी० ए८०) मारे वाली मकान नं० 241, सैक्टर 20-ए, चन्डी-
गढ़, (वह वर्किन, जिसके अधिभोग में समाति है)को यह सूचना बारी तरके पूर्वीकृत सम्पत्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यावाहियां करता है।

उक्त सम्बन्धित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ५५
दिन की अवधि पर तत्सम्बंधी अक्षियों पर सूचना को
नामील से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत अक्षियों से से
किसी अक्षियों द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ५५
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अक्षियों द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस प्रध्याय में
रिया गया है।

अमृसूची

2. 1/2 मंजिल मकान नं० 241, सैक्टर 20-ए, चन्डी-
गढ़।(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के
कार्यालय के विलेख म० 503, भितम्बर, 1978 में दर्ज
है)।नत्यू राम,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, नुधियाना

दिनांक: 23-5-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-४ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 16 मई 1979

मं० जे० 42/79-८०—प्रत: नूजे कि० एम० बंकट०
रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-४ के अधीन सभी प्राधिकारी को, पहले विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- स्पा० में अधिक है, और जिसकी मं० भलगीने 28 है, जो घर नं० 139 एस० जी० रास्ता निचलदराबाद में स्थित है और इसमें उत्तर अनुसूची में और पूर्ण स्प० में वर्णित है), रजिस्ट्रीडुक अधिकारी के कार्यालय सिल्वरस्ट्री अधिनियम, 1908 (1908 ना 16) के अधीन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविध में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

को पूर्वोक्त गम्भीर के उचित वाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूजे नूजे विवाह करने का कारण है कि वथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविध में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की गति, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर दें तो उन्नतरक दायित्व में कमी करने पा उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रान्ट प्राप्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1924 (1922 ना 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए शा. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-४ के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-४ की उपाधा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों गम्भीरता:—

1. गैंगर्स मुनीट्रेड ब्रूलर्स पार्टनर्स फर्म घर नं० 9-1-41 तमाकू वाजार निकलदराबाद। '(अन्तरक)

2. श्री राजेन्द्रापरामाद 10वा०-611/8/1 वेस्ट मारेडवली निकलदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर ममारि के प्रजन्त के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन्त के सम्बन्ध में कोई भी आझे:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नस्तव्रन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भी उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितव्य किसी अन्य डॉ त द्वारा, अधोहस्तात्तरी के पाय विवित में किए जा सकें।

स्पष्टोकरण:—इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नमां नं० 23 वर नं० 139 नगोजनो देवो रास्ता निकलदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2 385/78 उप-रजिस्ट्री कायलिय सिल्वरस्ट्री में।

के० एम० बंकटरामन
प्रधान प्रधिकारी
भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन्त नूजे, हैदराबाद

दिनांक: 16 मई, 1979
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जनरेज हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 16 मई 1979

निदेश सं० जे० 53/79-80—अतः मुझे के० एस०
वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के प्रधीन संक्षेप प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- इयरे से अधिक है

और जिनकी भं० मनगीति 3-4-537 है, जो नम्बारू बाजार
में स्थित है (और इसमें उपावह अनुसूची में और पूर्ण न्यूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रोहर्ता भिक्षन्दराबाद अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन संस्करण, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यरण से दूई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किसी जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- प्र० वा० हृष्मन्त रात्र घर नं० 76 मारेडपल्ली
- श्रीमति प्र० पदमावती 76-मारेडपल्ली भिक्षन्दराबाद
(अन्तरक)

- श्री हुरांगोद अहमद गुलाम अहमद यवसुर अहमद
नीसार अहमद के द्वारा नं० 3-4-387 नम्बारू बाजार भिक्षन्दरा-
बाद।
(अन्तरिती)

को यह नूचना जारी हाले पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां जरता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रबन्ध में कोई भी ग्राहकें :—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या ताःनक्ष-यो अविभार्ता पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर १०००त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन वे भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-
चक्र किसी भी अविभार्ता प्रयोगी अन्तरिती के
पास विभिन्न में किए जा सकते।

प्रयोगीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अन्वाय 20-क में परिभाषित
है, वही प्रयोग होगा जो उस अव्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मन्त्री नं० 3-4-387 नम्बारू बाजार भिक्षन्दराबाद में
है रजिस्ट्रो इकावेज नं० 2334/78 रजिस्ट्रो हायलिय भिक्षन्दरा-
बाद में।

क० प्र० वेंकटरामन,
भक्षम अधिकारी
नायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जनरेज, हैदराबाद

दिनांक 16-5-1979

मोहर :

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदरगाबाद

हैदरगाबाद दिनांक 16 मई, 1979

निदेश सं० 54/79—8—अतः मुझे के० एस०
वेंकटरामन

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिभकी सं० 5-4-681 है, जो पुराना कट्टलमन्डी
स्थित है (और इससे उगावड अनुमूल्य से और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदरगाबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन सितम्बर 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तारती (अन्तारतिया)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण गो हुई फिरू धारा का दायत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसा । नसा ग्राय या नसा धन या ग्रन्थ ग्रास्तयों को,
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-वर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के न्यायालय
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में मुर्किया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ब के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269ब की उपचारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्वत :—

1. (1) श्रीमती हर्षनाथाई बोगानी (2) श्रीमति गुलबानी
बीरानी पति हर्षम भाई बीरानी शोतों भी घर नं० 39 पार यता
प्रेम कोट्ट पोडर गास्टा बास्टे 26 मेरहते हैं। (अन्तरक)

2. श्रीमति कैशनिया बीरानी पति रहमतुला बीरानी (2)
पीजार अली बीरानी घर नं० 5-3-661 जंकरवाग हैदरगाबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना यादी नहीं कुशल नम्बर्स के प्रबं लिए
शर्याईया हरा।

उम्म पर्यान के बजाए कम्बन्ड में काट सो आज्ञायः—

(१) इस नूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना के
नामीले 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि दाइ में
नमान्त्र द्वारा दी, के भीतर पुर्वोक्त व्यक्तियों में निम्न-
वर्तिन द्वारा;

(२) इस नूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हैदरगढ़ गो
वन्ध अवक्त द्वारा अधारस्ताक्षरा द्वारा लिखित
पर्यान जाएंगे।

हैदरगढ़ :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पर्दा का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 29क में परिभ्रामित है,
जो वर्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया।

अनुमूल्य

घर नं० 5-4-681 कहाजाता है "जरीना परीना हैज"
बोतर्नै 551.04 रॉयडै फट्टलमन्डी हैदरगाबाद में रजिस्ट्री
दस्तावेज नं० 3790/78 उ०-रजिस्ट्री कार्यालय हैदरगाबाद
में।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
न्यायालय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदरगाबाद।

दिनांक : 16-5-1979

मोहरः

प्रारूप प्राई•टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 मई 1979

निदेश सं० जे-55/79-80—अतः मुझे के० एस० वेंकट-
रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा
269व के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 3-5-1097 है, जो नागर्यनगुडा में स्थित है
चाहौर इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय
रुजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन
सितम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संसाति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, उसे दृश्यमान
प्रतिफल का अन्तर भनिया से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिया (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथा यां गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित वास्तविक रूप से नहीं रखी रखी हिया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्ता
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उस अधिनियम या
धन-वर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरियों द्वारा उक्त नहीं किया
जाय ता या किया जाय नाक्तिर था, लिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त अधिनियम वा धारा 269व के अनु-
नरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्रीमति हरमतुनीसा बेगम पति येजाज अहमद घर नं०
3-5-1098 नारायनगुडा हैदराबाद। (अन्तरक)
2. श्री ए० रामचन्द्र राउ घर नं० 3-4-611 नारायन-
गुडा हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहक :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 3-5-1097 और खुली जमीन नारायन गुडा
हैदराबाद में जिसका वीस्टर्न है 638 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री
दस्तावेज नं० 3522/78 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद
में।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद।

दिनांक : 16-5-1979

मोहर :

प्रृष्ठ आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 मई 1979

निदेश सं० 56/79—80—अतः मुझे के० एस० वेंकट
रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन अधिनियम को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी मं० 5-4-743, 744, 745, है, जो नाम
पती स्टेंगन रास्ता हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर,
1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल से इसकी अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर,
1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल से इसकी अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर,
1978 से उक्त अनुसूची के लिये लिखित में वास्तविक रूप से
कवित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ज्योति अवधि वर्ष 1922, या या उन्हीं भागों को ज्योति अवधि वर्ष 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनुसूची अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूचण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री भावत दाम गीरदाम 4-3-339, वेनक
का लेन हैदराबाद (अन्तररु)

2. श्रीमति जेर वानु एच० कजानी पति हैदराबाली
कजानी (2) मदाद आली कजानी (3) मदरीदीन एम०
कजानी (4) गुलशन ए कनजाली श्रीमति जहानहनीमा वेगम
धीराराछिपिलिं हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इसका के दायित्व में अनुशंसा की तारीख से 45
दिन की अवधि या उत्तम अवधि व्यक्तियों पर नूबा को
त मूल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में नू
बा की अनुशंसा;

(ख) इस सूचना एकाग्रता में पकागत की तारीख में 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में उत्तम अवधि
की अनुशंसा अवधि वाला, अद्वैहस्ताक्षरी के पास
दिविन में लिये जा सकें।

स्वाक्षर दर्शन:—इसे दर्शन ग्रन्थी शार पदों का, जो उक्त
अधिनियम अवध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हो रहे होंगा, जो उक्त अवध्याय में दिया
रखा है।

मूलस्त्र

ज्योति और घर नं 5-4-743, 744, और 745
नामकी स्टेंगन रास्ता हैदराबाद में है, रजिस्ट्री व्यवस्था नं०
3761/78 है उक्त रजिस्ट्री व्यवस्था हैदराबाद में रजिस्ट्री
किया गया है।

के० एम० वेंकटरामन
राजपत्र प्रधिकारी
दिवाली आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञ रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 16-5-1979

मोहर:

प्रकप थाई० टी० एन० एम०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
269वां (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जे रेज विहार पटना

पटना, दिनांक 18 मई 1979

निरेण मं० III-319/आर्जन/79-80—ग्रतः मुझे
ज्योतिन्द्र नाथआयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-वां
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु.
से अधिक है।और जिसकी मं० प्लाट नं० 559, 561, 562, 565, 568,
है, तथा जो 567 और 569 जो० एन० एच० नं० 33
(बुद्ध रोड) पां० रजाउलातु, नामकुम, रोडी में स्थित है
(और इसमें उपाबृह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 4-9-1978को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (घन्तरकों) और घन्तरिती (घन्तरितियों)
के बीच ऐसे घन्तरण के लिये तब पाशा गधा गधा प्रतिफल,
निम्नलिखित चबैथ से उक्त घन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से किया गया है :—(क) घन्तरण में हुई किसी शब्द को बाबत उक्त व्यषि-
तियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बदलने में सुविधा के लिये;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या व्यष्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या भनन्कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;ग्रतः अब, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-वा के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की बारा 269-वा की उपाधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

1—96G1/76

1. स्टीलबर्ड लिमिटेड हैंड आफिस-17, गोपेश चन्द्र
प्रेस्यु, कलकत्ता-13
रजिस्टर्ड आफिस—स्टील नगर, नीनमुखी या, आसाम
(प्रन्तरक)
2. बिहार इन्स्टेट (इंजीनियरिंग) प्रा० लि० -20,
मैनोलेन कलकत्ता-700001
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को आयकर
प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

जमीन जिसका रक्का 71/2 एकड़ जिसका प्लाट नं०
568, 559, 561, 562, 565, 567 और 569 है और
जो एन० एच० नं० 33 पर स्थित है तथा जो रजिस्ट्रार
आफ एस्पोरेन्सज, कलकत्ता द्वारा पंजीकृत दस्तावेज संख्या
I-4389 दिनांक 4-9-78 में पूर्ण रूप से वर्णित है।

ज्योतिन्द्र नाथ
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त,
अर्जे रेज विहार, पटना

दिनांक 18-5-1979

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल,

भोपाल, दिनांक 2 मई 1979

निदेश मं० आई० ए० जी०-ग्र०/भोपाल 79--80/
7288—ग्रत: मुझे बी० ए० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी मं० मकान है, तथा जो सदर बाजार गुना में
स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण के रूप
में वर्णित है). रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय गुना में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 29-9-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

ग्रत: ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित अवित्तियों अर्द्धांत:—

1. श्री मुल्ला सैद्दुहीन पुत्र श्री ताहिर अली बोहरा
निवासी काय, राजस्थान (अन्तरक)
2. श्री राधेश्याम रावत पुत्र श्री पन्नालाल रावत, सदर
बाजार, गुना (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य अवित्त द्वारा अवैधताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान का भाग स्थित सदर बाजार गुना। (1/4
भाग)।

बी० ए० राव
ममत प्राधिकारी
(निरीक्षक महायक आयकर आयुक्त)
अर्जन रेज भोपाल,

दिनांक 2-5-1979

मोहर:

प्रकृष्ट ग्राही० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल दिनांक 2 मई 1979

निदेश सं० आई० प० जी०/एक्टी/भोपाल 79-80-
1245-अतः मुझे बी० एल० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानवर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 46, वार्ड, नं० 7 है, तथा जो भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध नुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-9-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी प्राय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

।(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्रीमति फातिमा बी विधिवा पत्नि श्री एहसान हुसैन (2) जाहिरानी (3) श्रीमति जरीना बी (4) मिस जाहीदा बी (5) कु० जैविनमा (6) कु० जैन संभी पुत्री श्री एहसान हुसैन तिवारी लखेगापुरा, भोपाल (अन्तरक)

2. मैमर्स राजा कन्फेशनरी एंड विस्कूट वर्क्स, लखेगापुरा भोपाल द्वारा आगीदार श्री हर्मी लाल पुत्र श्री स्व० श्री परिमोभल लखेगापुरा, भोपाल (अन्तरिती)

को यह पूछना जारी रखके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन नहीं

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानवर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्योहनस्ताशरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इकाईकरण:—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, और उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ए में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान नं० 16 वार्ड नं० 7 लखनपुरा। भोपाल बी० एल० राव, मकान प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, भोपाल

दिनांक 2-5-1979
मोहरः

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन केन्द्र भोपाल,

भोपाल, दिनांक 2 मई 1979,

निवेश सं० आई० ए० मी०/एक्वी०/भोपल 79-80/1246—अतः मूले बी० एल० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 21-9-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अथ प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग की उपस्थाता (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्थत्:—

1. श्री सतनाम सिंह पुत्र श्री चन्द्रलाल छाबड़ा, फारेस्ट कान्ट्रीक्टर, धामनौद जिला धार। (अन्तरक)

2. श्री नन्दीराम पुत्र श्री नारायणदास ओहन्दा 66-67, विण्णपुरी कालोनी, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस पूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लप्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्त व्याख्या दी गयी है, वही अर्थ होमा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुख

मकान नं० 66—67 विण्णपुरी कालोनी, इन्दौर।

बी० एल० राव
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन रेज, भोपाल

विनांक 255-1979

मोहर:

प्रकल्प नार्डो टी० एल० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा

269-व (1) के अधीन मूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 मई, 1979

निवेदन सं० आई ए० सी०/एक्वी०/भोपाल 79-80/

1247—1247—प्रतः मूँझे बी० एल० राव,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पाइचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की द्वारा 269-व
के अधीन सम्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० मकान है, तथा जो भोपाल में स्थित है
(और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल, में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अन्तर्गत,
15-9-1978को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
कल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
मकान करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगसार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

मकान स्थित प्लाट नं० 138 सिन्धी कालोनी, बैरसिया
रोड, भोपालबी० एल० राव,
सदम प्राधिकारी
(निरीक्षीक महायक आयकर आयुक्त)
अर्जन रेज भोपाल,अतः अब, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-व के अनुसरण
में, म, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-व की उपलाभा (1)
अधीन, विश्वासित अवित्यों, अवृत् :—दिनांक 2-5-1979
मोहर :

प्रस्तुति शाई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 मई 1979

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल 79-80/
1248—अतः, मुझे बी० एल० राव,
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
प्रधिक है

और जिकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और
इससे उपावन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण
लुधियान, 1908 (198 का 16) के अधीन, दिनांक 7-10-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती
(प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अभाव के लिए तथ पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आद की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायिव में
कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आद या किसी धन या अन्य मास्तियों को
जिन्हे भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अनु-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए, उपराने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व के अनु-
कर में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपलाभा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्ती, अर्थात् ।—

- (1) श्री विजय सिंह (2) श्री शैलेन्द्र सिंह पुत्र सभी
श्री रतन लाल चौधरी, 3. महेश्वर गली, देवास । (अन्तरक)
2. श्री रमेशचन्द्र पुत्र श्री तनसुख शालानी 86 गवीन्द्र नगर,
इन्दौर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी अवित्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से
किसी अवित्त द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अवित्त द्वारा, अब्दोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 3/5 न्यू पलासिया, इन्दौर ।

बी० एल० राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज भोपाल

दिनांक : 2-5-1979

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 मई, 1979

निदेश सं० आई० ए० सी० एकी०/भोपाल 79-80/
1249—अतः मुझे, बी० एल० राव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सामन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व ग्रन्थ आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए:

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रन्थतः:—

- श्री करम चन्द्र पुत्र श्री शिवकरन सोङ्की मकान नं० 322, जवाहर मार्ग, इन्दौर। (अन्तरक)
- मदनी द्रष्ट, इन्वीर तरफे द्रष्टीम 144 नया पुरा, इन्दौर।
- द्रष्टीमः
 - अलहज हाजी मदनी शाह बाबामसूद शाह पुत्र बकरीदी मियां म० नं० 144, नया पुरा, इन्दौर।
 - मजाद हुसैन हाफिज मोहनसीर माहब पुत्र अ० करीम म० का नं० 144 ना पुरा, इन्दौर।
 - अलहज इ० दुसैन साहब पुत्र बकरीद मियां म० नं० 144 नया पुरा इन्दौर।
 - हाजी जनाब जहीर एहमद पुत्र हाजी बशीर एहमद साहब म० नम्बर नया पुरा इन्दौर।
 - जनाब शाफीकुररहमान भाहब पुत्र अजीजुररहमान साहब 22, साउथ गफूर खंड की नजरिया, इन्दौर।
 - जनाब अब्दुल रहमान साहब पुत्र हबीबुल्लाह साहब म० नं० 126 जून रिसाशा लालून 1, इन्दौर।
 - अजीज रहमान मन्सूरी पुत्र फकीर माह 48, नया पुरा, नं० 4 इन्दौर।
 - अब्दुल रहमान पुत्र हाजी येख मोहम्मद साहब म० नं० 9/2 नार्थ हरमिदी, इन्वीर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याद्वियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहाँ अब होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन मंजिला मकान नं० 322, जवाहर मार्ग, इन्दौर।

बी० एल० राव,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

दिनांक 2-5-1979
मोहरः

प्रस्तुप ग्राइंड टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहावक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन भोव भोपाल,

भोपाल, दिनांक 2 मई 1979

निवेदा सं० सी०/एक्वी०/भोपाल 69-80/1250 :—
श्रेष्ठ: मुझे बी० एल राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 41) (जिसे इसमें
इसके पात्रत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान, तथा जो भोपाल में स्थित है (और
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण के रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल, में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, 3-10-1978.

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराना
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थ
प्रतिशत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, किपाने में
सुविधा के लिए;

श्रेष्ठ: श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपशारा (1)
अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स मैट्रल इन्डिया इंजीनियरिंग कारपोरेशन, हमीदिया-
रोड, द्वारा पटिनमे (1) हाजी मुला मोहासिन हुमन पुत्र शब्द
शाकिर हुमन (2) मुला श्रमगर हुमन पुत्र हाजी मुला मोहा-
सिन हुमन बैलदार पुरा, भोपाल (अन्तरक)

2. (1) श्री रामचन्द्र (2) जयपाल (3) मोहन लाल व
(4) किशोर कुमार अभी पुत्र श्री हरगूनदाम सिधी कालोनी,
भोपाल । (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

संलग्निकरण :—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान और शैड वार्ड नं० २२ निकट कालटेक्स पेट्रोलपम्प,
हमीदिया रोड, भोपाल ।

बी० एल० राव,
सकाम प्राधिकारी
अर्जन रेज भोपाल,

दिनांक 2-5-1977

मोहन :

प्रकाश पार्टी टौ० एम० एस०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269वाँ (1) के प्रधीन मूल्य

भारत सरकार

कार्यालय, भारतीय आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 मई, 1979

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल 79-80/
1251—आतः मुझे बी० एल० राव,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रत्यात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वाँ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो जबलपुर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में श्रीग पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 12 सितम्बर, 1978

को पूर्वोक्त मंपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रतिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में प्रधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) भन्तरण में हुई किसी धारा को बाबत उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए प्रोत्तरा

(ख) ऐसी किसी धारा का किसी धरा या अन्तर प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनान्वयन भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

प्रतः भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 वा के भन्तरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269वाँ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त—
12—96GI/79

1. श्रीमति शकुन्तला पत्नि श्री कुण्डलपाल यादव, 448/1, मिविल लाइन, जबलपुर (अन्तर्गत)
2. श्रीमति शान्ति शुक्ल पत्नि श्री शिवांगकर शुक्ल 448/1, मिविल लाइन, जबलपुर (अन्तरिती)

को यह मूल्य आरो करके पूर्वोक्त ममति के प्रत्येक निए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रत्येक में कोई भी भाषेयः—

(क) इस मूल्य के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूल्य के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रन्थोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के भव्याय 20-के परिभाषित हैं, वही ग्रन्थ होंगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्यूनिमिपल मकान नं० 448/1, का भाग, मिविल लाइन वार्ड नं० 37, जबलपुर।

बी० एल० राव,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल,

दिनांक 4-5-1979
मोहरः

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सुन्नता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल,
भोपाल, दिनांक 4 मई 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/प्रकौ०/भोपाल 79-80/1252—अतः, मुझे बी० ए८० राव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो जबलपुर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1
सितम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थ ह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रत्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिनियमों, ग्राहीत:—

1. श्रीमति श्रुतिला यादव पात्नि श्री कृश्णपाल यादव
J48/1, गिरिल लालन, जबलपुर (अन्तरक)

2. श्रीमति शान्ती शुक्ल पात्नि श्री शिवशंकर शुक्ल,
448/1, गिरिल लालन, जबलपुर (अन्तर्गती)

को यह सुन्नता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यकालित करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सुन्नता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
युचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सुन्नता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तबद्ध
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में निए जा सकें।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रथम गद्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

म्युनिसिपल मकान नं० 448/1 का भाग, मिरिल लालन
न्यू वार्ड नं० 37, जबलपुर।

बी० ए८० राव,

मकान प्राधिकारी

निरीक्षणीयक आयकर आयुक्त

अर्जन रेज, भोपाल,

दिनांक: 4-5-1979

गोहर:

प्रकृष्ट प्राइंट दो० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 मई 1979

निर्देश सं० प्राइंट ए० सी०/एस्वी०/भोपल 79-80/

1253—अतः मुझे बी० ए० राव,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी स० मकान है, तथा जो रत्नाम में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुग्रही में शीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रत्नाम, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-9-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दैगमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि पर्याप्त पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप संक्षिप्त नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में युविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सुविधा के लिए;

तीन मंजिला मकान नं० 31, (बेसमेन्ट के साथ) मोती लाल नेहरू मार्ग, फीगंज रत्नाम ।

वी० एल० राव,
सक्षम प्राधिकारीनिरीक्षी सहायक प्रायकर आयुक्त
अर्जन रेज, भोपाल,

दिनांक: 5-5-1979

मांहर :

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी मर्यादा:—

प्रख्यात आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शायक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 मई, 1979

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/79-80/
1254—अतः मुझे बी० एल० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
हप्ते से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो रत्नाम में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रत्नाम में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
2-9-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अस्तरकों)
भी अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्निति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में ही किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अस्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, प्रर्यातः:—

1. श्रीमती गंगा बाई पत्नी श्री रमाकान्त शर्मा निवासी
दोहद (अन्तरक)

2. श्रीमती भारती पत्नि श्री भैरोसिंह वधेला नास्त्री
नगर, रत्नाम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजंत के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्योक्त:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

एक मंजिला पक्का मकान स्थित प्लाट नं० 11 आई०
एल० राव, स्कीम नं० 20, नास्त्री नगर, रत्नाम।

बी० एल० राव
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षण सहायक आयकर शायक
अर्जन रेंज, भोपाल,

दिनांक: 5-5-1979
मोहर:

प्र० ग्राही० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 अ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 मई 1979

निवेश सं० आई० ए० मी०/एक्वी०/भोपाल 79-80/
1255—अतः मुझे बी० एल० राव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के प्रधीन मन्त्री प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी मकान है, तथा जो भोपाल में स्थित है (और
इसमें उपांडड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 21-9-78 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

दो मंजिला मकान "नवाब मन्जिल" नाम से प्रसिद्ध
स्थित मोहल्ला शाहजानाबाद, भोपाल।

बी० एल० राव,
संथम प्राधिकारी
(निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन रेंज भोपाल,

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्जन :—

दिनांक 5-5-1979 :
मोहर :

1. श्रीमति नाजा बैगम पुन्नी ईमाइल खां मोहल्ला
शाहजाना बाद, भोपाल
(अन्तरक)

2. श्री महेश कुमार पुन्नी श्री राधेश्याम जी अग्रवाल
लोहा बाजार, भोपाल
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के मम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अविक्षियों पर
मूचना की तारीफ से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षिया द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्षिया द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रह्ल आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 मई 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल- 79/80-
56—अतः मुझे बी० एल० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन नक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मात्रान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के स्पष्ट में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-9-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है :—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या घन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम पा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, द्विपात्र में सुविधा के लिए;

अतः यदि, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्षियों, अर्थात् :—

1. श्री शिव दयाल केरोड़ी लाल साहू 26, साधू नगर, इन्दौर (अन्तरक)

2. श्री भाल चन्द्र पुत्र श्री रखबचन्द्र गुमलिया 71, मल्हार गंज, मैन रोड, इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षियां भारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भव्य अविक्षिय द्वारा, अस्तोहस्ता-अरी के पाय लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 26 पर स्थित मकान, मानिक बाग रोड साधू नगर, इन्दौर।

बी० एल० राव,
सक्षम प्राधिकारी

(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन रेज, भोपाल,

दिनांक 5-5-1979।

मोहर :

प्रक्षा धाई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल,
भोपाल, अंतिम क्र. क्रिए, 1979

निदेश सं० आई०ए०सी०/एफी०/भोपाल७९-८०/
१२५—प्रत: मुझे बी० एल० राव,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो बुरहानपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से अंशित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय बुरहानपुर में, रजिस्ट्रेकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-9-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत: धन, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

१. श्रीमान रामेश अंग गोपीनाथ अन्नन चौहान,
(राज्यपाल), जून 1979
(प्रत्यक्ष)

2. (i) महेंद्र कुमार पुत्र श्री चूर्णि नाल (ii) श्रीमति चन्द्रावाई पत्नि श्री चूर्णिलाल, गुरगांवी भोइ, दोली बाड़ा, दाउदपुरा, बुरहानपुर।
(ग्रन्तिगति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित भौं किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अन्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

६.५० एकड़ कृषि भूमि खसरा नं० 11, 12 व 13 साथ कुंआ, विद्युत मोटर पम्प, दो मकान, तथा संतरे व आम के पेड़ स्थित ग्राम हमीदपुरा तह० बुरहानपुर।

बी० एल० राव
सहम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेज, भोपाल

दिनांक 5-5-1979

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०——

आधिकार भवित्वियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-प (1) के अधीन संचालन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन थेल भोपाल,

भोपाल, दिनांक 10 मई, 1979

निदेश सं० आई० ए० सी० /ग्रन्थी०/भोपाल ७९-८०/

1258—अतः मम श्री० एल० राव

प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को घारा 269-व के अधीन सभ्य प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इयरे से अधिक है और जिसकी सं० मकान व प्लाट है, तथा जो अम्बिकापुर में स्थित है (और इससे उपावन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बाम्बे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1-8-79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रत्यरक (प्रस्तुरकों) और प्रस्तुरितों (प्रस्तुरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी व्याय की वापत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के व्यापित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या

(क) ऐसी किसी बाय या किसी वन या अन्य प्रास्तियों, को जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सविष्ठा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के प्रत्युत्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, नियन्त्रित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमति कालिन्दी पत्नि श्री कैशव धाट शीला कुंज, 10, निरमला कनकर, 17, एंकर धनकर, दादर बास्ट्रे-28
(अन्तरक)
2. 1. मनोज कुमार (2) विश्व जीत (3) विनीत, विशाल अवयस्क पुत्र श्री गिरधारी लाल जयसवाल, भवानीपारा, अस्मिका-पुर सरगुजा
(अन्तरित)
- 3: कायपालन मंदी सिचाई विभाग) पी० डब्ल्य० डी० (ग्रासकीय कायलिय) (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह मूलता आरी करके पूर्णोत्तम ममता के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उम्म स्मृति के पर्वत के संबंध में कोई भी पात्रों :--

(क) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की घवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 विन की घवधि, जो भी घवधि बाद में प्रमाण होनी हो, के भीतर पूर्णक्रम व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इम मूर्चना के राब्राव्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव्य किसी गन्य व्यक्ति द्वारा भ्रोडस्ताभरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वास्थ्योकारण:—इसमें प्रयुक्ति शब्दों और पदों का, जो उनके प्रधान नियम के प्रधानाय 20-के में परिमाणित है, वही अर्थ होगा, जो उन प्रधानाय में दिया गया है।

अनसाची

खुला प्लाट नं० 2067/3, थेन्ट्रफल 2366' 7 वर्ग मीटर्स
साथ बिलिंडग और स्टूफ्चर स्थित प्रमिक्कापुर (भ० प्र०)

बी० एल० राव,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज. भोपाल

तारीख : 10-5-1979
मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 1st May 1979

No. A. 19014/3/79-Admn. I.—The President is pleased to appoint Shri D. K. Das, an officer of the Indian Revenue Service (Income-tax) to the post of Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 23rd April, 1979, until further orders.

The 5th May 1979

No. A. 32014/1/79-Admn. I.—The President is pleased to appoint S/Shri S. P. Mehra and O. P. Deora, Permanent Personal Assistants (Grade C of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission and at present officiating in the Selection Grade for Grade C Stenographer to officiate as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) in the same cadre in a purely provisional, temporary and *ad hoc* basis with effect from 2-5-1979 to 30-6-1979 or until further orders whichever is earlier.

S/Shri S. P. Mehra and O.P. Deora should note that their appointment as Senior Personal Assistants (Grade B of CSSS) is purely temporary and *ad hoc* basis and will not confer any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that Grade. Further, the appointments are also subject to the approval of the Department of Personnel and Administrative Reforms.

S. BALACHANDRAN,
Under Secy. (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 16th May 1979

No. A. 12025(ii)/1/78-Admn. III.—In pursuance of the Department of Personnel & Administrative Reforms O.M. No. 5/68/78-CS(I) dated 13-2-79, the President is pleased to appoint Shri M. S. Rawat, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of the Department of Food, to officiate in the Section Officers' Grade of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 4th May, 1979, until further orders.

S. BALACHANDRAN
Under Secretary
(Incharge of Administration)
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 2nd May 1979

No. P/1867-Admn. I.—In continuation of this office Notification of even number dated 12-1-1979, the appointment of Dr. P. N. Kapoor as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission under proviso to regulation 4 of the Union Public Service Commission (Staff) Regulations, 1958, has been extended for a further period of six months with effect from 1-5-1979 to 31-10-1979, or until further orders; whichever is earlier.

S. BALACHANDRAN
Under Secretary
for Chairman
Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 19th May 1979

No. 98 RCT 18(iv).—The Central Vigilance Commissioner, hereby appoints Shri H. S. Rathour, a permanent Assistant of this Commission as Section Officer in this Commission in an officiating capacity w.e.f. 14th May, 1979 to 11th August, 1979 or until further orders whichever is earlier.

K. L. MALHOTRA
Under Secy. (Admn.)
For Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPTT. OF PERSONNEL & A.R.

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 19th May 1979

No. T-8/72-AD. V.—On the expiry of his term of deputation, Shri T. R. Sriramulu, Dy. Supdt. of Police, C.B.I. and an officer of the Tamil Nadu, Police relinquished charge of 13—96GI/79

the post of Dy. Supdt. of Police in C.B.I. on the afternoon of 30-4-1979 and proceeded on 61 days earned leave. On the expiry of his leave he will report for duty to Inspector General of Police, Tamil Nadu, Madras.

No. A-19036/12/78. AD. V.—On the expiry of his term of deputation, the services of Shri G. J. Desai, Dy. Supdt. of Police, C.B.I., were placed back at the disposal of Gujarat State Police with effect from the afternoon of 30th April, 1979.

The 21st May 1979

No. A-19035/2/79-Ad. V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint the following Crime Assistants of C.B.I. to officiate as Office Superintendents in the C.B.I. in a temporary capacity with effect from the dates as shown against their names and until further orders:—

Name of the officer & Date of appointment as O.S.

1. Shri S. L. Datta—7-5-79 (FN).
2. Shri S. C. Das Gupta—7-5-79 (FN).
3. Shri O. P. Chitkara—7-5-79 (AN).

HERO A. SHAHANEY
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 21st May 1979

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from Neemach, Shri Ishwar Singh assumed the charge of the post of Asstt. Commdt., Trg. Reserve contingent at BII, Bhilai w.e.f. the forenoon of 27th April 1979.

Sd/- ILLEGIBLE
Inspector General/CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 18th May 1979

No. P/M(53)-Ad.I.—On his attaining the age of Superannuation Shri S. Mukherjee relinquished the charge of the Office of Section Officer in the office of the Registrar General, India, New Delhi with effect from the afternoon of 30 April, 1979.

The 21st May 1979

No. 10/23/77-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri R. I. Gupta, Investigator in the office of the Registrar General, India, at New Delhi as Research Officer in the same office on a purely temporary and *ad-hoc* basis with effect from the afternoon of 7th May, 1979 until further orders.

No. 10/23/77-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri B. N. Andley, Investigator in the office of the Register General, India, at New Delhi as Research Officer in the same office on a purely temporary and *ad-hoc* basis with effect from the afternoon of 7th May, 1979 until further orders.

V. P. PANDEY, Dy. Registrar Gnl. India

MINISTRY OF FINANCE
(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)
SECURITY PAPER MILL
Hoshangabad, the 10th May 1979

No. PF No. A.D/4/1434.—The General Manager is pleased to appoint Shri P. K. Sharma, Accountant on an adhoc basis to officiate as Accounts Officer for 31 days with effect from 24-5-1979 to 23-6-1979 in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 vice Shri A. K. Ghosal. Accounts Officer is proceeding on Earned Leave with effect from 24-5-1979 to 23-6-1979.

O. P. SHARMA, General Manager

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 18th May 1979

No. 777/A-Admn/130/79.—On attaining the age of superannuation S/Shri P. A. V. Krishnan and J. P. Mathur, Substantive Audit Officers of the Audit Department, Defence Services, retired from service, with effect from 30-4-79 (AN).

K. B. DAS BHOWMIK,
Jt. Director of Audit, Defence Services

MINISTRY OF DEFENCE
ORDNANCE FACTORY BOARD, CALCUTTA
D.G.O.F. HQRS, CIVIL SERVICE

Calcutta, the 11th May 1979

No. 8/79/A/E-1(Ng).—The D.G.O.F. is pleased to promote the following P.As. in officiating capacity without effect on seniority in grades and from dates shown against each :—

1. Shri Y. P. Bhasin	Stenographer	23-11-78
2. Shri M. Mukherjee	Gr. 'B' Sr. P.A.	Do.
3. Shri E. V. Ramakrishnan	Do.	Do.
4. Shri R. N. Bose	Do.	Do.

D. P. CHAKRAVARTI
ADGOF/ADMIN
for Ordinance Factory board

MINISTRY OF LABOUR
(LABOUR BUREAU)

Simla-171004, the 9th June 1979

No. 23/3/79-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base 1960=100 increased by five points to reach 337 (Three hundred and Thirty Seven) during the month of April, 1979. Converted to base 1949=100 the index for the month of April, 1979 works out to 410 (Four hundred and Ten).

T. SINGH
Deputy Director
Labour Bureau

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND
COOPERATION

(DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS &
EXPORTS

New Delhi, the 17th May 1979

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISH/ENT)

No. 6/1266/78-Admn(G)/3618.—Shri B. K. Zutshi, Export Commissioner relinquished charge of the post of Addl. Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi on the forenoon of the 20th April, 1979.

K. V. SESHADRI,
Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER
Bombay-20, the 19th May 1979

No. CLB I/5/79.—In exercise of the powers conferred on me by clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order 1948 and with the previous sanction of the Central Government I hereby make the following further amendment in the Textile Commissioner's Notification No. CLB I/5/65/A dt. 4-3-1966 namely;

In the table appended to the said Notification in Column 3 of S. No. 10 :—

For "Directors at Headquarters"

Read "Directors and Senior Enforcement Officers at Headquarters".

G. S. BHARGAVA
Joint Textile Commissioner

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 17th May 1979

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11(7), dated the 11th July, 1969, under Class 3 Division 1, add "WELL BLAST GELATINE" for carrying out trial manufacture and field trials at specified locations upto 31-3-1980" after the entry "VIKING 'G'".

I. N. MURTHY
Chief Controller of Explosives

DTE. GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMN. SECTION 6)

New Delhi, the 16th May 1979

No. A-17011/152/79-A6.—The President is pleased to appoint Shri K. D. Das, permanent Assistant Director (Chemical) in the National Test House, Calcutta to officiate as Dy. Director of Inspection (Met-Chem) in Met-Chem Branch of Grade II of Indian Inspection Service, Group 'A' in the office of Director of Inspection, Burnpur on deputation basis with effect from the forenoon of 11th April 1979 until further orders.

P. D. SETH,
Dy. Dir. (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(DEPARTMENT OF MINES)

INDIAN BUREAU OF MINES

New Delhi, the 18th May 1979

No. A.19011(148)/72-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint Shri R. R. Ganesan, Assistant Controller of Mines, to the post of Deputy Controller of Mines in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 23-3-79.

S. BALAGOPAL,
Head of Office

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE

New Delhi, the 15th May 1979

No. A.12025/1/79-Estt.III.—Shri I. Prasad, Evaluation Officer in the Regional Health Office, Calcutta is allowed to continue in the said post on an ad-hoc basis upto the end of June, 1979 or till the post is filled up on a regular basis, whichever is earlier.

This issue with the concurrence of the Union Public Service Commission vide their letter No. F.2/40(10)/79-AU, dated the 20th April, 1979.

A. N. GOPALAKRISHNAN,
Under Secy.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 10th May 1979

No. A.19012/2/79-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri C. V. Kashikar, Section Officer (Accounts) of F.A. & C.A.O., South Central Railway, Secunderabad as Accounts Officer Group B Gazetted in the Govt. Medical Store Depot, Hyderabad w.e.f. the forenoon of 24th April, 1979, and until further orders.

S. K. KARTHAK, Dy. Dir. Admn. (Stores)

New Delhi, the 17th May 1979

No. A.12025/18/77-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Sabu Joseph to the post of Lecturer in Chemistry at Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi with effect from the forenoon of 24th April, 1979 in a temporary capacity & until further order.

The 19th May 1979

No. 19-27/73-Adm.I.—The President is pleased to accept the resignation of Shri T. N. C. Vedanthem, Lecturer in Chemistry, Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education & Research, Pondicherry, from government service with effect from the afternoon of 23rd April, 1978.

S. L. KUTHIALA, Dy. Dir. Adm.

**CENTRAL INSTITUTE OF FISHERIES EDUCATION
(I.C.A.R.)**

Bombay-61, the 16th April 1979

No. 1-5/78/Estb/4614.—The Director, Central Institute of Fisheries Education, Bombay is pleased to appoint Shri B. K. Sharma, as Sr. Demonstrator (Fisheries Biology) (Group "B"), at this Institute in the scale of Rs. 550-25-750-EB-30-900, with effect from the afternoon of 23rd October 1978, and until further orders.

The resignation tendered by him is accepted from the afternoon of 24-4-79.

Sd./- **ILLEGIBLE**
Director

**DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
(ATOMIC MINERALS DIVISION)**

Hyderabad-500016, the 14th May 1979

No. AMD-1/29/78-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Garimella Rama Dikshitulu as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of April 30, 1979 until further orders.

The 16th May 1979

No. AMD-1/29/78-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Suhas Laxman Ghatge as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 4th May, 1979 until further orders.

No. AMD-1/29/78-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri A. Pavneerselvam as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 4th May, 1979 until further orders.

No. AMD-1/29/78-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Joseph Raymond Peter as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 4th May, 1979 until further orders.

No. AMD-1/31/78-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri M. Jameel Hussain Sheriff as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 10th May, 1979 until further orders.

No. AMD-1/6/79-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri T. U. Narayanan, Assistant of Atomic Minerals Division as Assistant Personnel Officer in the Atomic Minerals Division in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of 4th May, 1979 to 5th June, 1979 vice Shri R. N. Dey, Assistant Personnel Officer granted leave.

2. Shri T. U. Narayanan will stand reverted to the post of Assistant with effect from the date on which Shri R. N. Dey reports for duty.

M. S. RAO.
for Sr. Administrative & Accounts Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Tarapur, the 3rd May 1979

No. TAPS/1/34(1)/77-R (Vol.III).—Consequent on their selection for promotion to the next higher grade, the Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints the undermentioned persons in the Tarapur Atomic Power Station as Scientific Officer/Engineer Grade (SB) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Power Station in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 1, 1979.

S. No., Name & Designation

1. Shri S. K. Chakrabarty, Scientific Assistant (C)
2. Shri M. S. Saxena, Scientific Assistant (C)
3. Shri A. Kondeyaa, Scientific Assistant (C)
4. Shri M. C. Dabhole, Scientific Assistant (C).

The 11th May 1979

No. TAPS/2/1346/77.—Consequent on repatriation to his parent Department Shri G. D. Baviskar, a Section Officer in the Office of the Executive Engineer (Construction) W. Rly., Baroda and presently on deputation to Tarapur Atomic Power Station as Assistant Accounts Officer, relinquished charge of his post in this Power Station with effect from the afternoon of 5th May, 1979.

No. TAPS/1/19(3)/76-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri Y. R. Velankar, a temporary Assistant Accountant in this Power Station as Assistant Accounts Officer on ad-hoc basis from 14-5-1979 to 16-6-1979 vice Shri B. D. Kavishwar, Assistant Accounts Officer promoted as Accounts Officer-II on ad-hoc basis.

No. TAPS/1/19(2)/76-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri B. D. Kavishwar, a permanent Accountant and officiating Assistant Accounts Officer in this Power Station as Accounts Officer-II on ad-hoc basis from 14-5-1979 to 16-6-1979 vice Shri K. Gopal, Accounts Officer-II proceeded on leave.

A. D. DESAI
Chief Administrative Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Tamil Nadu, the 5th May 1979

A. 32013/7/79/R.—The Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints the following officials of this Centre as Scientific Officers Grade SB in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Centre in a temporary capacity with effect from the dates mentioned below until further orders:—

Sl. No.	Name & Present Designation	Quasi-permanent	Permanent	Date of effect
S/Shri				
1. V.	Dhana Rao Draughtsman (C)	D'man (C)	—	1-2-79
2. K. B.	Vardi Draughtsman (C)	D'man (C)	—	1-2-79
3. T. S.	Ramachandran Scientific Asstt. (C)	—	SA(B)	5-2-79

A. SETHUMADHAVAN
Administrative Officer
for Project Director, Reactor Research Centre

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT
New Delhi-3, the 17th May 1979

No. E(I)03732.—Shri G. S. Bhullar, Meteorologist Grade II, Headquarters Office of the Director General of Meteorology, New Delhi, India Meteorological Department, expired on the forenoon of 26th April, 1979.

G. R. GUPTA
Meteorologist (Establishment)
for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 17th May 1979

No. A/32014/1/79-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following two Technical Assistants to the grade of Assistant Technical Officers on regular basis w.e.f. the date and station indicated against each :—

Sl. No.	Name	Present Stn. of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
1	2	3	4	5
1.	Shri O.P. Tiwary	Aero. Comm. Radio Co-Stn., Gwalior.	Radio Co-Stn. & Dev. Units. N. Delhi.	16-4-79 (FN)

The 19th May 1979

No. A/12025/1/78-EC.—The President is pleased to appoint Shri Sohan Lal H. Kumar in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department as Technical Officer w.e.f. 1-3-79 (FN) and to post him in the office of the Controller of Communication, Aeronautical Communication Station, Bombay until further orders.

No. A/12025/1/78-EC.—The President is pleased to appoint Shri Surendra Kumar Gaur in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department as Communication Officer w.e.f. 17-4-79 (FN) and to post him in the office of the Controller of Communication, Aeronautical Communication Station, Bombay until further orders.

S. D. SHARMA, Dy. Dir. Admin.

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Indore, the 26th April 1979

No. 7/79.—Consequent upon his promotion as Superintendent of Central Excise, Group 'B' Shri V. B. Varandani, Inspector of Central Excise (S.G.) has assumed charge as Superintendent Central Excise, Mandsaur in the afternoon of 23rd November, 1978.

M. S. BINDRA, Collector
Madhya Pradesh

Bombay, the 31st March 1979

In exercise of the powers conferred on me by sub-rule (1) of Rule 232-A of the Central Excises (Seventh amendment) Rules 1976 which came into force from 21-2-1976 it is declared that the names and addresses and other particulars specified in sub. rule (2) of the persons who have been convicted by a court under Section 9 of the Central Excises and Salt Act, 1944 and persons on whom the penalty of Rs. 10,000/- or more has been imposed by an Officer referred to in section 13 of the Act are as follows :—

Sl. No.	Name of the person	Address	The provisions of the Act contravened.	The amount of penalty imposed
1	2	3	4	5
1.	(1) Shri H.B. Ajmera (2) Shri S.B. Ajmera (3) Smt. J.M. Kothari (4) Smt. B.C. Ajmera (5) Shri N.K. Kothari (6) Shri C.N. Kothari & (7) Shri Jost A. Achandy of M/s. EVEREST 'PAKG. CORPN. Bombay-400093	C/o. M/s. Everest Packaging Corpn. 85, Mahal Industrial Estate, Mahakali Road, Andheri (E). Bombay-400 093.	Sec. 9 (1) (b), 9 (1) (bb) 9 (1) (i) Accused (ii) of the Act.	No. 2 to 5, fine Rs. 100/- on each of 6 counts. Total Rs. 2400/-—Indefault 2 weeks S.I. (2) Accused No. 1 to 6 fine Rs. 750/- on each of 9 counts. Total Rs. 13,500/-—Indefault 3 months S.I. (3) Accused No. 7 fine Rs. 150/- on each of 9 counts. Total Rs. 1350/-—Indefault to undergo 4 weeks S.I. Total fine on all Rs. 17,250/-

II. DEPARTMENTAL ADJUDICATION.

— NIL —

J. M. VARMA
Collector
Bombay

DIRECTORATE OF INSPECTION AND AUDIT,
CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 19th May 1979

No. 6/79.—Shri S. N. Verma, lately posted as Administrative Officer in the Directorate of Inspection and

Audit, Customs and Central Excise, New Delhi, on his appointment as Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Group 'B' in the Directorate Headquarters Office vide Directorate's Order F. No. 1041/1/79, dated 30-4-1979, assumed charge of the post on 1-5-1979 (Forenoon).

B. R. REDDY, Director of Inspection

CENTRAL RAILWAY

Bombay, th: 19th April 1979

No. HPB/220/G/CSO/Confirmation.—The following Officers, Assistant Security Officers, Class II are confirmed in that capacity with effect from the date shown against each :—

Sl. No.	Name	Date of confirmation in Class II
1	2	3
1.	Shri Raghbirlal Sharma	6-5-1973
2.	Shri H.A. Jaindaney	2-5-1975

The 18 May, 1979

No. HPB/220/G/II/S.—The following Officers are confirmed in Class II Service of the Stores Department of this Railway with effect from the dates shown against each :—

Sl. No.	Name of the Officer	Date from which confirmed in Class II service.
1.	Shri V.M. Ranade	1-1-1976
2.	Shri S. K. Wazir Fakir Mohd.	1-8-1976

KRISHAN CHANDRA
G e n e r a l M a n a g e r

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

(LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Umapati Ganesh Finance & Chit Fund Company Pvt. Ltd.

Jullundur, the 22nd May 1979

No. G/Stat/560/3077/1563.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Umapati Ganesh Finance & Chit Fund Company Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

O. P. JAIN
Registrar of Companies
Punjab, H.P. & Chandigarh

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Kocks (India) Private Limited.

Cuttack, the 14th May 1979

No. S.O./461/709.—Notice is hereby given pursuant to sub-section 5 of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Kocks India Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

D. K. PAUL
Registrar of Companies, Orissa

In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. K. P. Dass & Co. Private Limited

Calcutta, the 21st May 1979

No. 16997/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of the K. P. Dass & Co. Private Limited has this day been struck off and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of
Calcutta, the 21st May 1979

No. 17080/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of the Swapna Press Private Limited has this day been struck off and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of
Mahamaya Mills Private Limited

Calcutta, the 21st May 1979

No. 23391/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of the Mahamaya Mills Private Limited has this day been struck off and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of
Ragrupa Private Limited

Calcutta, the 21st May 1979

No. 24376/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of the Ragrupa Private Limited has this day been struck off and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of
Lachminarayan Mahabir Prasad Private Limited

Calcutta, the 21st May 1979

No. 24487/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Lachminarayan Mahabir Prasad Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of
Bengal RLBY M/CA Supply Co. Private Limited

Calcutta, the 21st May 1979

No. 26182/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of the Bengal RLBY M/CA Supply Co. Private limited has this day been struck off and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of
Sunrise Minerals Private Limited

Calcutta, the 21st May 1979

No. 27909/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of the Sunrise Minerals Private Limited has this day been struck off and the said company will be dissolved.

Sd/- ILLEGIBLE
Asstt. Registrar of Companies
West Bengal

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 12th February 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/523.—Whereas, I,
HARI SHANKER,
being the Competent Authority under section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
AMC. No. 207/23 situated at Ajmer
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ajmer on 11-9-78
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(1) Shrimati Ram Kali Devi w/o Late Sh. Hari Shanker
and Sh. Ramesh Narain s/o Sh. Hari Shanker Jay-
aswal Kesar Ganj, Ajmer.
(Transferor)

(2) Shri Jagdish Swaroop Agarwal S/o Sh. Udai Ram
Agarwal c/o M/s. Sonic Radies Station Road, Kesar
Ganj, Ajmer.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

One half portion of the house building bearing AMC No.
207/23 situated at Kesar Ganj, Ajmer and much more fully
described in the sale deed registered by S. R. Ajmer vide
registration No. 2989 dated 11-9-78.

HARI SHANKER,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 12-2-79.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 12th February 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq).—Whereas, I, HARI SHANKER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AMC. No. 207/23 situated at Ajmer (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ajmer on 11-9-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Ram Kali Devi w/o Late Sh. Hari Shanker and Sh. Ramesh Narain s/o Late Sh. Hari Shanker Jayuswal Kesar Ganj, Ajmer.
(Transferor)

(2) Shri Amrit Kumar s/o Sh. Udai Ram Agarwal c/o M/s. Bhartiya Mills group Depot, Station Road, Kesar Ganj, Ajmer.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 portion of the House Building (Haveli) bearing A.M.C. No. 207/23 situated at Kesar Ganj, Ajmer and much more fully described in the sale deed, registered by S. R. Ajmer vide registration No. 2996 dated 11-9-78.

HARI SHANKER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 12-2-79.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Narpat Singh S/o Shri Jorawar Singh D-228,
Tulsi Marg, Bani Park, Jaipur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Anil Kumar Minor, S/o Shri Omprakash Kedia Through his Guardian Shri Om Prakash Kedia, R/o Adra P.O. Adra, Distt. Purulia, W. Bengal New Residing at No. A-8 Sardar Patel Marg C-Scheme, Jaipur.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Jaipur, the 6th April 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/539.—Whereas, I, HARI SHANKER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of Plot No. 4 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 28-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of land and House property of Plot No. 4 situated at Sansar Chander Road, (Purani Chandpole) Chowkare Haweli Sahar, Jaipur and much more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide his registration No. 2229 dt. 28-9-78.

HARI SHANKER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-2-79.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Jaipur, the 6th April 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/540.—Whereas, I,

HARI SHANKER,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Portion of Plot No. 4 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 28-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shrimati Pushpa Kumari w/o Shri Amarjeet Singh Rajput R/o Rajpepla, now residing at Ummed Niwas, Sansar Chander Road, Jaipur.
- (2) Kumari Rashmi Bansal D/o Sh. Srikrishanji Bansal R/o A-27, Kantichander Marg, Bani Park, Jaipur.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Front portion of land and House property of plot No. 3 situated at Chowkri Hawali Saher, Sansar Chander Road (Purani Chandpole Road) Jaipur and much more fully described in the Sale Deed, registered by S. R. Jaipur vide his No. 2511 dated 20-11-78.

HARI SHANKER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 12-2-79.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

14—96GI/79

FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

(1) Miss Shrivanti Mutto D/o Sh. M. N. Mutto Civil Lines, Ajmer (Rajasthan).

(Transferor)

(2) Shri Dungar Singh Pagaria S/o Sh. Bhanwar Lal, Purani Basti, Jaipur.

(Transferee)

Jaipur, the 14th May 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/549.—Whereas, I, HARI SHANKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Ajmer (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ajmer on 18-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 934 Sq. Yrds. situated opposite Amar Bazar, Lohagal Road Ajmer and much more fully described in the Sale Deed, registered by S. R. Ajmer vide registration No. 3063 dated 18-9-78.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

HARI SHANKER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 14-5-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ashok Mehta Karta of H.U.F., C-200 Defence Colony, New Delhi-110024.
(Transferee)

(2) Shri Vinod Singh Murdia, L-1, Krishna Marg, C-Scheme, Jaipur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 10th May 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/548.—Whereas, I, Hari Shankar being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 4 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 28-9-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 4 measuring 1299 Sqr. Yards situated in Mysore House, Jacob Road, Civil Lines, Jaipur more fully described in conveyance deed registered by Sub-Registrar, Jaipur vide his No. 2243 dated 28-9-1978.

HARI SHANKAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 10-5-1979.
Seal :

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th May 1979

Ref. No. Raj/LAC(Acq)/544.—Whereas, I, HARI SHANKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. C-86B situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 28-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Gulab Chand Bairathi S/o Shri Kaluram Bairathi, Moti Singh Bhomiye Ka Rasta, Johri Bazar, Jaipur.
(Transferor)

(2) Shri Omprakash, s/o Sh. Srinarain Meena R/o Bamanwas, Beechli Patti, Distt. Sawaimadhopur.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A portion of Southern side of Bungalow No. C-86B situated at Prithviraj Road, Jaipur and much more fully described in the Sale deed registered by S. R. Jaipur vide No. 2284 dated 28-9-1978.

HARI SHANKER
Competent Authority,
Inspecting Ass't. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 8-5-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th May 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/545.—Whereas, I Hari Shanker being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-86B situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 28-9-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gulab Chand Bairathi s/o Sh. Kulu Ram Bairathi, Motisingh Bhomiyoo Ka Rasta, Johri Bazar, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Srinarain Meena s/o Sr. Kaluramji R/o Bawanaas Beechli Patti, Distt. Sawaimadhopur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A portion of Northern side of Bungalow No. C86-B situated at Prithviraj Road, Jaipur and much more fully described in the sale deed regd. by S. R. Jaipur vide No. 2283 dated 28-9-1978.

HARI SHANKER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 8-5-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Phoolchand Bairathi s/o Late Sh. Kaluramji Bairathi R/o B-179, Mongal Marg, Bapu Nagar, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Dharam Singh, Minor S/o Srinarain Meena guardian R/o Bamanwas Beechli Patti, Distt. Sawai-madhopur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th May 1979

Ref. No. Raj/IAS(Acq)/546.—Whereas, I, HARI SHANKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C86-A situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 28-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

A portion of Southern Side of Bungalow No. C86-A situated at Prithvi Road, C-Scheme, Jaipur and much more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide No. 2285 dated 28-9-1979.

HARI SHANKER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 8-5-1979
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Dood Chand s/o Late Shri Kaluramji Bairathi
R/o B-179, Mangal Marg, Bapu Bazar, Jaipur.
(Transferor)

(2) Shri Ram Narain Meena Superintendent of Police
Sriganganagar (Rajasthan).
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th May 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/547.—Whereas, I, HARI SHANKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-86/A situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 28-9-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A portion of Northern side of Bungalow No. C-86/A situated at Prithviraj Road, Jaipur and much more fully described in the sale deed, registered by S. R. Jaipur vide his registration No. 2286 dated 28-9-1978.

HARI SHANKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 8-5-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Shri Bhagwat Singh s/o Shri Shobhag Singhji Mehta,
Manohar Bhawan, Chetak Circle, Udaipur.(2) Shri Hussaini S/o Shri Sajjad Hussainji, Bohri
10/219, Sajipura, Udaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th May 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/551.—Whereas, I, HARI SHANKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 9441 dated 6-2-1979 situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 21-9-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A shop in Manohar Bhawan, situated at Chetak Circle, Udaipur and much more fully described in the Sale deed, registered by S. R. Udaipur vide registration No. 1918 dated 21-9-1978.

HARI SHANKER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 16-5-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Kanchan Devi W/o Shri Ranjilalji Chatur
Maldas Street, Chatur House, Udaipur.
(Transferor)

(2) Shrimati Sirin Bai w/o Shri Sajjad Hussainji, Bohra
10/219, Saifipura, Udaipur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th May 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/550.—Whereas, I, HARI SHANKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9441 dated 6-2-1979 situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 22-9-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1st floor of House property in Manohar Bhawan, situated at Chetak Circle, Udaipur and much more fully described in the Sale Deed registered by S. R. Udaipur vide registration No. 1923 dated 22-9-1978.

HARI SHANKER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
15-96GI/79

Date : 16-5-1979
Seal :

FORM I TNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd May 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/552.—Whereas, I, M. R. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Plot No. 39 situated at Hanumangarh Jn. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hanumangarh on 8-9-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property so aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) Shrimati Gyanwati Devi w/o Sh. Ramnivas Gupta R/o Abhar, at present 9 south street Singaryar Colony, M. J. D. through her Power of Attorney, Sh. Babulal Mitruka s/o Ghanshyamdas Mitruka R/o Hanumangarh Town, SGNR.
(Transferor)

(2) Shri Ashwani Kumar s/o Sh. Kishanlalji Behani Sriganganagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Plot No. 39 measuring 15,000 sq. ft. situated in sector No. 9/2 at Hanumangarh Jn. and much more fully described in the sale deed registered by S. R. Hanumangarh Jn. vide registration No. 2653 dated 8-9-1978.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 23-5-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Gayatri Nagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Syed Mohd. Luqman Azmi and Smt. Sarwat Wahidi.

(Transferee)

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 22nd May 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. S/175. —Whereas, I, AMAR SINGH BISEN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 3 situated at T. G. New Civil Line, Dr. Baij Nath Road, Lucknow.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 18-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot of land No. 3 measuring 9.334 sq. gts. situate at T. G. New Civil Line, Dr. Baij Nath Road, Lucknow and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37-G No. 4265 duly registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow on 18-10-1978.

AMAR SINGH BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 22-5-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Om Prakash Bhardwaj R/o
D-II/128, Kidwai Nagar West, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Swantara Kumar Bhagwani R/o
A-75/A, N.D.S.E. Part II, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II
4/14A, ASAFAI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 23rd May 1979

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/5-79.—Whereas, I, D. P. Goyal being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2570-71 situated at Barh Shah Boola Chawri Bazar, Delhi-6
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Delhi on 14-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property No. 2570-71 (double storey) constructed on plot of land measuring 45 sq. yds. situated in Barh Shah Boola, Chawri Bazar Delhi-6.

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi.

Date : 23-5-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 23rd May 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/5-79/344.—Whereas, I, D. P. Goyal being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5023 Ward No. XVI Block S situated at Gali No. 3, Sant Nagar, Karol Bagh, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 1-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Vitender Kumar s/o Gian Chand Jain partner of M/s. Jain Estate Agency
R/o 3341, Christian Colony Karol Bagh New Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Santosh Jain W/o Sh. Jatinder Kumar Jain and Promila Jain W/o Sh. Abhey Kumar Jain residents of 5023 Gali No. 3, Sant Nagar, Karol Bagh New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XIXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A two and a half storeyed house bearing Municipal No. 5023 Ward No. XVI, Plot No. 719/46, Khasra No. 3299/719, measuring 107 sq. yds. Block 'S' situated at Gali No. 3, Sant Nagar, Karol Bagh, New Delhi and bounded as under :—

East : House on plot No. 719/47

West : Service Lane

North : Road

South : Service Lane

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi

Date : 23-5-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Chaman Lal Vohra S/o Sh. Kushi Ram Vohra
R/o 2/283, Teliwara, Shahdara, Delhi-32.
(Transferor)

(2) Smt. Nirmala Devi W/o Sh. Sushil Kumar
R/o A-8, Navin Shahdara, Delhi-32.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 23rd May 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/5-79/345.—Whereas, I, D. P. Goyal being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-8, situated at Navin Shahdara, Delhi-32, (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 6-9-1978 for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now theretore, In pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house, built on freehold plot of land bearing plot No. A-8, measuring 165 sq. yds. situated in the residential colony known as Navin Shahdara, area of village Uldhanpur Illaqa Shahdara Delhi State, Delhi is bounded as under:—

North : House on Plot No. A-9
South : House on Plot No. A-7
East : Others land.
West : Road

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Delhi/New Delhi

Date : 1-5-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ujagar Singh S/o Sh. Ram Singh
R/o H. No. 14 Road No. 40, Punjabi Bagh
New Delhi.

(Transferor)

(2) (1) Shri Tara Chand Suneja S/o Sh. Topan Dass
Suneja (2) Sh. Kashmire Lal S/o Tara Chand
Suneja (3) Sh. Krishan Lal and (4) Sh. Mukand
Lal sons of Sh. Tara Chand R/o H. No. 14
Road No. 40, Punjabi Bagh New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 23rd May 1979

Ref. No. IAC/Acq-II/5-79/346.—Whereas, I, D. P. Goyal being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14/40, Punjabi Bagh situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 11-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1920 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One single storeyed House built on the land measuring 279.75 sq. yds bearing house No. 14 on Road No. 40, Punjabi Bagh, New Delhi.

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi.

Date : 23-5-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE III
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001
New Delhi, the 23rd May 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/S-79/341.—Whereas, I D. P. Goyal being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. L-1/2A, situated at New Delhi South Extn. Part II New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 15-9-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jai Kishan Dass,
30, NDSE Coop. Housing Society Ltd, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Subhash Chander Jain
1135, Chhatta Madan Gopal, Kinari Bazar, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A two and a half storeyed building constructed on plot No. 2-A, measuring about 155 sq. yds. Block No. L-1, situated in the Residential Colony, New Delhi South Extension Part II, New Delhi and bounded as under :—

East : Park & Other properties.

West : Road

North : Boundary Wall and balance portion of Plot No. (L-1) No. 2-A.

South : Building on plot No. L-3

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi.

Date : 23rd May 1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mohan Lal Chhabra S/o Sh. Hem Raj R/o Flat No. KC 34/A, Ashok Vihar, Phase-I, Delhi-52. (Transferor)

(2) Smt. Ranbir Kaur W/o Lt. Commandar H. S. Sindhu r/o 126, Uday Park, Masjid Moth Extension, New Delhi. (Transference)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 23rd May 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/5-79/342.—Whereas I, D. P. Goyal being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-132, situated at Ajay Enclave, Subhash Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 30-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

16—96GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. D-132, Ajay Enclave, Subhash Nagar New Delhi, freehold, measuring 200 sq. yds. on Najafgarh Road area of village Tehar, Delhi bounded as under :—

North : Plot No. D/131
South : Plot No. D/133
East : Service Lane 15' wide.
West : Road 36' wide.

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi.

Date : 23-5-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
4/14A, ASAFAI ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 23rd May 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/5-79/343.—Whereas, I, D. P. Goyal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/110-111/191-93, situated at Village Chandravali, G. T. Road, Shahdara, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 12-9-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Amar Nath S/o Sh. Mela Ram
R/o II, No. 16-18, Raj Block, Naveen Shahdara,
Delhi-32.
(Transferor)

(2) Smt. Santosh Arora W/o Sh. Amar Nath Arora
R/o House No. 16-18, Raj Block, Naveen Shahdara,
Delhi-32.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A built up property bearing Municipal No. 1/110-111/191-93, total area measuring 114.94 sq. meters situated in the area of village Chandravali, Shahdara, G. T. Road, Shahdara, Delhi State, Delhi and bounded as under:—

East : Plot No /Property No. 1/194-95

West : Passage and P. No. 1/190

North : G. T. Road

South : Open Plot

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi

Date : 23-5-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Partap Kishen Kichlu
 (2) Mrs. Anand Kumari Mubayi
 (3) Mrs. Shanti Malla : All Residents of 14-B Road
 Maharani Bagh, New Delhi.

(Transferors)

(2) Mrs. Kamla Seth Resident of 80 Paschim Marg,
 Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-I
 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 24th May 1979

Ref. No. IAC-Acq.1/S.R.III/Sept/1978-79/650.—Whereas I, D. P. Goyal being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No. 135 Block No. 10 situated at Golf Link, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 16-9-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A two storeyed house constructed on a plot of land No. 135 Block No. 10, measuring 785 sq. yards, situated at Golf Link, New Delhi.

D. P. GOYAL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I
 Delhi/New Delhi.

Date : 24-5-1979
 Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITN 8.—

(1) Shri A. K. Roy son of Shri B. B. Roy, Resident of :
A-3 Sujan Singh Park, New Delhi,
(Transferor)

(2) Shri A. K. Misra (HUF) through Shrimati Sneha Lata Misra, wife of Shri A. K. Misra, Resident of :
B-23 Chirag Enclave, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 24th May 1979

Ref. No. IAC Acq.I/S.R.III/Sept.II(20)1978-79.—Whereas, I, D. P. Goyal being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-23 situated at Chirag Enclave, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 21-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

A double storeyed house constructed on a plot of land No. B-23 Chirag Enclave, New Delhi measuring 850 sq. yards and bounded as under :—

East : Road 45 ft. wide

West : B-22

North : Open space

South : 45 ft. Road.

D. P. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 24-5-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Dr. B. Jessa Ram
Resident of : Shop No. 27
Lajpatnagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Shashi Sabharwal
Resident of : II-C/29 Lajpatnagar,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 22nd May 1979

Ref. No. IAC.Acq.I/S.R.III/Sept.II(16)/1978-79/658.—
Whereas, I, D. P. Gopal,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. Shop No. 27 situated at Pushpa Market, Lajpatnagar,
New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
at New Delhi on 19-9-1978
which is less than the fair market value of the aforesaid property
and I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the purposes
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A shop No. 27 measuring 85.4 sq. yards situated at Lajpatnagar, New Delhi.

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 22-5-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shrimati Kanta Nanda Wife of Shri Tilak Raj Nanda, Resident of : 21/3 Gora Chand Road, Calcutta-14. (Transferor)

(2) S/Shri Ajit Nanda, Satish Kumar Nanda and Rajesh Kumar Nanda, sons of Shri H. R. Nanda Resident of : G-12 New Delhi South Extension, New Delhi. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I
4/14A, ASAFAI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 22nd May 1979

Ref. No. 1AC.Acq.I/S.R.III/Sept.II(39)/78-79/676.— Whereas, I, D. P. Goyal,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-498 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 26-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storeyed building No. E-498 measuring 550 sq. yards situated at Greater Kailash-II, New Delhi.

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 22-5-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I
4/14A, ASAFAI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 22nd May 1979

Ref. No. IAC.Acq.I/S.R.III/Sept.I(41)/648/1978-79.—
Whereas, I, Shri D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 194/48 situated at Diplomatic Enclave, New Delhi (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on 15-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.

(1) Shri Ved Paul Kharbanda son of (Late) Shri Harbans Lal Kharbanda : Resident of : H. No. P-71/1, New Colony, CCF Estate, Jalandhar Cantt. (Transferor)

(2) M/s. Seth Associates (P) Ltd., through its Director Mrs. Vimla Seth 9-A Connaught Place, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

A double storeyed building No. 194/18 (known as 8-Dharam Marg), measuring 522.6 sq. yards situated at Chanakyapuri, New Delhi.

D. P. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1,
Delhi/New Delhi.

Date : 22-5-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Surender Kumar Gupta son of
Shri Ram Bhaj Gupta
Resident of : R-79 Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shrimati Shakuntala Devi wife of Shri Jugal Kishore,
(2) Shrimati Pushpa Devi wife of Shri Mohinder
Kumar, (3) Shrimati Maya Devi wife of Shri
Naresh Kumar, (4) Shrimati Bina Devi wife of Shri
Suresh Kumar and Rani Devi wife of Shri Rajinder
Kumar, R/o : W-39 Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 22nd May 1979

Ref. No. IAC. Acq.I/S.R.III/Sept.II(45)/1978-79/682.—
Whereas, I, D. P. GOYAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. M-63 situated at Greater Kailash-II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on 28-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid ex-
ceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and that the consider-
ation for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-
sons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

A 2½ storeyed building No. M-63 measuring 19.5 sq. yards
situated at Greater Kailash-II, New Delhi and bounded as
under :—

North	: Shop plot No. M-62
South	: Shop No. M-64
East	: Road and
West	: Road.

D. P. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 22-5-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) S. Jasvinder Singh son of S. Dharam Singh Resident of : A-2/140 Safdarjang Enclave, New Delhi,
(Transferor)

(2) Shri Roshan Lal & Sons (HUF) and Shri Roshan Lal Resident of : 16/5636 Basti Harphul Singh, Sadar Bazar, Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 22nd May 1979

Ref. No. IAC.Acq.I/S.R.III/Sept.-I(19)/1978-79/635.—
Whereas I, Shri D. P. GOYAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-523 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 11-9-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A building No. E-523 measuring 400 sq. yards situated at Greater Kailash-II, New Delhi.

D. P. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
17—96GI/79

Date : 22-5-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 18th May 1979

Ref. No. ASR/79-80/34.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing land measuring 58 kanals 11 marlas situated in village Chicha Tehsil Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar Tehsil on 1-9-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Shri Gursahib Singh
s/o Shri Kirpal Singh
r/o Village Chicha Teh. Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Jagir Singh
s/o Shri Assa Singh
r/o Village Hamidpura Tehsil, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person(s) interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 58 kanals 11 marlas situated in village Chicha Teh. Amritsar as mentioned in Regd. deed No. 3249 dated 1-9-78 of the Registering Authority, Amritsar. Tehsil.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 18-5-1979
Seal :

FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

- (1) Shri Harbirpal Singh
s/o Shri Harbans Singh
r/o Kotla Dal Singh, Tehsil Amritsar.
(Transferor)
- (2) S/Shri Kashmir Singh, Balbir Singh,
Milkha Singh, Karnail Singh,
Tasbir Singh
ss/o Shri Kartar Singh,
r/o village Kala Ghanupur Teh. Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
[Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Amritsar, the 18th May 1979

Ref. No. ASR/79-80/35.—Whereas, I, M. K. DHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 60K—1M situated at Village Kotla Dal Singh Tehsil Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar Tehsil 1-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 60 kanals 1 marla bearing kila No. 3/12 Min Dakhan, 14, 17/1, 17/2, 18/1, 18/2, 19/1, 19/2, 22, 23, 24 situated at Kotla Dal Singh, Tehsil Amritsar as mentioned in the registered deed No. 3243 dated 1-9-78 of the registering authority, Amritsar, Tehsil.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 18-5-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 18th May 1979

Ref. No. ASR/79-80/36.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 47 kanals 5 marlas situated in village Mahmud Nagar, Tehsil Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Amritsar Tehsil in 1-9-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Balbir Singh, Raghbir Singh,
ss/o S. Sahib Singh
r/o Village Bhakna Kalan Teh. Amritsar.
(Transferor)

(2) Shri Dharam Singh
s/o Shri Ganda Singh
r/o village Hamidpura Tehsil Amritsar.
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any
[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person(s) interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 47 kanals 5 marlas situated in village Mahmud Nagar Tehsil Amritsar, as mentioned in the registered deed No. 3251 dated 1-9-78 of the registering authority, Amritsar Tehsil.

M. K. DHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 18-5-1979
Seal :

FORM ITN8

(1) Smt. Bhagwant Kaur
w/o Shri Guljar Singh
r/o Village Chicha, Tehsil, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Jagir Singh
s/o Shri Assa Singh
r/o Village Hamidpura Tehsil, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any
[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person(s) interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 18th May 1979

Ref. No. ASR/79-80/37.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land measuring 47 kanals 1 marlas situated at village Mahmud Nagar, Teh. Amritsar, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Amritsar Tehsil in 1-9-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 47 kanals 1 marlas bearing Kila No. 23/22, 23, 24, 25, 31/3/1, 4/2/1, 5/2/2 situated at village Mahmud Nagar as mentioned in regd. deed No. 3250 dated 1-9-78 of the registering authority, Amritsar Tehsil.

M. K. DHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 18-5-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri Nasib Singh, Uttam Singh
S/o Sant Singh
R/o Village Donera Teh. Pathankot,
Distt. Gurdaspur.

(Transferor)

(2) S/Shri Om Parkash, Beli Ram
S/o Khajan Chand,
Village Karso Tehsil Hamirpur.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.
(Person(s) in occupation of the property)

(4) Any other person(s) interested in the property.
(Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 18th May 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. Dhar-KL/79-80/38.—Whereas, I, M. K. DHAR
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Agricultural land situated at village Donera Tehsil
Pathankot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Dhar Kalan on 22-9-78

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of
the property as aforesaid exceeds the apparent con-
sideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 57 kanals 12 marlas situated
in village Donera Teh. Pathankot as mentioned in the re-
gistered Deed No. 75 dated 22-9-78 of the Registering autho-
rity, Dhar Kalan.

M. K. DHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 18-5-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Chuhan Singh s/o Nand Singh
R/o Village Akalgarh, Tehsil Amritsar.
(Transferor)

(2) S/Shri Gurnam Singh Satnam Singh
S/o Charn Singh
R/o village Akalgarh, Tehsil Amritsar.
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.
(Person(s) in occupation of the property)

(4) Any other person(s) interested in the property.
(Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 18th May 1979

Ref. No. ASR/79-80/39.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 13 kanals 1 marla situated at village Akalgarh, Tehsil Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar Tehsil on 22-9-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 13 kanals 1 marla (1/3 share of 39 kanals 3 marlas) bearing Kila No. 53/16, /17, /24, /25, 64/4, /5, /7/1 situated in village Akalgarh Teh. Amritsar, as mentioned in registered Deed No. 3564 dated 22-9-78 of the registering authority, Amritsar Tehsil.

M. K. DHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 18-5-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 18th May 1979

Ref. No. Dhar KL/79-80/40.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 91 kanals 12 marlas situated in village Babri Bagay/Tarti Teh. Pathankot. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dhar Kalan on 26-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Smt. Durgi wd/o Hakumat of village Babri Bagay Tehsil Pathankot, Distt. Gurdaspur.

and

Shri Paras Ram s/o Shri Sant Ram of village Babri Bagay Tehsil Pathankot Distt. Gurdaspur.

(Transferor)

(2) Sh. Amar Singh, Hari Singh, Makhan Singh, Ram Singh S/o Bhuloo Ram s/o Dadu of Vill. Tarti Teh. Pathankot, Distt. Gurdaspur.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.
(Person(s) in occupation of the property)

(4) Any other person(s) interested in the property.
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 91 kanals 12 marlas situated at village Babri Bagay/Tarti of Teh. Pathankot as mentioned in the registered Deed No. 78/dated 26-9-78 of the registering authority, Dhar Kalan Sub Tehsil, Tehsil Pathankot Distt. Gurdaspur.

M. K. DHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 18-5-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 18th May 1979

Ref. No. ASR/79-80/41.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 53 kanals 9 marlas
situated at village Khidotarli Tehsil Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar Tehsil on 22-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Naranjan Singh s/o Chanda Singh
R/o Village Chogawan Sadhpur through Harbhajan
Singh s/o Surta Singh Village Khidowall, Teh.
Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Mukhtar Singh s/o Mohinder Singh,
R/o village Tola Nangal, Teh. Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.
(Person(s) in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property.
(Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 1/3rd of 160 kanals 7 marlas (53 kanals 9 marlas) bearing No. Khata No. 63/73, 73/1, 63/74, Kila 6/24 0-3, 15/1/1 5-12 20/2 6-15, 16/7 8-0 /15 7-12 /16 7-12 /25 7-4, 17/4 8-0 /5 7-12, 17/14/ 3-5, 15/9 8-0 /10 7-12 /21 7-4, 16-4- 5-18 /5 /2 3-16 /6 7-12 /14 8-0 /17 7-16 /78 7-16, 17/6 6-13 /7 8-00 18/1 8-0 /9 5-9 /10/1 4-0 10/2 2-9 1975/76, as mentioned in the registered deed No. 3558 dated 22-9-78 of the registering authority Amritsar Tehsil.

M. K. DHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 18-5-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
18—96GI/79

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 18th May 1979

Ref. No. TT/79-80/42.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 48 kanals situated at village Munda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tarn Taran in 27-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gurcharan Singh s/o Kartar Singh of Village Pakhopura Teh. Tarn Taran. Distt. Amritsar. (Transferor)
- (2) Mukhvinder Singh, Sukhvinder Singh Ss/o Tarlochan Singh of Village Pakhopura Teh. Tarn Taran. Distt. Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 and tenant(s) if any. (Person(s) in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 48 kanals (Balani) situated at Munda of Tehsil Tarn Taran, as mentioned in the registered Deed No. 4227 dated 27-9-78 of the registering Authority, Tarn Taran, Distt. Amritsar.

M. K. DHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 18-5-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 18th May 1979

Ref. No. BTL/79-80/43.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 24 kanals 19 marlas situated at village Sidhwan Tehsil Batala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Batala in September 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (1) S/Shri Avtar Singh, Niranjan Singh
S/o Smt. Gunwant Kaur d/o Jora Singh
Alias Jorawar Singh
Village Sidhwan through Teja Singh, general
attorney Teh. Batala.
(Transferor)
- (2) Shri Sujan Singh s/o Jora Singh alias Jorawar
Singh Village Sidhwan Tehsil Batala.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.
(Person(s) in occupation of the property)
(Transferee)
- (4) Any other person(s) interested in the property.
(Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 24 kanals 19 marlas (20 kanals 13 marlas of 1/4 share of 82-10 marlas and 4 kanals 6 marlas i.e. 1/4 share of land 17 kanals 5 marlas) situated at village Sidhwan Teh Batala, as mentioned in the registered deed No. 3974 dated 18-9-78 with the registering authority Batala.

M. K. DHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 19-5-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 19th May 1979

Ref. No. BTL/79-80/44.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 32 kanals situated in village Bijliwal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Batala in September 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Dibyal Singh s/o Sher Singh
Village Bijliwal Teh. Batala.
(Transferor)
- (2) Shri Parminder Singh s/o Murat Singh
Village Kot Ahmedkhan Teh. Batala.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any,
[person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 32 kanals situated in village Bijliwal Teh Batala as mentioned in the registered Deed No. 3909 dated 11-9-78 of the registering authority, Batala.

M. K. DHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 19-5-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 19th May 1979

Ref. No. BTL/79-80/45.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 64 kanals 2 marlas situated at village Talwandi Jhungla (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Batala in September 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kulwant Singh s/o Hajara Singh etc. of village Talwandi Jhungla Teh. Batala. (Transferor)
- (2) Shri Kulwinder Singh s/o Santokh Singh, Guru Nanak Nagar, Batala. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any [person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 64 kanals 2 marlas situated in village Talwandi Jhungla near Wadhala Granthian, Tehsil Batala as mentioned in the sale deed No. 4011 dated 22-9-78 of the registering authority, Batala.

M. K. DHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 19-5-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Harbhajan Kaur w/o S. Rajinder Singh,
R/o Katra Dal Singh, Amritsar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th May 1979

Ref. No. CHD/217/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S.C.O. 127, Sector 28-D, Chandigarh, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Chandigarh in September, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Prem Kumar Verma
S/o Shri Girdhari Lal Verma,
R/o H. No. 3178, Sector 28-D,
Chandigarh.
(Transferee)

(3) 1. M/s. Ajanta Motors,
SCO 127/28D, Chandigarh,
2. Shri Anil Kumar of M/s. A. K. Mills and
Hardware Store,
1st Floor, SCO 127/28/D,
Chandigarh.
3. Capt. Shanglia,
2nd Floor, SCO 127, Sector 28-D,
Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S.C.O. No. 127 situated in Sector 28-D, Chandigarh.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 521 of September, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 9-5-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS—

(1) Smt. Shayama Rani Mehta w/o Shri S. R. Mehta, C-105, Greater Kailash, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th May 1979

Ref. No. CHD/235/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential House No. 11, Sector 8-A, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Rear Admiral Mohan Singh Grewal S/o Shri Sardara Singh Grewal, Mrs. Sapuram Kaur Grewal W/o Shri Mohan Singh Grewal, Maj. Harcharanjil Singh Grewal S/o Rear Maj. Bhupinder Singh Grewal } Admiral Mohan Capt. Gutnam Singh Grewal } Singh Grewal All resident of H. No. 11, Sector 8-A, Chandigarh.

(Transferee)

(4) Shri Gurbans Singh, C/o Shri Mohan Singh Grewal, R/o H. No. 11, Sector 8-A, Chandigarh.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
15—76GI/19

THE SCHEDULE

Residential House No. 11, Sector 8-A, Chandigarh.
(The property as mentioned in the Registered deed No. 629 of October, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 9-5-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th May 1979

Ref. No. CHD/224/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2½ storeyed building No. 1163, Sector 8-C, Chandigarh constructed over a plot measuring 1000 Sq. yds. situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Swaran Varman
wd/o Late Shri B. S. Varman and
Mr. Sunil Varman (Minor)
S/o Late Shri B. S. Varman through
Smt. Swaran Varman his mother and N/G,
R/o R-24, South Extension-2, New Delhi,
(Transferor)

(2) Shri Harkishan Lal Verma
S/o Shri Raj Mal Verma and
Smt. Kaushalya Devi w/o Shri Harkishan Verma,
R/o 597, Sector 18-B, Chandigarh.
(Transferee)

(3) 1. Shri S. C. Malik, 1163,
Sector 8-C, Chandigarh.
2. Shri Subash Chander, 1163
Sector 8-C, Chandigarh.
3. Shri Pawan Kumar, 1163
Sector 8-C, Chandigarh.
4. Mrs. Ram Piari, 1163
Sector 8-C, Chandigarh.
5. Shri Amrit Lal, 1163
Sector 8-C, Chandigarh.
6. Shri Narinder Parkash, 1163
Sector 8-C, Chandigarh.
(person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storeyed building No. 1163, Sector 8-C, Chandigarh constructed over a plot measuring 1000 Sq. yds.

(The property as mentioned in the Regd. Deed No. 566 of October, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 9-5-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ved Parkash s/o Shri Mohri Lal,
H. No. 1442, Street No. 9, Abohar,
Distt. Ferozepur.

(Transferee)

(2) Shri Inder Narain Kakkar
S/o Shri Shiv Narain Kakkar,
R/o H. No. 1612, Sector 14-D, Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th May 1979

Ref. No. CHD/221/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential house No. 3152, Sector 21-D, Chandigarh situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in September 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein or are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Residential house No. 3152, Sector 21-D, Chandigarh.

The property as mentioned in the Registered Deed No. 544 of September, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 9th May 1979

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
19—96GI/79

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th May 1979

Ref. No. CHD/222/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Residential Plot No. 1-P, Street 'E', Sector 21-D, measuring 499.8 Sq. yds.

situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Piara Singh Ahluwalia
S/o K. S. Ahluwalia through G/A
Shri Sunder Singh Ahluwalia
S/o late Shri Gurbax Singh Ahluwalia,
R/o H. No. 2206, Sector 21-C, Chandigarh.
(Transferor)

(2) (i) Smt. Brij Rani w/o Sh. Hari Ram Gupta,
(ii) Shri Shukal Kumar Gupta and
Shri Rajiv Kumar Gupta
Sons of Shri Hari Ram Gupta,
R/o 3107, Sector 21-D, Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1-P, street 'E' Sector 21-D, Chandigarh measuring 499.8 Sq. yds.

(The property as mentioned in the Regd. Deed No. 560 of September, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 9-5-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th May 1979

Ref. No. JGN/133/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 3 Kanal 1 Marla situated at Village Agwar Gujran, Jagraon Distt. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagraon in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or exasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Swaran Singh and Smt. Parkash Kaur
Wd/o S. Randhir Singh, Self & General Attorneys
for S/Shri Darshan Singh and Baldev Singh
S/o Shri Randhir Singh
R/o Agwar Gujran, Teh. Jagraon.

(Transferor)

(2) Shri Saudagar Singh s/o Shri Kala Singh
S/o Prem Singh
R/o Manoode Teh. Jagraon.
2. Shri Saudagar Singh s/o Shri Kala Singh
S/o Prem Singh,
R/o 202, Lefeuver Road, Alder Grove,
B. C. Canada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 kanal 1 marla situated at Village Agwar Gujran, Jagraon.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4823 of January, 1979 of the Registering Officer, Jagraon.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 9th May 979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th May 1979

Ref. No. KHR/3/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop-cum-Office No. 18, Phasc-I, Mohali, Teh. Kharar, situated at Mohali, Distt. Ropar (and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Ram Sarup Sood s/o Shri Nauhria Ram Sood, R/o Village and P.O. Samrai, Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Tarlochan Singh Khara s/o Shri Hardit Singh Khara, and Smt. Avtar Kaur w/o Shri Tarlochan Singh Khara, R/o 3059, Sector 19-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop-cum-office No. 18, Phase I, Mohali, Distt. Ropar.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3106 of November, 1978 of the Registering Officer, Kharar).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 9th May 979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

(1) Col. Rajinder Singh Grewal s/o Shri Attar Singh,
7-C, Sarabha Nagar, Ludhiana.
(Transferor)

(2) Shri Naresh Kumar and Shri Pardeep Kumar
S/o Chand Lal,
R/o B-IV-188, Dal Bazar, Ludhiana.
(Transferee)

(3) Shri Chand Lal Bajaj,
B-XX-11, Bachint Castle,
College Road, Ludhiana.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. LDH/90/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Kothi No. B-XX-11 (Bachint Castle) situated on College Road, Civil Lines, Ludhiana on a plot measuring 1100 sq. yards

situated at Ludhiana
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in September, 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following person, namely :—

THE SCHEDULE

Property No. B-XX-11 (Bachint Castle) situated on College Road, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2198 of September, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 9-5-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Anoop Singh s/o Shri Uttam Chand
S/o Shri Hazari Ram,
R/o 92-E, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Promila Rani w/o Shri Jagdish Lal,
R/o 92-B Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th May 1979

Ref. No. LDH/79/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 92-B, Sarabha Nagar, Ludhiana on plot measuring 200 sq. yards. situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in October, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 92-B Sarabha Nagar, Ludhiana over a plot measuring 200 sq. yards.

The property as mentioned in the Registered Deed No. 2696 of October, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana.

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 9th May 979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th May 1979

Ref. No. LDH/220/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Portion of House No. B-XIX-374, Dr. Hira Singh Road, Ludhiana, situated at Ludhiana (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ludhiana in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dr. Malkiat Singh s/o Shri Tara Singh, R/o Bakhtawar Park, Dr. Hira Singh Road, Ludhiana through Shri Bikram Singh S/o Shri Hardit Singh, 190-A, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Chander S/o Shri Sahib Ditta Mal, R/o B-II-868, Kucha Laxmi Narain, Ludhiana, Shri Subhash Chand s/o Shri Ladha Ram, R/o H. No. B-II-863, Kucha Laxmi Narain, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. B-XIX-374, Dr. Hira Singh Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4193 of February, 1979 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 9-5-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th May 1979

Ref. No. LDH/22/1/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Portion of House No. B-XIX-374, Dr. Hira Singh Road, Civil Lines, situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Malkiat Singh s/o Shri Tara Singh, R/o Bakhtawar Park, Dr. Hira Singh Road Ludhiana through Shri Bikram Singh S/o Shri Hardit Singh, R/o 190-A Sarabha Nagar, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Smt. Kamlesh Kumari w/o Shri Romesh Chandor, R/o H. No. 8-II-868, Laxmi Narain Kucha, Ludhiana. (Transferee)
- (3) Shri Raj Kumar Singla, Advocate, H. No. B-XIX, 374, Dr. Hira Singh Road, Civil Lines, Ludhiana. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. B-XIX-34, Dr. Hira Singh Road, (The property as mentioned in the Registered Deed No. 4194 of February, 1979 of the Registering Officer).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 9th May 979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 9th May 1979

Ref. No. LDH/222/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

Portion of House No. B-XIX-374, Dr. Hira Singh Road, Civil Lines, Ludhiana situated at Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Dr. Malkiat Singh s/o Shri Tara Singh, R/o Bakhtawar Park, Civil Lines, Ludhiana through Shri Bikram Singh S/o Shri Hardit Singh, R/o 190-A Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Urmil Kumari w/o Shri Subhash Chander, R/o B-II-863, Kucha Laxmi Narain, Near Municipal Corporation Office, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of House No. B-XIX-374, Dr. Hira Singh Road, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No 4204 of February, 1979 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 9th May 1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
20—96GI/79

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 16th May 1979

Ref. No. CHD/220/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House property No. 29, Sector 28-A, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration officer Chandigarh in September 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Lal Singh s/o Shri Ajit Singh, Smt. Gurmej Kaur w/o Shri Lal Singh through their G.A. Shri Balraj Singh S/o Darshan Singh, R/o H. No. 116, Sector 9, Chandigarh. (Transferee)
- (2) Shri Bhagwan Dass, Shri Krishan Lal, Shri Suraj Parkash sons of Shri Jawanda Ram and Shri Jawanda Ram s/o Shri Makhan Ram, R/o H. No. 29, Sector 28-A, Chandigarh. (Transferee)
- (3) (i) Shri Madan Lal Aggarwal,
(ii) Mrs. Shashi Keycet,
(iii) Mrs. Subhash Chadha and
(iv) Shri Baldu Ram
R/o H. No. 29, Sector 28-A, Chandigarh. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 29, Sector 28-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 543 of September, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 16th May 1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Swaranjit Kaur w/o Shri Avtar Singh,
R/o 141, Sector 35-A,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Dr. Mahendra Kumar Aggarwal and
Dr. Devendra Kumar Aggarwal,
Sons of Late Shri Sham Lal,
1128, Sector 21-B, Chandigarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 16th May 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. CHD/233/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

House property No. 1128, Sector 21-B, Chandigarh
situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Chandigarh in October, 1978

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

House property No. 1128, Sector 21-B, Chandigarh con-
structed over a plot measuring 1001 Sq. yds.

(The property as mentioned in the Registered Deed No.
614 of October, 1978 of the Registering Officer, Chand-
igarh.

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 16th May 1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th May 1979

Ref. No. AML/93/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Land measuring 26 bigha 4 biswa (1/2 of 52 Bigha 7 Biswa) situated at Village Lakha Singh Wala, Teh. Amloh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amloh in September, 7

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Baldev Singh s/o Sh. Joginder Singh, R/o Mehdian Sub-Teh. Sirhind. (Transferor)

(2) Shri Randhir Singh s/o Sh. Kehar Singh R/o Village Lakha Singh Wala, Sub-Teh. Amloh Distt. Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 26 bigha 4 biswas (1/2 of 52 bigha 7 biswa) situated at Village Lakha Singh Wala, Teh. Amloh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1124 of September, 1978 of the Registering Officer, Amloh.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 16 May 1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th May 1979

Ref. No. AML/94/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5 No. Land measuring 39 bigha 7 biswas situated at Village Lakha Singh Wala Sub-Teh. Amloh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in September, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sehr Singh s/o Shri Joginder Singh,
R/o Village Mehndian, Teh. Sirhind.
(Transferor)

(2) Smt. Ranjit Kaur w/o Sh. Randhir Singh
Lakha Singh Wala Sub-Teh. Amloh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 39 bigha 7 biswa situated at Village Lakha Singh Wala, Teh. Amloh.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1125 of September, 1978 of the Registering Officer, Amloh.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 16 May 1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Col. Gurdial Singh s/o Late Major Jaswant Singh, r/o H. No. 172, Sector 9-B, Chandigarh.
(Transferor)

(2) S/Shri Ghumand Singh & Joginder Singh sons of Shri Kaka Singh, Village & P.O. Rakera, Distt. Patiala.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th May 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(3) M/s. Canton Carpentry Works.

(Person in occupation of the property)

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. PTA/121/78-79.—Whereas I, NATHU RAM Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land measuring 1403 sq. yards being part of property No. 1346/A/4, situated at front of Amar Ashram, Sunami Gate, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in September, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot measuring 1403 sq. yards being part of property No. 1346/A/4, situated in front of Amar Ashram, Sunami Gate Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 3086 of September, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 16 May 1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th May 1979

Ref. No. PTA/120/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House property No. 1346/A/4, in front of Amar Ashram, Sunami Gate, situated at Patiala

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in September, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Col. Gurdial Singh s/o Late Major Jaswant Singh, r/o 172, Sector 9-B, Chandigarh.
(Transferor)

(2) (i) Shri Devi Dass s/o Shri Ram Lal,
(ii) Smt. Satya Devi w/o Shri Devi Dass,
(iii) Smt. Madhu Gupta w/o Shri Bharat Lal,
(iv) Vikrant Aggarwal s/o Shri Bharat Lal,
(v) Rajiv Goyal s/o Shri Dharam Pal Goyal, r/o Nabha Gate, Patiala.
(Transferee)

(3) (i) The Assistant Excise & Taxation Commissioner, Patiala.
(ii) District Magistrate, Patiala.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Three storeyed House Property No. 1346/A/4, situated in front of Amar Ashram, Sunami Gate, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 3085, September, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16 May 1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Major Raj Kumar Anand s/o Shri Shankar Dayal Anand, r/o 180-I, Sarabha Nagar, Ludhiana.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. T. C. M. Woollen Mills Pvt. Ltd., 707, Industrial Area A, Ludhiana through Shri N. R. Mehtani, Director of the company.
(Transferee)

(3) M/s. T. C. M. Woollen Mills Pvt. Ltd., 707, Industrial Area A, Ludhiana through Shri N. R. Mehtani, Director of the company.
(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th May 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. LDH/114/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Factory building No. 707, Industrial Area A, Ludhiana over a plot measuring 2274 sq. yards situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in September, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

Factory building No. 707, Industrial Area A, Ludhiana, over a plot measuring 2274 sq. yards.

(The property as mentioned in the registered deed No. 2592 of September, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 16th May 1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th May 1979

Ref. No. LDH/108/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Portion of property No. B-VI-282, Madhopuri, situated at Wateganj Road, Ludhiana (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in September, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
21—96GI/79

(1) Shri Surinder Pal Bhasin s/o Shri Mukand Lal
r/o 707 Chachaster Lane Silver spring,
State of Maryland, through Shri Baldev Singh
Thapar, 2-Professors Banglow, Punjab Engg.
College, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Hans Raj s/o Shri Ram Lubhaya
B-VI-1078, Mohalla Mehmoodpura, Ludhiana.
(Transferee)

(3) Shri Hans Raj s/o Shri Ram Lubhaya
r/o B-VI-1078, Mohalla Mehmoodpura, Ludhiana.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of property No. B-VI-282, Madhopuri Wateganj Road, Ludhiana over a plot measuring 77 1/4 sq. yds.

(The property as mentioned in the registered deed No. 2536 of September, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 16th May 1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th May 1979

Ref. No. LDH/78-A/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of property No. B-VI-282, Madhopuri, situated at Wateganj Road, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in October, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Surinder Pal Bhasin s/o Shri Mukand Lal Bhasin, r/o 707 Chachister Lane, State of Maryland Silver Spring through Shri Baldev Singh, G.A. 2, Professor Bungalow, Punjab Engg. College, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Harbans Lal s/o Shri Wadhwa Ram r/o H-No. B-I-1225, Chhowni Mohalla, Ludhiana.

(Transferee)

(3) Shri Harbans Lal s/o Shri Wadhwa Ram r/o H. No. B-I-1225, Chhowni Mohalla, Ludhiana. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of property No. B-VI-282, situated at Madhopuri, Wateganj Road, Ludhiana over a plot measuring 69 3/4 sq. yds.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 2674 of October, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 16th May 1979

Seal : 

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Bhupinder Singh Grewal s/o Brig. Balbir Singh, through Smt. Jaswinder Kaur r/o B-XIX-354B, Dr. Hira Singh Road, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Harbans Kaur d/o Shri Thakar Singh r/o B-XIX-354B, Dr. Hira Singh Road, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th May 1979

Ref. No. LDH/112/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Portion of Kothi No. B-XIX-354/B situated at Dr. Hira Singh Road, Civil Lines, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in September, 1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Kothi No. B-XIX-354B, Dr. Hira Singh Road, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 2572 of September, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 16th May 1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th May 1979

Ref. No. LDH/134/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Portion of Kothi No. B-XIX-354B, Dr. Hira Singh Road, situated at Civil Lincs, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Bhupinder Singh Grewal s/o Brig. Balbir Singh, r/o B-XIX-354B, Dr. Hira Singh Road, Civil Lines, Ludhiana through Smt. Vavinderjit Kaur.

(Transferor)

(2) Smt. Harbans Kaur d/o Shri Thakar Singh r/o B-XIX-354B, Dr. Hira Singh Road, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of Kothi No. B-XIX-354B, Dr. Hira Singh Road, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 3269 of November, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 16th May 1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Jai Singh Kohli s/o Sh. Karam Singh Kohli, through Spi. Attorney Shri Jagjit Singh Kohli s/o Sh. Jai Singh Kohli, r/o Kothi No. 278, Sector 16, Chandigarh. (Transferor)

(2) Shri Kapil Beri & Shri Ashwani Kumar Beri s/o Shri Rajinder Lal Beri, r/o H. No. 180/1, Lohari Gate, Patiala. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 21st May 1979

Ref. No. PTA/124/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of house property No. 180/1, Lohari Gate, Gaushala Road, situated at Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of House property No. 180/1, Lohari Gate, Gaushala Road, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 3249 of September, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21st May 1979
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 21st May 1979

Ref. No. PTA/124-A/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. House No. 180/1, Gaushala Road, Lohari Gate situated at Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Patiala in September, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jai Singh Kohli s/o Shri Karam Singh, through Spl. Attorney Shri Jagjit Singh Kohli s/o Sh. Jai Singh Kohli r/o Kothi No. 278, Sector 16, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Lal Beri s/o Shri Saran Dass Beri r/o Lohari Gate, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 180/1, Gaushala Road, Lohari Gate, Patiala.
(The property as mentioned in the Registered deed No. 3135 of September, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 21st May 1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. G. S. Rainoo s/o Late Sh. Lal Singh
r/o H. No. 4959, Street Arorian, Near Arya Samaj
Chowk, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Ajit Singh Saini s/o Shri Basant Singh
r/o H. No. 241, Sector 20-A, Chandigarh.

(Transferee)

(3) 1. Shri Vijay Kumar of Indian Overseas Bank.
2. Shri Kaliash Kumar, Clerk Irrigation Department,
3. Sh. Raghbir Singh Nannra, M.A. Student B.Ed.
all residents of H. No. 241 Sector 20A.
Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the
respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. CHD/215/78-79.—Whereas I, NATHU RAM,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition
Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2½ Storyed residential House No. 241, Sector 20-A,
situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Chandigarh in September, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property ~~as~~
~~aforsaid exceeds the apparent consideration therefor by more~~
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of ~~any income arising from the transfer;~~
~~and/or~~

(b) facilitating the concealment of any income or ~~any~~
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

2½ storyed residential house No. 241, Sector 20-A,
Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No.
503 of September, 1978 of the Registering Officer, at Chandigarh).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 23-5-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th May 1979

Ref. No. RAC No. 42/79-80.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 28 situated at Premises No. 139 M.G. Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on September, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) M/s United Builders Partnership firm, H. No. 9-1-41 at Tabaccão Bazar, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Rajender Pershad, H. No. 10-1-611/8/1 at West Maredpally, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Mulgi No. 28 in the premises No. 139 situated at S.D. Road, Secunderabad registered vide Document No. 2385/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 16-5-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) 1. M. V. Hanumantha Rao,
H. No. 76 Maredpally, Secunderabad.
2. Smt. M. Padmavathi,
W/o Sri M. V. Hanumantha Rao,
H. No. 76 at Maredpally, Secunderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th May 1979

(2) Sri Khurshid Ahmed
S/o Sri Haji Gulam Ahmed,
C/o Manjor Ahmed Nisar Ahmed,
No. 3-4-387 at Tobacco Bazar,
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. RAOC No. 53/79-80.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mulgi No. 3-4-537 at Tobacco Bazar, Secunderabad and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on September, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Mulgi No. 3-4-387 situated at Tobacco Bazar, Secunderabad, registered vide Document No. 2394/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
22—96GI/79

Date : 16-5-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th May 1979

Ref. No. RAC No. 54/79-80.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-4-681 situated at Old Kattalmandi, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Sri Hasham Bhai Virani,
 2. Smt. Gulbanu Virani,
 W/o Hasham Bhai Virani,
 both R/o Room No. 39, 4th floor of Prem Court,
 Peddar Road, Opp. to State Bank,
 Bombay-400026.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Khairunnisa Virani,
 W/o Rahmatullah Virani,
 2. Sri Nizar Ali Virani,
 both R/o II. No. 5-3-661 Shanker Bagh,
 Goshamahal, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 5-4-681 known as "Zarina Parina House" admeasuring 551.04 Sq. Yds. at Old Kattalmandi, Hyderabad, registered vide Document No. 3790/78 in the office of the Joint Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-5-1979

Seal :

FORM ITNS —

(1) Smt. Hurmathunnisa Begum,
W/o Sri Aijaz Mohd,
H. No. 3-5-1098 at Narayanguda, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Sri A. Ramachander Rao,
(Retd. Technical Expert
A. P. State Electricity Board)
H. No. 3-4-611 at Narayanguda, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th May 1979

Ref. No. RAC No. 55/79-80.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 3-5-1097 situated at Narayanguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Hyderabad on September, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing M. No. 3-5-1097 with open yard, at Narayanguda, Hyderabad, admeasuring 638 Sq. Yds. registered vide Document No. 3522/78 in the office of the Joint Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 16-5-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Bhagwandas Girdhardas,
H. No. 4-3-339 at Bank Street
Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Mrs. Sher Banoo H. Kajani,
W/o Hyder Ali Kajani
2. Madad Ali Kajani,
3. Sadruddin M. Kajani,
4. Mrs. Gulshan A. Punjani
5. Mrs. Jehandarunnisa Begum
all R/o H. No. 5-8-505/A at Chiragali lane,
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th May 1979

Ref. No. RAC No. 56/79-80.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 5-4-743, 744 and 745 situated at Nampally, Station Rd. Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Hyderabad on September 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building bearing M. No. 5-4-743, 744, and 745 situated at Nampally Station Road, Hyderabad, registered vide Document No. 3761/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 16-5-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Steelworth Limited,
Head Office : 17, Ganesh Chandra Avenue,
Calcutta-13,
Registered Office : Steelnagar Tinsukia,
State—Assam.

(Transferor)

(2) Bihar Ispaat (Engineers) Pvt. Ltd.
20, Mangoe Lane, Calcutta-700001.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BORIN CANAL ROAD
PATNA

Patna, the 18th May 1979

Ref. No. III-319/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 559, 561, 562, 565, 567, 568 and 569 in N.H. No. 33, Bundu Road, P.O. Rajaulatu, Namkum, Ranchi situated at Bundu Road, P.O. Rajaulatu, Namkum, Ranchi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 198) in the office of the Registering Officer at on for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring approximately 7½ acres and situate at Village-Garke, being plot No. 559, 561, 562, 565, 567, 568 and 569 in N.H. No. 33, Bundu Road, P.O. Rajaulatu, Namkum, Ranchi in the state of Bihar, more fully described in deed No. I-4389 dated 4-9-1978 registered with the Registrar of Assurance, Calcutta.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

J. NATH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 18-5-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mulla Saifuddin,
S/o Shri Tahir Ali Bohra,
R/o Kota, Rajasthan.

(Transferor)

(2) Shri Radheysham Rawat,
S/o Shri Panna Lal Rawat,
R/o Sadar Bazar, Guna.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 2nd May 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1244/79-80.—Whereas, I, B. L. RAO being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Sadar Bazar, Guna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Guna on 29-9-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of house situated at Sadar Bazar, Guna.
(1/4th Part)

B. L. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 2-5-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Smt. Fatima Bi
Wd./p Shri Ahsan Hussain,
2. Smt. Zahira Bi,
3. Smt. Zarina Bi
4. Miss. Zahida Bi,
5. Ku. Zebunnisa &
6. Zenab,
Ds/o Shri Ahsan Hussain,
Lakherapura, Bhopal.

(Transferor)

(2) M/s. Raja Confectionary & Biscuits Works,
Lakherapur, Bhopal
through partner Shri Hiralal,
S/o Late Shri Pariomal,
Lakherapura, Bhopal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 2nd May 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1245/79-80.—Whereas, I, B. L. RAO being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16 Wd. No. 7 situated at Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhopal on 25th September, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Single storeyed House bearing No. 16, Ward No. 7 at Lakherapura, Bhopal.

B. L. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal,

Date : 2-5-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Sr. Satnam Singh
S/o Shri Chandlal Chabra,
Forest Contractor, Dhamnod,
Distt. Dhar.

(Transferor)

(2) Shri Nandiram,
S/o Shri Naraindas Sohanda,
R/o 66-67, Vishnupuri Colony, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 2nd May 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1246/79-80.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on 21st September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 66-67, Vishnupuri Colony, Indore.

B. L. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal,

Date : 2-5-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Dwarkadas,
S/o Shri Dayaldasji Balwani,
R/o 42, Sindhi Colony, Bhopal.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(2) Smt. Bhanwa Bai,
W/o Shri Meehomal,
R/o Ghodanakas, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 2nd May 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1247/79-S0.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 116/3 paiki Eastern side land situated at village House situated at Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 15th September, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House on Plot No. 138 at Sindhi Colony, Berasia Road, Bhopal.

B. L. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
23—96GI/79

Date : 2-5-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. S. Shri Vijaysingh, 2. Shailendrasingh
S/o Shri Ratnarlalji Choudhari,
R/o 3, Maheshwar Gali, Dewas.

(Transferor)

(2) Shri Rameshchandra,
S/o Shri Tansukhhal Jhalani,
R/o 86, Ravindra Nagar, Indore

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 2nd May 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1248/79-80.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House situated at Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 7th October, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 3/5, New Palasia, Indore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

B. L. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal,

Date : 2-5-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 2nd May 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1249/79-80.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 3rd October, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Karamchand,
S/o Shri Shivkaran Sodi
R/o Jawahar Marg House Noj 322, Indore.
(Transferor)

(2) Madni Trust through its trustees
144, Nayapura, Indore.
1. Alhaj Haji Madni Shah Baba Masudshah, s/o Bakridi Miya,
R/o H. No. 144, Nayapura, Indore.
2. Sajjadhussein Hafiz Mohd Nashirshab,
S/o Abdul Karim
R/o H. No. 144 Nayapura, Indore.
3. Alhaj Janab Mohd. Hussainsahab,
S/o Bakridmiya
R/o H. No. 144, Nayapura, Indore.
4. Haji Janab Jahir Ahmedsahab,
S/o Haji Basir Ahmed Sahab
R/o H. No. 144, Nayapura, Indore.
5. Janab Sufiurrahman Sahab,
S/o Ajijur Rahman Sahab,
R/o 22, South Gafoor-khan-ki Bajaria,
Indore.
6. Janab Abdulrahman Sahab,
S/o Habibullah Sabab,
R/o 126, Juna Risal Lane 1, Indore.
7. Ajijyrahman Mansuri,
S/o Faqir Mohd.
R/o 48, Nayapura No. 1, Indore.
8. Abdul Rahman,
S/o Haji Sheikh Mohd. Sahab,
R/o H. No. 9/2, North Harsidhi, Indore.
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three-storeyed house No. 322, Jawahar Marg, Indore.

B. L. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 2-5-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 2nd May 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1250/79-80.—Whereas, I, B. L. RAO, being the competent authority under section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhopal on 28th October, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) M/s. Central India Engineering Corporation, Hamidia Road, Bhopal, through partners

1. Haji Mulla Mohsin Hussain,
S/o Sheikh Shakir Hussain,
2. Mulla Asgar Hussain,
S/o Haji Mulla Mohsin Hussain,
R/o Beldarpura, Bhopal.

(Transferor)

(2) 1. S/Shri Rachandra 2. Jaipal 3. Mohanlal and
4. Kishore Kumar, S/o Hugundas,
R/o Sindhi Colony, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House & Shed in Ward No. 22 near Caltex Petrol Pump, Hamidia Road, Bhopal.

B. L. RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal,

Date : 2-5-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Shakuntala Yadav,
W/o Shri Kushal Pal Yadav,
R/o 448/1, Civil Lines, Jabalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th May 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1251/79-80.—Whereas, I, B. L. RAO being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 12th September, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Smt. Shanti Shukul,
W/o Shri Shivshanker Shukul,
448/1, Civil Lines, Jabalpur.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House M. No. 448/1, Civil Line, New Ward No. 37, Jabalpur.

B. L. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 4-5-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Shakuntala Yadav,
W/o Shri Kushalpal Yadav,
448/1, Civil Lines, Jabalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th May 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1252/79-80.—Whereas, I, B. L. RAO
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Jabalpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 1st September 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Part of House M No. 448/1, Civil Lines, New Ward No. 37, Jabalpur.

B. L. RAO,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-5-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ratankumar,
S/o Shri Punam Chandji Gandhi,
New Road, Ratlam.

(Transferor)

(2) Shri Sajjad Hussain,
S/o Shri Fida Hussain Bohra,
Chandni Chowk, Bakhali,
(Lakladi Pitha), Ratlam

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th May 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPI/1253/79-80.—Whereas, I, B. L. RAO being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ratlam on 22nd September, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Three-storeyed House No. 31 (including basement) Motilal Nehru Marg, Freeganj, Ratlam.

B. L. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 5-5-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Gangabai,
W/o Shri Ramakant Sharma
Dohad.

(Transferor)

(2) Smt. Bharti,
W/o Shri Bairosingh Waghela
Shastri Nagar, Ratlam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 5th May 1979

Ref. No. LAC/ACQ/BPL/1254.—Whereas, I,
B. L. RAO
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
House situated at Ratlam
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ratlam on 2nd September, 1978
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Single-storeyed pucca house at plot No. 11 TIT Scheme
No. 20, Shastri Nagar, Ratlam

B. L. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 5-5-1978
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Naz Begum,
D/o Shri Ismail Khan,
Mohalla Shahjehanabad, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Maheshkumar,
S/o Shri Radheyshyamji Agarwal,
Lohabazar, Bhopal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th May 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1255/79-80.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Bhopal
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bhopal on 21st September, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

24—80G/79

Double-storeyed house known as "Nawab Manzil" with garden situated at Mohalla Shahjehanabad, Bhopal.

B. L. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal,

Date : 5-5-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th May 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1256/79-89.—Whereas, I, B. L. RAO, Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 8th September, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Shivdayal Karodelal Sahu, R/o 26, Sadhu Nagar, Indore.
(Transferor)

(2) Shri Bhalchand, S/o Shri Rakhabchand Gumalia, 71, Matharganj, Main Road, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House on plot No. 26, Manik Bagh Road, Sadhu Nagar, Indore.

B. L. RAO,
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Memuna Bai,
w/o Shri Amanat Alio Bohra,
Daudpura, Burhanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th May 1979

(2) 1. Shri Mahendra Kumar
S/o Shri Chunnilal
2. Smt. Chandra Bai
W/o Shri Chunnilal,
Gujrati Mod, Tholiwada, Daudpura,
Burhanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1257/79-80.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land situated at Vill. Hamidpura, Burhanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Burhanpur on 26th September 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6.50 acres of agricultural land at Khasra No. 11, 12 & 13 at Vill. Hamidpura, Tah. Burhanpur with Well and Elec. Motor with pump, Two Houses, Lemon & Mango Trees thereon.

B. L. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 5-5-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C. of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th May 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1258/79-80.—Whereas, I,
B. L. RAO,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot House situated at Ambikapur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Bombay on 1st September 1978

consideration which is less than the fair market value of the
aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the appa-
rent consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

1) Smt. Kalindi Bai
W/o Shri Keshav Ghate,
Shilakunj, 90 Nirmala Katar
17, Shankar Gankar Marg, Dadra
Bombay-28.

(Transferee)

(2) 1. S/Shri Manoj Kumar 2. Vishwanath
3. Vinit Vishal,
minors through guardian father
Shri Girdharilal Jaiswal,
Bawanipara, Ambikapur.
Distt. Surguja.

(Transferee)

(3) Executive Engineer,
Irrigation Dept., P.W.D.
(Government Office)
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the
respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 2067/3, area 2366.9 sq. mtr. with buildings
and structures at Ambikapur, M.P.

B. L. RAO,
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 10-5-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mustt. Zaibun Nessa, 16, Sagar Dutta Lane, Calcutta-73.
(Transferor)

(2) Shri Nishi Ranjan Deb Roy, Gobindapur, Kailasahar, N. Tripura.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Shillong, the 22nd May 1979

Ref. No. A-223/Agt/78-79/178-79.—Whereas, I, R. N. BARA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Khatian No. 55 to 61, 63 to 75 and Khatian No. 384 and 322 situated at Mouza Halaicherra and Mouza Jarultola, P. S. Kailasahar, North Tripura. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 9-9-78. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 184.20 Acres situated at Halaicherra Tea Estate of Kailasahar in the district of North Tripura.

R. N. BARA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date : 22-5-79.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

